RNI NO.DELHI/2012/48369
वर्ष 9 अंक 187
नई दिल्ली, रविवार, 16 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
नगर संस्करण

नई दिल्ली, लखनऊ, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

www.dailypioneer.com

मधुरी दीक्षित ने दिलायी सरोज खान की याद
विविध-12

दिल्ली की मृत्युदर सबसे अधिक

राष्ट्रीय औसत 1.2 से तीन गुना ज्यादा 5 प्रतिशत है मरने वालों की संख्या

● दुनियाभर में पोलैंड, रोमानिया और मेक्सिको के बाद है चौथा नंबर

नवीन उपाध्याय। नई दिल्ली

नई दिल्ली में रामलीला मैदान में 500 आईसीयू बिस्तरों वाले नवनिर्मित कोविड केयर सेंटर में एक रोगी को ले जाते चिकित्साकर्मी

कोविड-19 महामारी ने देशभर में कहर बरपाया, लेकिन राजधानी दिल्ली में मौत ने नंगा नाच खेला है। संक्रमण से मौत के मामले में दिल्ली दुनियाभर में चौथे नंबर पर है। इससे आगे सिर्फ पोलैंड, मैक्सिको और रोमानिया ही हैं। खास यह कि राजधानी में कोरोना से मरने वालों की औसत दर राष्ट्रीय औसत 1.2 से कहीं अधिक 5 प्रतिशत है।

राष्ट्रीय राजधानी में शनिवार को 6,430 नए केस आए और 337 मरीजों की मौत हुई। नए मरीजों के हिसाब से मरने वालों की यह संख्या 5.22 प्रतिशत है, जो वैश्विक स्तर पर केवल पोलैंड, रोमानिया और मैक्सिको से ही पीछे है। जहां तक अपने देश की बात है तो यह किसी भी अन्य राज्य से अधिक है। रोमानिया में बीते शुक्रवार को 105 मौतें हुई, जबकि 835 नए मरीज सामने आए। इस तरह यहां की मृत्यु दर 13 प्रतिशत रही। रोमानिया के बाद पोलैंड का स्थान है, जहां मृत्यु दर 8.76 प्रतिशत है। पोलैंड में शुक्रवार को 3289 नए मामले आए और 289 मौतें हुईं। इसके बाद मेक्सिको की मृत्युदर 8.56 प्रतिशत रही, जहां शुक्रवार को ही 311 मौतें हुईं और 3632 नए केस सामने आए। कोरोना से सबसे अधिक प्रभावित अमेरिका और ब्राजील में शुक्रवार को मृत्युदर तीन प्रतिशत से कम दर्ज की गई। दिल्ली में असामान्य रूप से उच्च मृत्युदर की यह प्रवृति लगभग एक सप्ताह से बनी हुई है। यहां 7 से 14 मई के बीच औसतन 12,600 प्रति दिन के साथ 88,114 मामले दर्ज किए गए। इस दौरान सबसे अधिक 2,178 मामले भी आए। इस हिसाब से एक सप्ताह के लिए मृत्युदर 4 प्रतिशत से कुछ अधिक रही। दिल्ली की तुलना में केरल में सबसे कम .5 प्रतिशत मृत्यु दर है। हालांकि वहां प्रतिदिन आने वाले नए संक्रमितों की संख्या बहुत ज्यादा है। राष्ट्रीय राजधानी में राज्य सरकार ने ऑक्सीजन संकट को हल कर लिया है और बेड की संख्या बढ़ाकर गंभीर रोगियों के अस्पताल में भर्ती की समस्या को भी दूर कर लिया है। संयोग से, पिछले साल नवंबर में जब पहली कोरोना लहर चरम पर थी, तो दिल्ली में लगभग 1.2 प्रतिशत मृत्युदर दर्ज की गई थी। (शेष पेज 9)

सरकार स्थापित कर रही ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने होम आइसोलेशन में कोविड-19 का इलाज करा रहे मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक की शुरू किया है। सीएम ने कहा कहा कि दिल्ली के सभी 11 जिलों में 200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर मुहैया कराए जाएंगे। डॉक्टरों की सलाह पर घर में पृथक-वास में रह रहे मरीजों को दो घंटे के भीतर ये उनके घर पर नि:शुल्क उपलब्ध कराए जाएंगे। जरूरतमंद मरीज 1031 पर कॉल कर कंसंट्रेटर मंगा सकते हैं। (विस्तृत पेज 3)

पांच राज्यों में विस चुनाव से टूटा कोरोना का कहर

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● प्रत्याशियों का प्रचार शुरू होते ही दिन प्रतिदिन खराब होते गए हालात

केरल, तमिलनाडु, पश्चिम बंगाल, असम और पुडुचेरी में हाल ही में संपन्न विधानसभा चुनाव से देश में कोरोना का कहर टूटा। राजनीतिक दलों के आक्रामक प्रचार अभियान और रैलियों में जुटाई गई भारी भीड़ कोविड-19 संक्रमण में तेजी से उछाल आया और दिन प्रति दिन बढ़ता गया। पायनियर टीम ने पांचों राज्यों की जमीनी हकीकत का जायजा लिया, जिसकी रिपोर्ट दिल दहलाने वाली है।

केरल: सबसे पहले बात केरल की, जहां कोरोना बुरी तरह फैला। इसी साल 26 फरवरी को जब मुख्य चुनाव आयुक्त सुनील अरोड़ा बेफिक्र होकर राष्ट्रीय टेलीविजन पर पांचों राज्यों के विधानसभा चुनावों की घोषणा कर रहे थे, तो यह राज्य कोरोना की पहली लहर से उबर रहा था। ओणम और क्रिसमस जैसे त्योहारों के दौरान भी केस नहीं बढ़े थे। उस समय केरल में 3,671 कोविड के नए मामले आए थे और 14 लोगों की मौत हुई थी। संक्रमण दर 5.41 फीसदी दर्ज की गई थी। इसके बाद 15 अप्रैल को यहां नए केस बढ़कर 8,126 हो गए और संक्रमण दर 13 फीसदी हो गई।

तमिलनाडु: तमिलनाडु में कोविड महामारी पिछले साल अपने चरम पर थी। उस समय 40,000 हजार केस आ रहे थे जो सख्त लॉकडाउन के बाद कम होकर फरवरी 2021 में 500 रह गए थे। चुनाव की घोषणा वाले दिन तमिलनाडु में 481 नए केस आए थे और पांच लोगों की मौत हुई थी। इसके बाद हालात भयावह होते गए। 21 मार्च को 1,289, 28 मार्च को 2,194 और मतदान के दिन 6 अप्रैल को कोरोना मरीजों की संख्या बढ़कर 3,645 हो गई। यह आंकड़ा बढ़ता गया और 20 अप्रैल को 10,986 केस और 48 मौतें दर्ज की गईं। 7 मई को राज्य में 26,465 नए मामले और 197 मौतों के साथ संक्रमण दर 18.21 फीसदी दर्ज की गई।

पुडुचेरी: चुनाव की घोषणा के दिन पुडुचेरी में सिर्फ 29 कोरोना मरीज मिले थे और कोई मौत नहीं हुई थी। उस समय तक राज्य में संक्रमितों की संख्या 39,669 थी और कुल 667 मरीजों की मौत हुई थी। सिर्फ साढ़े 10 सप्ताह में चुनाव के दौरान यहां तस्वीर बदल गई। पिछले सप्ताह औसतन हर दिन 1800 नए केस और 25 लोगों की मौत दर्ज की गई। चुनावी हलचल के दौरान पुडुचेरी में 60 गुना से अधिक केस बढ़े हैं।

असम : चुनाव से पहले तक असम कोरोना वायरस संक्रमण न के बराबर था। चुनावों की घोषणा वाले दिन 26 फरवरी को राज्य में कुल 34 केस और एक मौत हुई थी। इसके बाद 6 अप्रैल को मतदान के दिन यहां कुल संक्रमित मरीज 92 आए और हर गुजरते दिन के साथ संक्रमण बढ़ता गया। पिछले एक सप्ताह से राज्य में हर दिन 4000 से अधिक केस आ रहे हैं और 75 मौतें दर्ज हो रही हैं। देश के किसी दूसरे राज्य की तुलना में यह कम लगता है, लेकिन यहां हालात बहुत अच्छे नहीं कहे जा सकते। (शेष पेज 9)

कोरोना वायरस पीड़ित रोगियों पर प्लाज्मा थेरेपी कारगर नहीं

अर्चना ज्योति। नई दिल्ली

● लांसेट में प्रकाशित शोध में खुलासा, ब्रिटेन के 177 अस्पतालों में किया गया ट्रायल

कोविड संकट में प्लाज्मा की बहुत अधिक मांग और कालाबाजारी की खबरें आम हैं, लेकिन एक अध्ययन में कहा गया है कि कोरोना वायरस पीड़ित रोगियों पर प्लाज्मा थेरेपी कारगर नहीं है। लोगों की उम्मीदों पर पानी फेरते हुए इस शोध में स्पष्ट किया गया है कि इससे न तो मरीज को बचाने में मदद मिलती है और न ही मर्ज को दूर करने में। प्लाज्मा थेरेपी मूल रूप से ठीक हो चुके मरीजों से रक्त प्लाज्मा लेकर इसे नए संक्रमित मरीजों को चढ़ाया जाता है। भारत में इसकी प्रभावकारिता को लेकर डॉक्टरों की राय अलग-अलग है। कई डॉक्टर रोगियों को प्लाज्मा की सलाह देते हैं और उनके तीमारदारों से प्लाज्मा की व्यवस्था करने के लिए कहत हैं। उनका मानना है कि इससे ठीक हो चुके मरीजों से एंटीबॉडी को नए मरीजों में स्थानांतरित करने में मदद मिलती है। ये डॉक्टर मानते हैं कि प्लाज्मा थेरेपी रोगी की प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को मजबूत करने में मदद करती है। हालांकि, डॉक्टरों की एक टीम ने अस्पताल में भर्ती कोविड मरीजों पर प्लाज्मा थेरेपी का ट्रायल किया और यह निष्कर्ष निकाला कि इसका मरीज की स्थिति पर कोई फर्क नहीं पड़ता। न तो इससे मरीजों की जिंदा बचने की संभावना बढ़ी और न ही कोई और सकारात्मक चिकित्सीय नतीजा सामने आया। मेडिकल जनरल लांसेट में प्रकाशित एक शोध में कहा गया है कि ब्रिटेन के 177 एनएचएस अस्पतालों में ट्रायल चल रहा है। इसमें कहा गया है कि प्लाज्मा थेरेपी का दूसरे मरीजों को फायदा हुआ या नहीं, इसका अभी और ट्रायल किए जाने की जरूरत है। इससे पहले, भारत के आईसीएमआर-प्लेसिड और अर्जेंटीना के प्लाज्मर के ट्रायल में वैज्ञानिक इस नतीजे पर पहुंचे हैं कि अस्पताल में भर्ती मरीज पर प्लाज्मा थेरेपी लाभकारी नहीं होती है। (शेष पेज 9)

एयर इंडिया पर केयर्न की नजर

भाषा। नई दिल्ली

ब्रिटेन की पेट्रोलियम कंपनी केयर्न एनर्जी ने भारत सरकार के खिलाफ 1.7 अरब डॉलर की वसूली के सिलसिले में अमेरिका में एक मुकदमा दायर किया है। इसके तहत कंपनी एयर इंडिया जैसी भारत सरकार की कंपनियों की विदेशों में स्थित संपत्तियों को जब्त करा सकती है। यह मामला आयकर कानून में पिछली तिथि से प्रभावी एक संशोधन के तहत कंपनी पर लगाए गए कर से जुड़ा है। केयर्न ने इसे अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता पंचाट में चुनौती दी थी और पंचाट का फैसला उसके पक्ष में आया है। केयर्न ने 14 मई को न्यूयार्क के दक्षिण जिले की अदालत में मुकदमा दर्ज कर भारत सरकार के स्वामित्व वाली विमान सेवा कंपनी एयर इंडिया को भारत की सरकार का ही अभिन्न रूप माने जाने की अपील की है। इसके आधार पर वह विदेशों में स्थित भारत सरकार की संपत्तियां जब्त कर अपने पैसे वसूलना चाहती है। उसका कहना है कि एयर इंडिया और भारत सरकार एक ही हैं। सूत्रों के अनुसार न्यूयार्क की अदालत में केयर्न ने इस मामले में एयरइंडिया को उसका देनदार घोषित किए जाने का आग्रह किया है। (शेष पेज 9)

केंद्र के भेजे वेंटीलेटर के इस्तेमाल की होगी ऑडिट

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● सरकार ने इनके खराब होने से इनकार किया

केंद्र सरकार ने आदेश दिया है कि उसकी ओर से भेजे गए सभी वेंटीलेटर की ऑडिट होगी, यानी इसका हिसाब किताब रखना होगा कि इन वेंटीलेटर का इस्तेमाल कहाँ, कैसे और कब हुआ। यह आदेश ऐसे समय दिया गया है जब कई जगहों से ख़बरें आई हैं कि वेंटीलेटर का इस्तेमाल नहीं हुआ और वे बेकार पड़े रहे। लेकिन इसके साथ ही केंद्र सरकार ने वेंटीलेटर के खराब होने का आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया है। प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक आदेश में कहा गया है, कुछ राज्यों में धूल खा रहे वेंटिलेटरों की खबरों को प्रधानमंत्री ने गंभीरता से लिया है और निर्देश दिया कि केंद्र सरकार द्वारा मुहैया कराये गए वेंटिलेटरों को लगाने और इस्तेमाल करने का तत्काल ऑडिट किया जाए। प्रधानमंत्री ने कहा कि यदि आवश्यक हो तो स्वास्थ्य कर्मियों को वेंटिलेटर के ठीक से परिचालन के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जाना चाहिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय से यह भी कहा गया है कि स्थानीय स्तर पर कंटेनमेंट की रणनीति बनाई जानी चाहिए, यह काम उन जगहों के लिए अधिक महत्वपूर्ण है, जहाँ पॉजिटिविटी रेट ज़्यादा है, यानी ज़्यादा लोग कोरोना से संक्रमित हो रहे हैं। पीएमओ ने यह भी कहा है कि ऐसे इलाक़ों में कोरोना जाँच भी बढ़ाने की ज़रूरत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक उच्च स्तरीय बैठक में कहा है कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवा संसाधन बढ़ाए जाने चाहिए ताकि घर-घर जाकर कोरोना जाँच और निगरानी की जा सके। इसके साथ ही मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को भी हर ज़रूरी संसाधन देने को कहा है। प्रधानमंत्री ने कहा है कि ग्रामीण इलाकों में होम आइसोलेशन और इलाज के लिए आसान भाषा में चित्रों के साथ दिशा निर्देश मुहैया कराया जाना चाहिए।

दूसरी ओर राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने के निर्णय को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया। गहलोत ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री द्वारा पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है। गहलोत ने कहाकि कुछ मीडिया रिपोर्ट से पता लगा है कि भारत सरकार की कम्पनी एचएलएल लाईफ केयर लिमिटेड के माध्यम से लगभग 10 कम्पनियों से 59,000 वेंटिलेटर खरीदे गए। उसमें कई ऐसी कम्पनियां भी हैं जिन्हें वेंटिलेटर बनाने का किसी प्रकार का अनुभव नहीं था।

ब्लैक फंगस का कारण बना स्टेरॉयड का बेजा इस्तेमाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

● एम्स निदेशक डॉ. रणदीप गुलेरिया ने किया आगाह, अस्पतालों में सख्ती से किया जाए कोविड नियमों का पालन

एम्स के निदेशक रणदीप गुलेरिया ने शनिवार देश के विभिन्न भागों में फंगल संक्रमण के बढ़ते मामलों पर आगाह करते हुए कहा कि यह बहुत महत्वपूर्ण है कि अस्पतालों को संक्रमण रोकने के लिए निर्देशों का पालन करना चाहिए। गुलेरिया ने कहा, ऐसा देखा गया है कि द्वितीयक संक्रमण चाहे फंगल से हो या बैक्टीरिया जनित, इससे ज्यादा मौतें हो रही है। म्यूकरमाइकोसिस से चेहरा, आंखों के घेरे या मस्तिष्क प्रभावित हो सकता है जिससे दृष्टि भी जा सकती है। यह (संक्रमण) फेफड़े तक पहुंच सकता है। उन्होंने कहा कि स्टेराइड के दुरुपयोग से भी इस तरह के संक्रमण के मामले बढ़ रहे हैं। गुलेरिया ने कहा, मधुमेह से ग्रस्त, कोविड-19 के रोगियों और स्टेराइड लेने वालों में फंगल संक्रमण की आशंका रहती है। इसे रोकने के लिए हमें स्टेराइड का दुरुपयोग रोकना चाहिए।

गुलेरिया ने कहाकि कोरोना वायरस के मरीजों के इलाज के संबंध में सरकार का ध्यान ग्रामीण इलाकों में प्रशिक्षण, अस्पतालों में संक्रमण रोकने के लिए बेहतर तौर-तरीका लागू करने और फंगल संक्रमण की रोकथाम पर है। ग्रामीण इलाकों में महामारी के प्रसार की खबरों के बीच उन्होंने कहा कि देश के हरेक हिस्से में कोविड प्रबंधन होना चाहिए। गुलेरिया ने कहा, सभी हिस्सों से खासकर ग्रामीण इलाकों से संपर्क बनाना चाहिए। (शेष पेज 9)

बाजार

सेंसेक्स	48,691	
निफ्टी	14,696	
सोना	47,074	/10g
चांदी	70,807	/kg

क्विक न्यूज

आधार कार्ड न होने पर आवश्यक सेवाएं देने से मना नहीं किया जा सकता

नई दिल्ली। भारतीय विशिष्ट पहचान प्राधिकरण (यूआईडीएआई) ने शनिवार को कहा कि किसी भी व्यक्ति को टीका लगाने, दवा देने, अस्पताल में भर्ती करने या उपचार उपलब्ध कराने से सिर्फ इस वजह से इनकार नहीं किया जा सकता कि उसके पास आधार कार्ड नहीं है। इसने स्पष्ट किया कि कोई भी आवश्यक सेवा उपलब्ध कराने से इनकार करने के लिए आधार कार्ड का बहाना नहीं किया जाना चाहिए। देश में कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच यूआईडीएआई का बयान का काफी मायने रखता है। यूआईडीएआई ने एक बयान में कहा कि आधार के मामले में भली-भांति स्थापित एक अपवाद है जिसका 12 अंकों के बायोमीट्रिक आईडी की अनुपस्थिति में सेवा और लाभ प्रदायगी सुनिश्चित करने के लिए पालन किया जाना चाहिए।

गुजरात की तरफ बढ़ चला तूफान तौकते

पायनियर समाचार सेवा। मुंबई, अहमदाबाद

भारतीय मौसम विभाग ने शनिवार शाम में कहा कि चक्रवाती तूफान तौकते और मजबूत हो गया है और यह गुजरात तट एवं केंद्र शासित प्रदेश दमन-दीव एवं दादरा-नगर हवेली तट की ओर बढ़ रहा है। आईएमडी ने कहा कि तूफान के शनिवार देर रात तक बहुत गंभीर चक्रवाती तूफान में तब्दील होने की संभावना है। विभाग ने कहा कि इसके उत्तर-उत्तर-पश्चिम की ओर बढ़ने और 18 मई की दोपहर के आसपास पोरबंदर और नलिया के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है।

आईएमडी ने कहा कि चूंकि इससे उस क्षेत्र में बहुत भारी वर्षा आएगी, मुंबई जैसे शहर ज्यादा प्रभावित नहीं होंगे। आईएमडी ने कहा कि 17 मई को मुंबई सहित उत्तरी कोंकण में कुछ स्थानों पर तेज हवाएं चलेंगी और भारी बारिश होगी। वरिष्ठ निदेशक (मौसम) आईएमडी, मुंबई शुभानी भूटे ने कहा कि महाराष्ट्र की राजधानी में रविवार दोपहर से बारिश की उम्मीद है। उन्होंने कहा कि तूफान फिलहाल गोवा से 250 किलोमीटर दक्षिण-पश्चिम में है। भूटे ने कहा, महाराष्ट्र के सिंधुदुर्ग और रत्नागिरि जिलों के साथ गोवा ज्यादातर बारिश और तेज हवाओं से प्रभावित होगा। उन्होंने कहा कि हवा की गति लगभग 60 से 70 किमी प्रति घंटे होगी। उन्होंने कहा कि आईएमडी ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है, जिसका मतलब है कि पूरे कोंकण और पश्चिमी महाराष्ट्र के पहाड़ी इलाकों, मुख्य रूप से कोल्हापुर और सतारा में रविवार और सोमवार को भारी से बहुत भारी बारिश होने की संभावना है।

गाजा पर इजराइली हमले में 10 फलस्तीनियों की मौत

● अंतरराष्ट्रीय मीडिया के दफ्तरों वाली हाईराइज बिल्डिंग ध्वस्त

एपी। गाजा सिटी

गाजा में इजराइली हमले ध्वस्त अंतरराष्ट्रीय मीडिया के कार्यालयों वाला भवन

गाजा सिटी में शनिवार तड़के इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 10 फलस्तीनियों की मौत हो गई, जिनमें अधिकांश बच्चे थे। गाजा के उग्रवादी हमास शासकों के साथ लड़ाई शुरू होने के बाद से इजराइल के एक हमले में मरने वाले लोगों की यह सबसे अधिक संख्या है। पिछले महीने यरूशलम में तनाव से शुरू हुआ यह संघर्ष व्यापक पैमाने पर फैल गया है। वहीं इजराइली सेना के हवाई हमले में शनिवार को गाजा सिटी स्थित एक बहुमंजिला इमारत ध्वस्त हो गई, जिसमें स्थित एसोसिएटेड प्रेस और अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय थे। इजराइली सेना के इस हालिया कदम को चरमपंथी संगठन हमास के साथ जारी उसकी लड़ाई के संबंध में गाजा की जमीनी स्तर की सूचनाओं को सामने लाने से रोकने के प्रयास के तौर पर देखा जा रहा है। सेना द्वारा इमारत को खाली करने का आदेश दिए जाने के एक घंटे बाद ही यह हमला हुआ। इस इमारत में रिहायशी अपार्टमेंट होने के साथ ही एपी, अल-जजीरा समेत अन्य संस्थानों के दफ्तर थे। इस हमले से 12 मंजिला इमारत जमींदोज हो गई और चारों तरफ धूल का गुबार छा गया। इस बारे में तत्काल कोई स्पष्टीकरण सामने नहीं आया कि इस इमारत को निशाना क्यों बनाया गया? मीडिया संस्थानों के कार्यालय जिस इमारत में थे उस पर दोपहर को हुए हमले से पहले इजराइली सेना ने इमारत के मलिक को फोन कर इसे निशाना बनाए जाने की चेतावनी दी थी। इसके बाद एपी के कर्मचारी एवं अन्य लोगों ने तत्काल इमारत को खाली किया। कतर सरकार द्वारा वित्तपोषित अल-जजीरा न्यूज नेटवर्क ने इमारत पर हुए हमले और इसके जमींदोज होने का सीधा प्रसारण किया।

अरब और यहूदियों की मिश्रित आबादी वाले इजराइली शहरों में रोज हिंसा देखी जा रही है। इजराइल और हमास के बीच जारी लड़ाई के दौरान वेस्ट बैंक में भी फलस्तीनियों ने व्यापक पैमाने पर प्रदर्शन किया और सैकड़ों प्रदर्शनकारियों ने कई शहरों में इजराइली सेना के साथ झड़प की। इस दौरान इजराइली सेना की कार्रवाई में कम से कम 11 लोग मारे गए। यह हिंसा ऐसे वक्त में हो रही है जब फलस्तीन शनिवार को नकबा दिवस मना रहे हैं जब वे 1948 के युद्ध में इजराइल द्वारा मारे गए हजारों फलस्तीनियों को याद करता है। इससे संघर्ष के और तेज होने की आशंका बढ़ गई है। इजराइल-फलस्तीन मामलों के लिए अमेरिका के उप सहायक विदेश मंत्री हादी आम्र संघर्ष को कम करने की कोशिश के तौर पर शुक्रवार को इजराइल पहुंचे। इस बीच, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के रविवार को बैठक करने की संभावना है। हालांकि, मिस्र के एक खुफिया अधिकारी ने बताया कि इजराइल ने एक साल के संघर्ष विराम के उसके प्रस्ताव को ठुकरा दिया है जिसे हमास ने स्वीकार कर लिया था। सोमवार की रात से लेकर अब तक हमास ने इजराइल में सैकड़ों रॉकेट दागे हैं। गाजा में कम से कम 126 लोगों की मौत हो गई है जिनमें 31 बच्चे और 20 महिलाएं शामिल हैं। इजराइल में सात लोगों की मौत हो गई है जिनमें छह साल का बच्चा और एक सैनिक शामिल है।

नोएडा में ब्लैक फंगस के मिले 7 मरीज

दो अभी संदिग्ध और एक की हो चुकी मौत, दवा उपलब्ध नहीं

● **संक्रमितों को झेलनी पड़ रही है दोहरी मार**

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

नोएडा और ग्रेटर नोएडा के अस्पतालों में भर्ती कोरोना मरीजों पर एक और आफत हमला कर रही है। मरीजों में ब्लैक फंगस यानी म्यूकोर्मिकोसिस के मामले बढ़ रहे हैं। नोएडा के कैलाश अस्पताल में इस बीमारी से पीड़ित एक मरीज को भर्ती कराया गया है।

ग्रेटर नोएडा के यथार्थ अस्पताल में ऐसे 6 मरीज हैं। शारदा अस्पताल में 2 मरीज बताए जा रहे हैं। हालांकि, इन 2 मरीजों में डॉक्टरों ने अभी ब्लैक फंगस की पुष्टि नहीं की है। इतना ही नहीं हाल ही में एक मरीज की मौत ब्लैक फंगस के कारण हो चुकी है। एक और समस्या यह है कि इसकी दवा अभी बाजार में नहीं मिल रही है।

मिली जानकारी के मुताबिक नोएडा के बरौला गांव निवासी मांगेराम शर्मा को कोविड-19 से ठीक होने के बाद आंखों की रोशनी कम हो गई। उन्हें मेरठ मेडिकल कॉलेज भेजा गया था। यहां मरीज की हालत गंभीर होने पर उन्हें नोएडा के कैलाश अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

देशभर में कोरोना संक्रमण के मरीजों को दोहरी मार झेलनी पड़ रही है। एक तरफ कोरोना संक्रमण के लोग उभर नहीं पा रहे हैं कि उन्हें ब्लैक फंगस का शिकार होना पड़ रहा है। ऐसा ही एक मामला नोएडा में भी सामने आया है। कोरोना संक्रमण के मरीज को ब्लैक फंगस हुआ है और उसकी आंखों की रोशनी चली गई है। परिजनों का कहना है कि उपचार के लिए उन्हें नोएडा के कैलाश हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है। जहां उनकी हालत बेहद गंभीर बनी हुई है।

कमजोर रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों को ब्लैक फंगस का खतरा ज्यादा

हापुड़। कोविड-19 की दूसरी लहर में जहां वायरस म्यूटेंट होने से पहले से ज्यादा खतरनाक हो गया है, वहीं इस बार कम रोग प्रतिरोधक क्षमता वालों में दुर्लभ फंगल इंफेक्शन म्यूकोरमाइकोसिस (ब्लैक फंगस) के मामले भी सामने आ रहे हैं। हालांकि हापुड़ में अभी तक केवल एक ही मामला सामने आया है, मरीज को उपचार के लिए नोएडा रेफर किया गया है और साथ ही इस फंगल इन्फेक्शन पर नजर रखने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया गया है। जिस कोविड अस्पताल में पहला मामला सामने आया है, उसमें भर्ती अन्य उपचाराधीनों की भी स्क्रीनिंग की जा रही है, हालांकि उपचाराधीन आइसोलेशन में था। यह बातें शनिवार को मुख्य चिकित्सा अधिकारी (सीएमओ) डा. रेखा शर्मा ने कही।

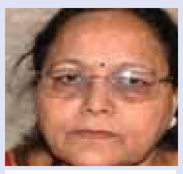
सीएमओ डॉ. रेखा शर्मा

सीएमओ ने बताया मधुमेह रोगियों को कोविड-19 होने पर म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा ज्यादा है, क्योंकि इन लोगों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। ऐसे लोग शुगर लेवल का ध्यान रखें। घर में रहते हुए अपनी पंसदीदा पुस्तक पढ़ें या टीवी पर अपने पंसदीदा कार्यक्रम और फिल्म आदि देखें। कम से कम आठ घंटे की नींद जरूर लें और तनाव से बचे रहें। निगेटिव खबरों से भी दूरी बनाकर रखें। पॉजिटिव सोचें। ध्यान रहे शुगर बढ़ने और तनाव से रोग प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है।

ब्लैक फंगस के लक्षण

- नाक में दर्द हो, खून आए या नाक बंद हो जाए
- नाक में सूजन आ जाए
- दांत या जबड़े में दर्द हो या गिरने लगें
- आंखों के सामने धुंधलापन आए या दर्द हो, बुखार हो
- सीने में दर्द
- बुखार
- सिर दर्द
- खांसी
- सांस लेने में दिक्कत
- खून की उल्टियाँ होना
- कभी-कभी दिमाग पर भी असर होता है

कैसे बचें

- किसी निर्माणाधीन इलाके में जाने पर मास्क पहनें।
- बगीचे में जाएं तो फुल आस्तीन शर्ट, पैंट व ग्लब्स पहनें
- ब्लड ग्लूकोज स्तर को जांचते रहें और इसे नियंत्रित रखें

कोरोना जांच के लिए 16 गांवों में लगे शिविर

● **ईशान आयुर्वेदिक अस्पताल में 10 बेड का आक्सीजन केयर सेंटर शुरू**

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

गांवों के बिगड़े हालात को सुधारने के लिए प्रशासन जुटा हुआ है। मरीजों की पहचान करने के लिए शुक्रवार को 16 गांवों में जांच शिविर लगाए गए। यहां पर एंटीजन जांच करके मरीजों की पहचान की गई।

वहीं, ग्रामीण क्षेत्रों के मरीजों के लिए शुक्रवार को ईशान आयुर्वेदिक अस्पताल में 10 बेड का आक्सीजन केयर सेंटर शुरू हो गया। यहां पर 90.96 ऑक्सीजन लेवल वाले मरीजों को भर्ती किया जाएगा। अगर किसी मरीज की हालत गंभीर होती है तो यहां से दूसरी जगह शिफ्ट किया जाएगा। गांवों में बिगड़े हालात का मुद्दा पायनियर ने उठाया था इसके बाद प्रशासनिक अमले ने गांवों की ओर रुख किया। स्वास्थ्य विभाग ने गांवों में जांच शिविर लगाया। शुक्रवार को इस्लामाबाद कल्दा, शादीपुर छिड़ौला, रनौली लतीफपुर, शाहपुर खुर्द, नगला नैनसुख, समाउद दीनपुर, पटादी, बिसाहड़ा, खंगौड़ा, ततारपुर, सैंथली, नगला चमरू, बंबावड़, कूड़ी खेड़ा, उपरालसी, मुठियानी आदि गांवों में स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने जांच शिविर लगाया।

गांव में लगाए गए शिविर में एक ग्रामीण की एंजीजन टेस्ट करता स्वास्थ्यकर्मी।

शिविर दो पालियों में लगाए गए। किसी गांव में 8 बजे से 1.30 बजे तक और किसी गांव में 2 बजे से रात 8 बजे तक शिविर लगे। इन शिविरों में एंटीजेन जांच की गई। अकेले बंबावड़ में 84 लोगों की जांच की गई। इसमें 12 ग्रामीण पॉजिटिव पाए गए। गांव के निवासी अमित नागर ने बताया कि शुक्रवार को गांव में जांच शिविर लगाया गया। उन्होंने बताया कि 15.20 दिनों के भीतर 20 लोगों की मौत हो चुकी है। लोगों में बुखार, खांसी व जुकाम की शिकायत थी। सांस लेने में दिक्कत के बाद निधन हुआ है।

संक्रमण से बचने को बरतें सावधानी : कमिश्नर

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

पुलिस कमिश्नर ने जेवर विधायक के साथ शुक्रवार को सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र जेवर का निरीक्षण किया जो कोरोना पोजिटिव मरीजो के उपचार के लिये तैयार किया गया है। वहीं, उन्होंने कई गांवों में जाकर ग्रामीणों से बातचीत कर उनका हालचाल जाना।

पुलिस कमिश्नर आलोक कुमार सिंह ने जेवर विधायक ठाकुर धीरेन्द्र सिंह के साथ शुक्रवार को कोविड 19 के लिये सभी संसाधनों से लैस हुए जेवर के कानीगढी रोड पर स्थित सीएचसी का निरीक्षण कर चिकित्सकों से परामर्श कर जेवर विधायक के कार्य की तारीफ की और उसके बाद पुलिस कमिश्नर ने सीएचसी में वृक्षारोपण करने के बाद गांव कानीगढी करौल व रामपुर में ग्रामीणो के साथ महामारी को लेकर वार्ता की। गांव में कोई पोजिटिव मरीज नहीं मिलने पर उन्होंने खुशी जाहिर की और ग्रामीणों से महामारी से बचने के लिये सावधानी बरतने व मास्क लगाने की अपील की।

जेवर में ग्रामीणों से मिलकर उनका हालचाल लेते पुलिस कमिश्नर आलोक सिंह।

बता दें की सीएचसी का मेरठ मंडल आयुक्त संतोष सिंह व जिलाधिकारी गौतमबुध्दनगर सुहास एलवाई भी सीएचसी का निरीक्षण किया था।

प्राधिकरण ने 67 दैनिक श्रमिकों को दिलाया काम

नोएडा। कोरोना महामारी में दैनिक श्रमिकों को ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण काम भी दिलवा रहा है। शुक्रवार को प्राधिकरण ने 67 कामगारों को काम दिलवाया। अब तक प्राधिकरण ने 302 लोगों को काम दिलवा चुका है।

प्राधिकरण का प्रयास है कि महामारी के समय में भी लोगों को काम मिलता रहे। ग्रेनो प्राधिकरण सीईओ नरेंद्र भूषण ने लाकडाउन को देखते हुए दैनिक श्रमिकों को कोई दिक्कत ना हो, इसके लिए योजना बनाई। उन्होंने प्राधिकरण के सहायक प्रबंधक ज्ञानेन्द्र यादव को जिम्मेदारी दी गई। वह रोजाना डेल्टा सेक्टर की रोटरी के समीप स्थित लेबर चौक पर अपने ठेकेदारों के साथ जाकर दैनिक श्रमिकों को काम दिला रहे हैं।

कोरोना पीड़ितों के लिए देवदूत बनी सेवा भारती

सेवादार मरीजों को घर-घर उपलब्ध करा रहे हैं निशुल्क सात्विक भोजन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की सहयोगी संस्था सेवा भारती कोरोना पीड़ितों के लिए घर-घर निशुल्क भोजन पहुंचाकर एक बड़ी मानव सेवा कर रही है। गाजियाबाद जनपद के लोनी और मुरादनगर में ऐसे कोरोना पीड़ितों को निशुल्क भोजन उनके घरों पर पहुंचा रहे हैं जो आइसोलेशन में रहकर कोरोना का इलाज करा रहे हैं। आइसोलेशन में रह रहे ये वह घर है जहां भोजन बनाने की कोई व्यवस्था नहीं है।

इस परेशानी को ध्यान में रखते हुए सेवा भारती ने आइसोलेशन में रह रहे लोगों को भोजन उनके घरों पर पहुंचाने का बीड़ा उठाया है। खास बात यह है कि लोनी व मुरादनगर में दोपहर के भोजन के लिए सुबह 8:30 बजे से 10:00 बजे तक ऑर्डर कर सकते हैं जबकि शाम के भोजन के लिए शाम 4:00 से 5:30बजे तक ऑर्डर दे सकते हैं।

सेवा भारती लोनी के प्रचार प्रसार प्रमुख विवेक अग्रवाल ने बताया कि लोनी में यह सेवा 14 मई से शुरू की गई है और अभी उनके पास 40 से 50 थाली के ऑर्डर ही आए हैं और बहुत जल्दी यह संख्या अभी और बढ़ेगी। उन्होंने बताया कि थाली में सात्विक भोजन को वरीयता दी गई है। थाली में दाल मौसमी सब्जी चपाती और गुड विशेष रूप से भोजन प्रसाद में रखा गया है। लोनी में सेवा भारती की रसोई बंथला स्थित सेवा भारती के भारत भवन में शुरू की गई है।

भोजन तैयार करने से लेकर वितरण तक की व्यवस्था में लगभग दो दर्जन सेवा भारती के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। इसके अलावा मुरादनगर में भी आइसोलेशन में रह रहे लोगों को सेवा भारती के कार्यकर्ता देवदूत बनकर निशुल्क भोजन उनके घरों तक पहुंचा रहे हैं। मुरादनगर सेवा भारती के सक्रिय सेवादार नवीन सिंघल ने बताया कि सरस्वती शिशु मंदिर मुरादनगर में भोजन तैयार किया जाता है और वही से दोनों समय का भोजन वितरण के लिए जाता है।

भोजन के लिए संपर्क सूत्र

लोनी इलाके में आइसोलेशन में रह रहे लोग इन दो संपर्क सूत्रों पर भोजन के लिए आर्डर दे सकते हैं।

- विवेक कांत अग्रवाल संपर्क सूत्र 8510953030
- रामनिवास संपर्क सूत्र, 9313552623

बॉक्स,
मुरादनगर में निशुल्क भोजन के लिए यहां करें संपर्क

- रामनिवास गोयल संपर्क सूत्र 9868310035
- संजीव चौधरी संपर्क सूत्र, 9312882561
- नवीन सिंघल संपर्क सूत्र, 9897054751
- रजनीश 9259195767

संक्षिप्त समाचार

ऑक्सीजन प्लांट का शुभारंभ करते लोनी के विधायक।

लोनी में बंद पड़ा ऑक्सीजन प्लांट शुरू

गाजियाबाद। लोनीवासियों के लिए बड़ी राहत की खबर है। महीनों से बंद पड़े ट्रोनिका सिटी स्थित ऑक्सीजन प्लांट में लिक्विड टैंक पहुंचने के बाद ऑक्सीजन रिफलिंग का काम शुरू हो गया। जिसके बाद लोनी क्षेत्र में ऑक्सीजन की किल्लत दूर हो गयी। विधायक नन्दकिशोर गुर्जर ने प्लांट का उद्धघाटन करते हुए कहा कि ऑक्सीजन आपूर्ति में अब लोनी आत्मनिर्भर बन गया है।

सवा पांच करोड़ हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र का वर्चुअल जाप करते श्रद्धालु।

कोरोना से मुक्ति के लिए महामंत्र का जाप

गाजियाबाद। संस्कार प्रवाह चैरिटेबल ट्रस्ट गाजियाबाद के तत्वावधान में कोरोना महामारी के संकट से निजात पाने के लिए अक्षय तृतीया पर सवा पांच करोड़ हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र जप के अनुष्ठान का आयोजन किया गया। अनुष्ठान में देश-विदेश के श्रद्धालुओं ने भाग लिया और हरे राम हरे कृष्ण महामंत्र का जाप किया। अनुष्ठान अध्यात्मिक गुरु नवनीत प्रिया दास महाराज कराया।

सीकरी कलां गांव में एक महीने में 14 मौत से दहशत

गाजियाबाद। शहरी क्षेत्रों के साथ कोरोना संक्रमण गाजियाबाद के ग्रामीण क्षेत्रों में भी अपने पैर पसार रहा है। मोदीनगर क्षेत्र के सीकरी कलां गांव में बीते 1 महीने के अंदर बीमारी और कोरोना से 14 लोगों की मौत हो गई है। सीकरी कलां गांव के नवनिर्वाचित प्रधान सुरमेश शर्मा ने बताया कि 10 से 15 दिनों के अंदर कोरोना महामारी के कारण गांव में 14 लोगों की मौत हो गई है।

गौतमबुद्धनगर जिले में संक्रमण से 10 की मौत

नोएडा। जनपद गौतमबुद्धनगर में शनिवार को कोरोना वायरस संक्रमण से 10 लोगों की मौत हुई है। जिले में कोविड-19 के 480 नए मामले सामने आए जबकि 1250 लोग संक्रमण मुक्त हुए हैं। जनपद में कोविड-19 से मरने वाले लोगों की संख्या 381 हो गई है। जिला निगरानी अधिकारी डॉक्टर सुनील दोहरे ने बताया कि शनिवार को जिले के विभिन्न अस्पतालों और गृह-पृथकवास में 6850 मरीजों का उपचार चल रहा है। उन्होंने बताया कि जनपद में अभी तक कुल 58,700 लोगों के संक्रमित होने की पुष्टि हुई है जिनमें से 51876 मरीज संक्रमण मुक्त होकर घर जा चुके हैं।

सगे भाई व पति ने मिलकर की थी महिला की हत्या

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

थाना मसूरी थाने के बयाना गांव में दो दिन पहले हुए महिला की नृशंस हत्या का पुलिस ने खुलासा कर दिया है।

पुलिस ने इस मामले में महिला के सगे भाई व पति को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर आलाकत्ल फावड़ा बरामद कर लिया है। पुलिस का कहना है कि आये दिन होने वाली कलह से परेशान होकर जीजा, साले ने महिला की फावड़े से काटकर हत्या की थी।

पुलिस अधीक्षक ग्रामीण डॉ. इराज राजा ने शनिवार को बताया कि 13 मई को गांव बयाना में राजकुमारी नामक एक महिला का उसी के घर के कमरे में खून से लथपथ लाश बरामद हुई थी।। सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया और इस पूरे मामले की जांच में जुट गई । इसी दौरान मृतका का पति दीपक खुद थाने पहुंचा और उसने कहा कि किसी ने उसकी पत्नी की हत्या करने की बात कहकर पुलिस को गुमराह करने की कोशिश की थी । लेकिन पुलिस ने शुरुआती जांच पड़ताल में महिला के पति को ही पूरे मामले में संदिग्ध पाया गया। जिसके बाद उससे गहनता से पूछताछ की गई तो उसने अपना जुर्म स्वीकार करते हुए बताया कि अपने साले कृष्ण के साथ मिलकर दोनों ने ही फावड़े से वार कर महिला की हत्या की है ।

मृतका राजकुमारी की फाइल फोटो

कार से धक्का देकर हत्या की कोशिश, गिरफ्तार

कविनगर पुलिस ने एक ऐसे शख्स को गिरफ्तार किया है जिसने अपनी पत्नी के साथ न केवल गाली गलौज व मारपीट की बल्कि उसे चलती गाड़ी से धक्का देकर उसकी हत्या की कोशिश भी की। इस शख्स का नाम सचिन वर्मा है जो गोविंदपुरम के दुर्गा एनक्लेव का रहने वाला है । इस संबंध में सचिन के खिलाफ कविनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई गई थी। इसके बाद पुलिस ने सचिन को गिरफ्तार कर लिया।

मसूरी पुलिस की गिरफ्त में दोनो हत्यारोपी।

सड़क हादसों में दो युवकों की मौत

नोएडा। जनपद के दो अलग-अलग थाना क्षेत्रों में हुए दो सड़क हादसों में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज जांच शुरू कर दी है। पुलिस के मुताबिक दादरी थाना क्षेत्र के ईस्टर्न पेरीफेरल एक्सप्रेसवे पर अपनी कार से जा रहे श्रीकांत की गाड़ी खराब हो गई। वह कार से उतर कर सड़क पर खड़े थे। तभी एक अज्ञात वाहन चालक ने तेजी व लापरवाही से वाहन चलाते हुए उन्हें टक्कर मार दी। इस घटना में उनकी मौत हो गई। इसके अलावा सूरजपुर थाना क्षेत्र में एक अन्य सड़क हादसे में धर्मेंद्र कुमार की मौत हो गई।

लोनी सीएचसी में आइसोलेशन वार्ड का फीता काटकर उद्घाटन करते विधायक।

लोनी सीएचसी में बनाया 50 बेड का आइसोलेशन वार्ड

घर में आइसोलेशन संभव न होने पर निशुल्क सुविधा का लाभ लें : एसडीएम

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

● **विधायक ने फीता काटकर किया उद्घाटन**

जिला प्रशासन ने जहां बड़े गांवों में आइसोलेशन सेंटर बनाने का निर्णय लिया है वहीं लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में शनिवार को 50 बेड का आइसोलेशन वार्ड बनकर तैयार हो गया। लोनी विधायक नंदकिशोर गुर्जर ने आइसोलेशन वार्ड का फीता काटकर उद्घाटन किया।

इस मौके पर एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला व अन्य अधिकारियों के अलावा सीएचसी लोनी प्रभारी डा. राजेश तेवतिया भी मौजूद रहे। इसके पहले डासना सीएचसी में भी आइसोलेशन वार्ड जिला प्रशासन की ओर से तैयार कराया जा चुका है। आइसोलेशन वार्ड में जिला प्रशासन की ओर से भोजन की भी व्यवस्था कराई जा रही है।

एसडीएम लोनी शुभांगी शुक्ला ने बताया जिन घरों में जगह की कमी है और होम आइसोलेशन संभव नहीं है, ऐसे लोगों के लिए आइसोलेशन सेंटर तैयार कराए जा रहे हैं। जनपद में डासना के बाद लोनी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में आइसोलेशन सेंटर तैयार हो गया है। जिला प्रशासन अन्य स्थानों पर भी इस तरह की तैयारी में जुटा है। लोनी स्थित सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में तैयार कराया गया आइसोलेशन वार्ड 50 बेड का है।

एसडीएम ने बताया यहां सफाई की विशेष व्यवस्था की गई है। जिन लोगों की तबीयत खराब होती है या कोरोना के लक्षण पाए जाते हैं तो वह अपने परिवार वालों से दूरी बनाकर यहां आकर भर्ती हो सकते हैं।

उप्र-यूपीसीडा एवं उद्यमियों की अनूठी पहल

जिले की 40 औद्योगिक इकाइयों में बनाए 211 आइसोलेशन बेड

गाजियाबाद जनपद के 10 हजार से ज्यादा उद्योगों में हो रहा निर्बाध रूप से उत्पादन

पायनियर समाचार सेवा। गाजियाबाद

कोरोना की दूसरी लहर में उत्तर प्रदेश राज्य औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीसीडा) एवं उद्यमियों की जुगलबंदी इन दिनों खूब चर्चाओं में है। ना केवल गाजियाबाद बल्कि पूरे उत्तर प्रदेश में यूपीसीडा एवं उद्यमी आपस मे सामंजस्य बैठाकर कोरोना काल में संक्रमितों को राहत पहुंचाने का काम कर रहे हैं।

सीईओ मयूर माहेश्वरी

अकेले गाजियाबाद में ही 40 औद्योगिक इकाइयों में 211 आइसोलेशन बेड बनाये गए हैं। आगामी सप्ताह तक यह संख्या दोगुनी हो जाएगी। यहां पर दस हजार से ज्यादा उद्योग निर्बाध रूप से चल रहे हैं।

यूपीसीडा की क्षेत्रीय सहायक महाप्रबंधक स्मिता सिंह ने बताया कि यूपीसीडा के सीईओ मयूर माहेश्वरी के आह्वान पर यूपीसीडा गाजियाबाद के उद्यमी जिले के साथ प्रदेश में भी कोरोना योद्धा के रूप में उभर के आए हैं। यहां की 65-70 प्रतिशत जनसंख्या उद्योगों से जुड़ी हुई है । मुख्यमंत्री की आशाओं के अनुरूप अनेक कठिनाइयों जिनमें कच्चे माल की कमी, तैयार माल को भेजना, परिवहन की दिक्कतों के बावजूद 80 से 85 प्रतिशत उद्योगों को क्रियान्वित रखा और 85 से 90 प्रतिशत मजदूर बिना किसी परेशानी के अपनी ड्यूटी कर रहे हैं। स्मिता सिंह ने बताया कि जिले के 10 औद्योगिक क्षेत्रों में लगभग 400 आयरन उद्योग हैं और लगभग इतने ही आयरन व स्टील के ट्रेडिंग प्रतिष्ठान है। उन्होंने बताया कि कोरोना के प्रकोप और पिछले वर्ष के अनुभव को ध्यान में रखते हुए यूपीसीडा ने उद्यमियों को बड़े उद्योगों में हेल्पडेस्क एवं छोटे उद्योगो में संयुक्त हेल्पडेस्क अथवा असोसीएशन के माध्यम से अलग-अलग ब्लॉक में हेल्पडेस्क स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जिसके फलस्वरूप आज औद्योगिक क्षेत्रों में 5606 कोविड हेल्प डेस्क स्थापित और संचालित हैं।

उन्होंने बताया कि प्रत्येक डेस्क में ऑक्सीमीटर, थर्मामीटर सेनिटाइजर व ग्लब्स उपलब्ध है। कार्यालय में भी हेल्प-डेस्क संचालित की जा रही है तथा कोरोना नियमों का पालन करते हुए उद्यमियों के सभी कार्य किए जा रहे हैं।

महामारी से बचाने को दनकौर और रबपुरा में बनेंगे अस्पताल

पायनियर समाचार सेवा। नोएडा

● **विधायक निधि से कराया जाएगा निर्माण**

देहात क्षेत्र के मरीजों को समुचित चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराने के लिए दनकौर और रबूपुरा कस्बे में बड़े अस्पताल बनेंगे। इन अस्पतालों में मर्जी मरीज भर्ती हो सकेंगे और उनका बेहतर इलाज हो सकेगा।

जेवर विधायक धीरेंद्र सिंह ने इसकी पहल की है। विधायक ने बताया कि रबूपुरा कस्बे में नगर पंचायत द्वारा अस्पताल की बिल्डिंग का निर्माण कराया जाएगा। उनकी विधायक निधि से उसमें चिकित्सा उपकरण उपलब्ध कराए जाएंगे। इसके लिए अस्पताल भवन बनाने के लिए नगर पंचायत ने सहमति दे दी है। अब इसके लिए जिले के स्वास्थ्य विभाग से एनओसी लेने की तैयारी की जा रही है। वहीं दनकौर कस्बे के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में परिवर्तित किया जाएगा। दनकौर कस्बे का जो सरकारी अस्पताल है उसे जेवर की तरह मेटरनिटी सेंटर बनाया जाएगा और नए अस्पताल को दनकौर ब्लाक के भवन और भूमि पर स्थानांतरित किया जाएगा।

सीएमवाईके प्रिंटेक लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा नं. 6, गुलाब भवन के पीछे, बहादुर शाह ज़फर मार्ग, नई दिल्ली-110002, दूरभाष: 011-40110455 से प्रकाशित तथा बीएफएल इन्फोटेक लिमिटेड सी-9 सेक्टर-3, नोएडा-201301 (उ.प्र.) से मुद्रित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: प्रदीप तिवारी।
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार के किसी भी विज्ञापन पर प्रतिक्रिया करने से पहले पूरी तरह उसके बारे में दिए गए दावों, शर्तों और तथ्यों की जांच कर लें। पायनियर ग्रुप के मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक या उसका कोई भी कर्मचारी विज्ञापनदाता द्वारा उनके किसी उत्पाद तथा सेवा हेतु किए गए किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन या उत्तरदायित्व नहीं लेता है। ऐसे विज्ञापनों के बाद किसी आर्थिक क्षति के लिए वे जिम्मेदार भी नहीं हैं।
पत्रवार्ता ऑफिस- एफ-31, सेक्टर 6, नोएडा, गौतमबुद्धनगर-201301, उत्तर प्रदेश, दूरभाष- 120-4879800-4879900।

होम आइसोलेशन के मरीजों को बड़ी राहत

ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक शुरू, दो घंटे में पहुंचेगा घर

● हर जिले में 200-200 कंसंट्रेटर होंगे उपलब्ध : केजरीवाल

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

होम आइसोलेशन में जरूरतमंद मरीजों की मांग पर दो घंटे में उनके घर पर नि:शुल्क ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पहुंचेगा। मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कोरोना मरीजों के लिए ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक शुरू करने का ऐलान किया है। उन्होंने कहा कि अगर कोविड-19 मरीज को समय पर ऑक्सीजन मुहैया करा दी जाए तो उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने से बचाई जा सकती है। इसी के मद्देनजर सभी जिलों में 200-200 ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक बनाया गया है।

डॉक्टर्स की टीम होम आइसोलेशन के जरूरतमंद मरीजों की मांग पर दो घंटे में उनके घर नि:शुल्क ऑक्सीजन कंसंट्रेटर पहुंचाएगी। अस्पताल से ठीक होकर घर लौटे जिन मरीजों को डॉक्टर ने ऑक्सीजन लेने की सलाह दी है। उन्हें भी यह उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, जो मरीज होम आइसोलेशन का हिस्सा नहीं हैं, वे भी 1031 पर कॉल कर इसका हिस्सा बनकर ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की मांग कर सकते हैं।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि डॉक्टर्स की टीम पहले यह सुनिश्चित करेगी कि मरीज को असल में ऑक्सीजन कंसंट्रेटर की जरूरत है भी या नहीं, तभी भिजवाया जाएगा। ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को हर घर तक पहुंचाने में सरकार का सहयोग करने के लिए वह ओला फाउंडेशन और गिव इंडिया के आभारी हैं। केजरीवाल ने कहा कि शनिवार से दिल्ली सरकार एक और जरूरी सेवा शुरू कर रही है। अक्सर देखा जा रहा है कि किसी व्यक्ति को कोरोना हुआ और उसकी ऑक्सीजन कम होने लगी है और मरीज को जल्द ऑक्सीजन दे दी जाए, तो उनकी तबीयत ज्यादा बिगड़ने से बचाई जा सकती है। अगर उन्हें समय पर ऑक्सीजन नहीं मिलती है, तो उनकी तबीयत धीरे-धीरे इतनी बिगड़ जाती है कि कई बार उनको आईसीयू की जरूरत पड़ती है। कई मामलों में मरीज की मौत भी हो जाती है। इसीलिए, कोरोना के मरीज को समय पर ऑक्सीजन मिलना बहुत जरूरी है। ऐसे मरीजों के लिए उन्होंने यह ऑक्सीजन कंसंट्रेटर बैंक (ओसीबी) बनाया है।

सैनिटाइज कर दूसरे मरीज को दिया जाएगा

मुख्यमंत्री ने कहा कि दिल्ली सरकार के डॉक्टर ऐसे सभी लोगों के लगातार संपर्क में रहेंगे, जिन्हें ऑक्सीजन कंसंट्रेटर दिया गया है। अगर बीच में उन्हें अस्पताल भेजने की जरूरत पड़ेगी तो अस्पताल भेजा जाएगा और जब वे ठीक हो जाएंगे, तो उनसे अक्सीजन कंसंट्रेटर वापस लेकर सबसे पहले उसे सैनिटाइज किया जाएगा। फिर किसी दूसरे मरीज को इस्तेमाल करने के लिए दिया जाएगा। अगर किसी व्यक्ति को कोरोना है, लेकिन वह किसी कारण वश हमारे होम आइसोलेशन का हिस्सा नहीं है, तो वह 103 पर फोन कर होम आइसोलेशन का हिस्सा बन सकते हैं। ओला फाउंडेशन और गिव इंडिया ऑक्सीजन कंसंट्रेटर को हर घर तक पहुंचाने में सरकार का सहयोग कर रहे हैं। इतनी बड़ी आपदा से हम सब मिलकर के ही पार पा सकते हैं, अकेले नहीं हो सकता है।

नगर निगम कर्मचारियों को जल्द मिलेगा वेतन

भ्रष्टाचार और अव्यवस्था का आरोप मढ़ सरकार ने जारी किया 1051 करोड़

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया ने अपने डॉक्टर्स, कर्मचारियों व फ्रंट लाइन वर्कस को वेतन नहीं देने पर दिल्ली नगर निगम को घेरा है। उन्होंने कहा कि कोरोना वायरस के बढ़ते संक्रमण के बीच एमसीडी अपने भ्रष्टाचार और अव्यवस्था की वजह से कर्मचारियों को वेतन नहीं दे पा रहा है। इस मुश्किल समय में डॉक्टर दिन रात मेहनत कर रहे हैं। मेडिकल स्टाफ अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों को बचा रहे हैं। ऐसे में उनको वेतन नहीं मिलना ठीक नहीं है। एमसीडी अपना कर्तव्य निभाने में पूरी तरह विफल हो चुकी है। इसलिए दिल्ली सरकार नगर निगम के फ्रंट लाइन वर्कर्स और कर्मचारियों के वेतन के लिए 1051करोड़ रुपये जारी किए हैं।

मनीष सिसोदिया ने शनिवार को संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कोविड-19 महामारी में जो डॉक्टर्स और मेडिकल स्टाफ चौबीस घंटे मेहनत कर अपनी जान की बाजी लगाकर मरीजों का इलाज कर रहे हैं। ऐसे कर्मियों को वेतन नहीं मिल पाना नगर निगम की बड़ी विफलता को दर्शाता है। इसलिए मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने निगम कर्मचारियों के वेतन के लिए 1051 करोड़ रुपये जारी किए हैं। इसमें पूर्वी दिल्ली नगर निगम के लिए 366.9 करोड़, उत्तरी निगम के लिए 432.8 करोड़ और दक्षिणी निगम के लिए 251.6 करोड़ रुपये शामिल है।

सिसोदिया ने कहा कि संकट के समय कर्मचारियों का वेतन नहीं रुकना चाहिए। एमसीडी यह सुनिश्चित करे कि इस राशि का उपयोग बिना किसी हेराफेरी किए केवल कर्मचारियों को वेतन देने के लिए किया जाए। केजरीवाल का कहना है कि अभी महामारी का समय है लेकिन सरकार के पास संसाधनों की कितनी भी कमी क्यों न हो लेकिन कर्मचारियों का वेतन नहीं रुकना चाहिए विशेषकर कोरोना प्रबंधन में लगे कर्मचारियों की।

निगम की राशि रोककर राजनीति कर रहे केजरीवाल : भाजपा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता ने निगमों कि बकाया राशि जल्द जारी करने की अपील करते हुए कहा कि वेतन नहीं मिलने के बावजूद निगम के सफाईकर्मी कोरोना योद्धा बनकर अपने काम में जुटे हुए हैं।

उन्होंने कहा कि यह हम सब का फर्ज है कि निगम के इन कोरोना योद्धाओं को समय पर सभी सुविधाएं उपलब्ध जाए। गुप्ता ने यहा बात शनिवार को कोरोना के पीड़ितों के परिजनों को सैनिटाइजर, मास्क, चिकित्सकीय उपकरण और दवाइयां समेत अन्य समान बाँटने के दौरान कही।

आदेश गुप्ता ने कहा कि केजरीवाल लगातार इस मुद्दे पर राजनीति कर रहे हैं और उनका एकमात्र मकसद अराजकता की स्थिति पैदा कर निगमों को पंगु बनाना है। महामारी के दौर में अगर सफाई कर्मी अपना काम रोक दें तो भयावह स्थिति बन जाएगी। इससे बचने के लिए केजरीवाल को सभी निगमों का बकाया राशि जल्द जारी करना चाहिए।

कोविड मरीजों के लिए शव वाहन की दरें तय

नई दिल्ली। दिल्ली सरकार ने मृत कोविड-19 मरीजों के लिए उपलब्ध कराए जाने वाली शव वाहन सेवा के लिये दर तय कर दी है। एक आधिकारिक आदेश में शनिवार को यह जानकारी दी गई। इसमें कहा गया कि उत्तरी दिल्ली नगर निगम के आयुक्त की अध्यक्षता में एक समिति बनाई गई थी जिसने कोविड-19 से मृत व्यक्ति के लिए उपलब्ध कराए जाने वाले शव वाहन/मुर्दाघर के लिये दरों की अनुशंसा की है।

डीडीएमए के आदेश में कहा गया कि समिति की अनुशंसा पर दरें तय की गई हैं। कोविड-19 से मृत व्यक्ति के लिये शव वाहन की दर शुरुआती 10 किमी.के लिये 1300 होगी और उसके बाद प्रति किमी. 100 रुपये देने होंगे। इसमें पीपीई किट पहने एक चालक के साथ उसके सहयोगी की लागत भी शामिल होगी। अगर परिवार के सदस्य शव को कोरोना प्रोटोकॉल के मुताबिक सुरक्षित तरीके से विशेष कवर में सुविधा चाहते हैं तो उन्हें 700 रुपये का अतिरिक्त भुगतान करना होगा।

पंद्रह दिन में तैयार किए एक हजार आईसीयू बेड

नई दिल्ली। सीएम ने कहा कि दिल्ली में कल 500 आईसीयू बेड और बन कर तैयार हो गए हैं। इससे चार दिन पहले भी ऐसे ही 500 बेड तैयार किए गए थे। दिल्ली सरकार के डॉक्टर्स, इंजीनियर्स और कामगारों ने मिलकर केवल 15 दिनों में ही एक हजार आईसीयू बेड तैयार कर दिया। उनके इस कारनामें से हर व्यक्ति अचंभित है कि उन्होंने इतने कम समय में एक हजार आईसीयू बेड कैसे तैयार कर दिया। डॉक्टर्स और इंजीनियर्स ने दुनिया भर के लिए यह एक मिसाल कायम किया है। वह उन सब को दिल्ली वालों की तरफ से सलाम और धन्यवाद देते हैं।

लॉकडाउन लगाने से कोरोना पर लगाम

संक्रमित मरीजों की संख्या 28000 से घटकर 8,506 हुई

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली में शुक्रवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 8,506 नए मामले सामने आए, जो पिछले एक महीने में सबसे कम है और चिकित्सा विशेषज्ञों का मानना है कि महामारी की दूसरी लहर के दौरान मामलों में आई गिरावट का मुख्य कारण लॉकडाउन लागू करना है।

दिल्ली के मुख्य सरकारी एवं निजी अस्पतालों के चिकित्सकों ने कहा कि राष्ट्रीय राजधानी में संक्रमितों के मामलों में गिरावट आई है, लेकिन नए मामलों की संख्या को पिछले कुछ महीनों की तरह 2000 की संख्या तक लाने में अब भी लंबी दूरी तय करनी है। राजीव गांधी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल के चिकित्सा निदेशक बी एल शेरवाल ने कहा कि मुझे लगता है कि दैनिक मामलों के 28000 से गिरकर 85000 पहुंचने का सबसे बड़ा कारण लॉकडाउन है, लेकिन अब भी नए मामलों की संख्या बहुत अधिक है और हालात गंभीर हैं।

उन्होंने बताया कि आरजीएसएसएच में 650 बिस्तर की उपलब्धता है, जिनमें से 500 बिस्तर कोविड-19 मरीजों के लिए हैं और 350 इस समय घिरे हुए हैं, जिनमें से अधिकतर मरीज आईसीयू पर हैं।

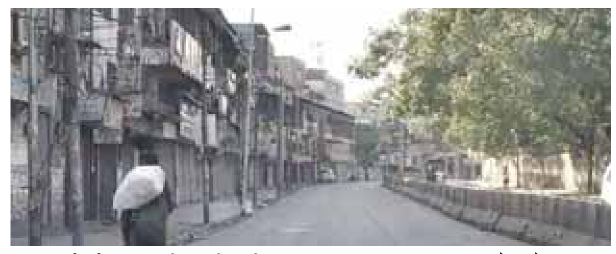

शेरवाल ने टीकाकरण को भी मामलों में आई कमी का कारण बताया है। दिल्ली स्थित फोर्टिस अस्पताल में चिकित्सक डॉ. रिचा सरीन ने भी कहा कि हालात में अपेक्षाकृत सुधार का कारण लॉकडाउन लागू किया जाना है।

उन्होंने कहा कि यदि लॉकडाउन अप्रैल में एक सप्ताह पहले लागू कर दिया गया होता, तो हालात इतने खराब नहीं होते, लेकिन यह हर सरकार के लिए, कठिन फैसला होता है। सरीन ने कहा कि इसके अलावा लोगों की बड़ी संख्या संक्रमित हो गई है, इसलिए उनमें रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित हो गई है।

प्रधानमंत्री के लिए किसानों का हित सर्वोपरि : कटारिया

केंद्रीय जलशक्ति 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' के अंतर्गत 19 हजार करोड़ किसानों के खाते में हस्तांरित

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

केंद्रीय राज्य मंत्री श्री रतनलाल कटारिया ने कहा कि केंद्रीय कृषि मंत्री नरेन्द्र सिंह तोमर 'प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना' को कारगर रूप से क्रियान्वित कर रहे हैं।

कटारिया ने बताया कि इस योजना के अंतर्गत देशभर में 10 करोड़ 75 लाख किसानों को लाभ दिया जा रहा है। इस योजना को और अधिक विस्तार देने की दिशा में पात्र किसानों को पंजीकृत किया जा रहा है। अनुमानित रूप से 14 करोड़ 50 लाख किसान इस योजना के अंतर्गत लाभान्वित होंगे। पूरे देश में केवल पश्चिम बंगाल राज्य मे यह योजना लागू नहीं है। केंद्रीय राज्य मंत्री रतनलाल कटारिया ने कहा कि ग्रामीण विकास केंद्र सरकार की प्रमुख प्राथमिकता है। वर्ष 2014 से पूर्व केंद्र की तत्कालीन संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन सरकार द्वारा वित्तिय आयोग की संस्तुति पर 2.50 लाख हजार ग्राम पंचायतों को 65000 करोड़ रुपया प्रदान किए गए थे। जबकि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा 15वें वित्त आयोग की संस्तुति पर पर ग्राम पंचायतों के लिए 2,36, 850 करोड़ रूपये स्वीकृत किए गए हैं। इसके अतिरिक्त शहरी व ग्रामीण क्षेत्रों के निकायों में स्वास्थ्य के लिए 70 हजार करोड़ की संस्तुति की गई है। इसमें लगभग 43 हजार करोड़ रूपये का ग्रामीण क्षेत्रों के निकायों में व्यय किया जाएगा। 'स्वामित्व योजना' के अंतर्गत 1,47,000 व्यक्तियों को उनका स्वामित्व अधिकार दिया जा चुका है। केंद्र सरकार ने 1,25,000 किलोमीटर ग्रामीण सड़कों के लिए 80,250 करोड़ रुपए की स्वीकृति दी हुई है।

किसानों की आय को दोगुणा किए जाने की दिशा में प्रधानमंत्री योजनाबद्ध रूप से कार्य कर रहे हैं।

कोविड-19 के 6,430 नए मामले, 337 लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि कोरोना संक्रमण के मामलों में लगातार कमी आ रही है। राजधानी दिल्ली में लगातार दूसरे दिन संक्रमण के 10 हजार से कम नए केस सामने आए हैं। पिछले चौबीस घंटे में 6,430 नए मामले आए और 337 लोगों की मौत हो गई जबकि संक्रमण दर गिरकर 11.32 प्रतिशत पर आ गई है। एक दिन पहले 56,811 नमूनों की ही जांच की गयी, जिसके कारण शनिवार को कम मामले आए।

दिल्ली सरकार के स्वास्थ्य विभाग द्वारा जारी आंकड़ों के अनुसार संक्रमण के 6430 मामले आने से कुल मामलों की संख्या बढ़कर 13,87,411 हो गयी है तथा 337 और लोगों की मौत होने से मृतक का आंकड़ा 21,244 हो गयी है। अब तक कोविड-19 महामारी को 12 लाख से ज्यादा लोग ठीक हो चुके हैं।

एनसीआर समाचार

ऑनलाइन गोष्ठी में बोलते हुए वक्ता।

स्वामी दीक्षानन्द का 18वां स्मृति दिवस आयोजित

गाजियाबाद। केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में वेदों के प्रकांड विद्वान स्वामी दीक्षानंद सरस्वती का 18वां स्मृति दिवस ऑनलाइन जूम पर मनाया गया। मुख्य अतिथि एमिटी शिक्षण संस्थान के संस्थापक अध्यक्ष डॉ.अशोक कुमार चौहान ने कहा कि स्वामी दीक्षानंद जी धीर, गंभीर, सौम्य व वैदिक सिद्धान्तों के मनीषी थे। उनके 18 वें स्मृति दिवस पर उन्हें याद करने का अर्थ है कि हम उनके बताये रास्ते का अनुसरण करें। उन्होंने कहा कि आज वेदों के रास्ते पर चलकर ही विश्व में शान्ति स्थापित हो सकती है।

पुलिस गिरफ्त में नीला मास्क लगाए हुए बीच में खड़ा आरोपी

ऑक्सीजन फ्लोमीटर ब्लैक करता युवक गिरफ्तार

गाजियाबाद। ऑक्सीजन फ्लो मीटर की कालाबाजारी करने वाले दिल्ली के जामिया नगर के रहने वाले एक युवक को पुलिस ने जीटी रोड एमएमजी अस्पताल के पास से गिरफ्तार किया है। आरोपी का नाम फहद पुत्र मोहम्मद सलीम निवासी बाटला हाउस जामिया नगर दिल्ली है। उसकी निशानदेही पर 6 ऑक्सीजन फ्लो मीटर बरामद हुए हैं। पुलिस हिरासत में अपने अपराध को स्वीकार करते हुए फहद ने बताया कि वह ऑक्सीजन फ्लो मीटर को यहां 15 से 20 हजार में बेचता था। उसने बताया कि कोरोना महामारी के बढ़ते प्रभाव के कारण बड़ी संख्या में लोग प्रभावित हो रहे हैं। जिनकी जान बचाने के लिए ऑक्सीजन फ्लो मीटर की आवश्यकता पड़ रही है। इस स्थिति का लाभ उठाते हुए उसने गाजियाबाद में कालाबाजारी का कार्य शुरू किया है।

नाबालिग भांजी का अपहरण कर दुष्कर्म

नोएडा। कासना थाना पुलिस ने नाबालिग भांजी को बहला-फुसलाकर अपहरण करने के आरोपी रिश्ते के मामा को गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद किया है। छात्रा ने पुलिस को बयान दिया है कि आरोपी ने उसे अपने रिश्तेदार के घर में रखकर दुष्कर्म किया। इसके चलते पुलिस ने आरोपी पर अपहरण और दुष्कर्म की धारा में कार्रवाई करते हुए उसे न्यायालय कोर्ट में पेश किया। जहां से आरोपी जेल भेज दिया गया है। कासना थाना प्रभारी निरीक्षक विवेक त्रिवेदी ने बताया कि थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी ग्रामीण ने रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि पांच मई को उसकी नाबालिग भांजी को एक युवक बहला-फुसलाकर अपहरण कर ले गया था। मामले में मामा ने अपने रिश्ते में साले लगने वाले फरीदाबाद के अतवा गांव निवासी प्रमोद को नामजद कराया था। प्रमोद पीड़िता का रिश्ते में मामा लगता है। पुलिस ने अपहरण की रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी थी। गुरुवार को पुलिस ने आरोपी को हरियाणा के सेक्टर-7 से गिरफ्तार कर पीड़िता को बरामद कर लिया है। पीड़िता ने बयान में आरोपी पर अपने रिश्तेदार के घर ले जाकर दुष्कर्म का आरोप लगाया है।

रोहिणी विधानसभा क्षेत्र के रजापुर सेक्टर-9 संपूर्णा प्रांगण में कोविड केयर सेंटर का निरीक्षण करते विधायक विजेंद्र गुप्ता।

रोहिणी में दूसरा 'कोविड केयर सेंटर' शुरू

नई दिल्ली। रोहिणी के रजापुर, सेक्टर-9 संपूर्णा प्रांगण में दूसरा नि:शुल्क कोविड केयर सेंटर जनता को समर्पित किया। इस कोविड केयर सेंटर में ऑक्सिजनयुक्त 15 बेडों की व्यवस्था की गई है। जो आज से ही नागरिकों के लिए उपलब्ध है।

भाजपा सांसद उत्तर पश्चिम दिल्ली हंस राज हंस, संगठन महामंत्री दिल्ली प्रदेश भाजपा एवं दिल्ली भाजपा के पूर्व अध्यक्ष व विधायक विजेंद्र गुप्ता ने दीप प्रज्ज्वलित कर इसका शुभारंभ किया। इस अवसर पर हंस राज हंस सिद्धार्थन, विजेंद्र गुप्ता जी द्वारा कोरोना काल में रोहिणी के निवासियों के लिए कोरोना% को हराने के लिए किए जा रहे प्रयासों की सराहना की।

केंद्र की घोषणा को अपना बताने पर साधा निशाना

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

दिल्ली भाजपा अध्यक्ष आदेश गुप्ता और नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने केंद्र सरकार की घोषणा को अपना बताने सीएम अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा है।

भाजपा नेताओं के अनुसार दिल्ली के 82 लाख राशनकार्ड धारकों को मई और जून महीने का राशन दिल्ली सरकार की तरफ से मुफ्त देने की घोषणा जनता के साथ सरासर धोखा है। यह राशन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की घोषणा के अनुसार दिल्ली सरकार को मुफ्त उपलब्ध कराया जा चुका है।

दिल्ली सरकार का इस राशन से कुछ लेना-देना नहीं है। दिल्ली सरकार की बस इतनी जिम्मेदारी है कि इस राशन को जनता तक पहुंचाए। शर्मनाक बात यह है कि यह राशन पहले ही दिल्ली सरकार को उपलब्ध कराया जा चुका है लेकिन अब तक उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंचा। दिल्ली में हर राशनकार्ड धारक को 8 किलो गेहूं और 2 किलो चावल प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना और राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा कानून के तहत मुफ्त उपलब्ध किया जा चुका है। यह मदद मई और जून के दो महीने के राशन के लिए केंद्र सरकार द्वारा दी जा रही है। इस योजना पर केंद्र हर महीने करीब 250 करोड़ खर्च कर रहा है।

स्वामी दयानंद अस्पताल के बाहर बांटा भोजन

नई दिल्ली। पूर्व प्रदेश अध्यक्ष व उत्तर पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने शनिवार को स्वामी दयानंद अस्पताल के बाहर भोजन वितरित किया। साथ ही विवेक विहार के यमुना स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में चल रहे कोविड केयर सेंटर का दौरा स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया और जरूरी सुधारों के लिए संबंधित विभाग अधिकारियों को निर्देश दिए।

मनोज तिवारी ने कहा कि अगर समय पर दिल्ली सरकार इस कोविड-केयर सेंटर में सारी सुविधाएं उपलब्ध करा देती तो कई कोरोना पीड़ितों की जान बचाई जा सकती थी और बेड की मांग को लेकर अफरा-तफरी भी नहीं होती।

संकट के समय राजधानी को मुख्यमंत्री ने अकेला छोड़ा : चौधरी अनिल

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष चौधरी अनिल कुमार ने कहा कि दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद संकट के शुतुरमुर्ग की तरह व्यवहार करते हैं, ऐसे हालात में उन्होंने जनता को अकेला छोड़ दिया था।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि जब दिल्लीवासी कोरोना वायरस अनियंत्रित प्रसार से जूझ रहे थे, लोग ऑक्सीजन, दवाओं की कमी के चलते मर रहे थे, अस्पताल के बिस्तर, और सरकार द्वारा बिना किसी जांच के, एक छोटी यात्रा के लिए भी एम्बुलेंस को भारी भरकम रकम का भुगतान करना पड़ा रहा था तब कठोर जमीनी वास्तविकता से बचने के लिए, तब उन्होंने अपना सिर रेत में दफन कर दिया। उन्होंने कहा कि सीएम गायब हो गए थे, जब देशभर में और दिल्ली में कोरोना ने लोगों के जीवन के साथ तबाही मचाई थी।

इंटीग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर शुरू

अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, वैक्सीनेशन और कोविड प्रबंधन की जानकारी और विश्लेषण होगा आसान : सीएम

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

राजधानी दिल्ली में कोरोना वायरस के संक्रमण के नए मामले कम होने लगे हैं लेकिन तीसरी लहर की आशंका बनी हुई है। थर्ड वेव से निपटने को लिए दिल्ली सरकार ने अभी कमर कस ली है। एनडीएमसी कंवेंशन सेंटर में बने कोरोना वार रूम का निरीक्षण करने के बाद मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने यह बात कही। उन्होंने कहा कि आंकड़े देखें, तो कोरोना का प्रकोप काफी कम होता जा रहा है, लेकिन सरकार के प्रयास कम नहीं हो रहे हैं। कल ही उन्होंने एलएनजेपी के निकट रामलीला मैदान में 500 आईसीयू बेड्स शुरू किए। दिल्ली सरकार तीसरी लहर के लिए तैयार है।

अरविंद केजरीवाल ने कहा कि इस सेंटर पर कोरोना से संबंधित हर तरह का डेटा वास्तविक समय के आधार पर एकत्र किया जाएगा। यहां अस्पतालों में बेड, ऑक्सीजन, वैक्सीनेशन और कोविड प्रबंधन से संबंधित डेटा को एकत्र कर मिलान और विश्लेषण किया जा सकेगा। अगर सरकार हवा में निर्णय लेगी है, तो वह कभी भी सफल नहीं होगी लेकिन वही निर्णय डेटा के आधार पर लेगी, तो वह सार्थक और प्रभावशाली होंगे। वह कोरोना की संभावित तीसरी लहर के लिए तैयार हैं। अभी एक हजार आईसीयू बेड बढ़ाए हैं और आगे भी तैयारी जारी रहेगी।

एनडीएमसी कंवेंशन सेंटर में कोरोना वार रूम का निरीक्षण करते सीएम अरविंद केजरीवाल व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया।

इस सेंटर से सभी तरह के अस्पताल जुड़े हैं। इसमें कोविड के निजी और सरकारी अस्पताल, कोविड केयर सेंटर समेत सभी छोटे-बड़े अस्पताल शामिल हैं। इंटीग्रेटेड कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर में एकत्र डेटा कोविड में लगे सभी अधिकारियों के पास उपलब्ध होगा, जिससे वे समय पर सही निर्णय ले सकेंगे। सीएम ने कोरोना के तीसरी लहर के संबंध में कहा कि हम पूरी तरह से तैयार हैं। अगर वह दूसरी लहर को एक तरह से देखें, तो अब केस काफी कम होते जा रहे हैं, लेकिन हमारे प्रयास कम नहीं हो रहे हैं। अभी और नए ऑक्सीजन बेड बनाने की तैयारी है क्योंकि इस बीमारी का कुछ भी नहीं पता है कि कब अपना सिर उठा दे और कब यह कम हो जाए। इसलिए सरकार की तैयारी जारी रहेगी।

स्पूतनिक वैक्सीन का आर्डर देगी सरकार

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री ने कहा कि सभी लोगों का वैक्सीनेशन बहुत जरूरी है। दूसरे देशों का अनुभव भी यही बताता है। अगर बड़े पैमाने पर टीकाकरण किया जाए, तो कोरोना संक्रमण के संक्रमण को कम किया जा सकता है।

केंद्र के साथ राज्य सरकारें भी पूरी कोशिश कर रही हैं कि सभी पात्र लोगों जल्द टीका लगे। जैसे-जैसे वैक्सीन की उपलब्धता बढ़ेगी वैसे-वैसे वैक्सीनेशन की मुहिम भी अपनी गति पकड़ेगा। सीएम ने कहा कि स्पूतनिक-वी वैक्सीन बनाने वाली कंपनी से संपर्क किया है। डॉ. रेड्डी कंपनी के भारत में डीलर है। उन्होंने डॉ. रेड्डी को पत्र लिखा है, लेकिन अभी उनकी तरफ से कोई ठोस जवाब नहीं आया है कि वे कितनी वैक्सीन कब दे सकते हैं। दिल्ली सरकार कोविशील्ड की 67 लाख, कोवैक्सीन की भी 67 लाख वैक्सीन मांगी है।

कोरोना के इलाज में बहुत ही कारगर है चेस्ट फिजियोथैरेपी

चेस्ट थैरेपी से बढ़ाया जा सकता है ऑक्सीजन स्तर

कोरोना के मरीजों को काफी लाभ होने का दावा

संजय कुमार मेहरा। गुरुग्राम

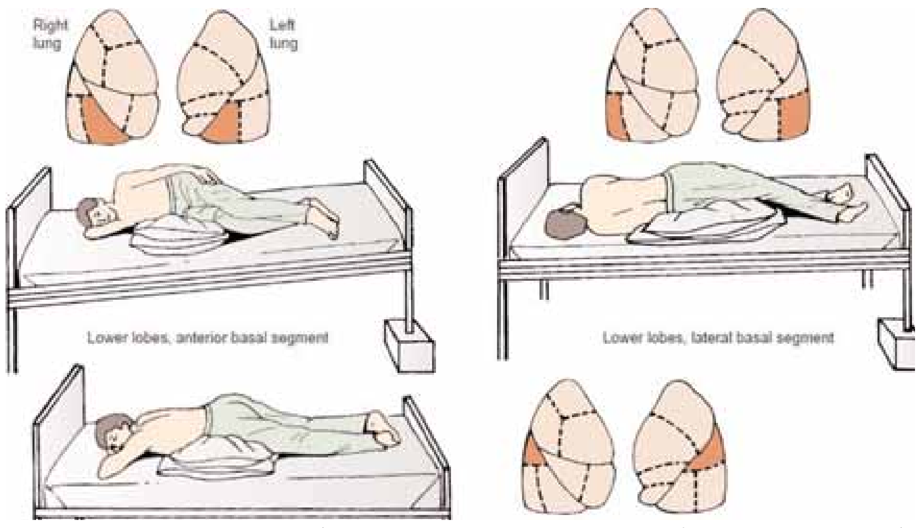

कोरोना से देश और दुनिया जूझ रहे हैं। इसी बीच चेस्ट थैरेपी कोरोना के मरीजों के लिए एक नई उम्मीद की किरण बनी है। एक्सपर्ट का दावा है कि चेस्ट फिजियोथैरेपी से कोरोना से ठीक होने में मदद मिलती है। यह थैरेपी कोरोना संक्रमित का ऑक्सीजन लेवल बढ़ाती है। चिकित्सक इस थैरेपी को अपनाने की सलाह दे रहे हैं। इस बीच अलग-अलग प्रदेशों में डॉक्टर अपने स्तर पर नए प्रयोग कर रहे हैं, जो कोरोना रोगियों के इलाज में मददगार भी साबित हो रहे हैं।

ऐसी ही शुरुआत अब चेस्ट फिजियोथैरेपी से दी जा रही है। इस थैरेपी से बड़ी संख्या में मरीज रिकवर हो रहे हैं। इंडियन एसोसिएशन ऑफ फिजियोथैरेपिस्ट हरियाणा के प्रेसिडेंट डॉक्टर उदय यादव का कहना है कि कोरोना संक्रमित जो मरीज ऑक्सीजन की कमी के चलते परेशान हो रहे हैं, उनके लिए चेस्ट फिजियोथैरेपी कारगर साबित होती नजर आ रही है। इसके जरिए कई अस्पतालों में भर्ती मरीजों का न केवल सैचुरेशन (ऑक्सीजन लेवल) बढ़ा है, बल्कि मरीज के लंग्स (फेफड़ों) की रिकवरी भी तेजी से हुई है। ऐसे भी रिजल्ट सामने आए हैं कि जो मरीज ऑक्सीजन सपोर्ट पर थे, इस थैरेपी से उनका ऑक्सीजन लेवल भी नॉर्मल हुआ है।

थैरेपी से बढ़ाया जा सकता है ऑक्सीजन स्तर

डॉक्टर उदय यादव ने बताया कि इस थैरेपी से न केवल मरीज का ऑक्सीजन स्तर बढ़ाया जा सकता, बल्कि फेफड़ों की रिकवरी भी तेजी से होती है। इसे लेने के बाद कई मरीजों को ऑक्सीजन सपोर्ट की भी जरूरत नहीं पड़ती। ये थैरेपी केवल उन्हीं मरीजों को दी जाती है, जिनका सैचुरेशन लेवल 80 या उससे ऊपर है। इसमें हम मरीज के लंग्स में जमा स्पुटम (कफ) को ढीला करते हैं, जिससे कफ बाहर आने लगता है और मरीज की सांस लेने की कैपेसिटी बढ़ जाती है। कोरोना मरीजों के फेफड़े वायरस से डैमेज तो होते ही हैं, साथ ही कई मरीजों के फेफड़ों में टाइट स्पुटम (कफ) जमने की शिकायत भी होने लगती है।

सीटी स्कैन की रिपोर्ट के आधार पर थैरेपी

डॉक्टर यादव ने बताया कि चेस्ट थैरेपी में भी तीन तरह के वॉल्यूम हैं, जो मरीज की स्थिति को देखते हुए तय किए जाते हैं। चेस्ट थैरेपी में पहले ये देखा जाता है कि फेफड़ों के किस पार्ट में ज्यादा कफ जमा है। सीधे हाथ की तरफ बने फेफड़े तीन पार्ट और उल्टे हाथ की तरफ बने फेफड़े के दो पार्ट होते हैं। इसके लिए मरीज की सीटी स्कैन रिपोर्ट देखी जाती है। इस रिपोर्ट के आधार पर अलग-अलग स्थिति में थैरेपी दी जाती है। थैरेपी में सबसे पहले मशीन से वाईब्रेशन के जरिए और उसके बाद डीप ब्रीदिंग, हाफिंग, कफिंग, वाइब्रेशन, परकशन, मेन्युअली हाथों से थप्पी देते हुए टाइट कफ को ढीला करके, पोजिशनिंग करके बाहर निकाला जाता है।

संक्षिप्त समाचार

सड़क किनारे पड़े पत्थरों ने बचाई तीन परिवारों की जान

सोहना। ट्रक चालक की समझदारी से तीन परिवार के दर्जनभर सदस्यों की जान बच गई। घाटी से ब्रेक फेल होने पर उतर रहा ट्रक बेकाबू हो गया। चालक ने सड़क किनारे पड़े पत्थरों की मदद से ट्रक को घरों के ऊपर गिरने से बचा लिया। शनिवार सुबह साढ़े पांच बजे तावडू की तरफ से 12 टायर वाला ट्रक 20 टन माल लेकर सोहना आ रहा था। सोहना घाटी में उतरते समय अचानक से ट्रक के ब्रेक फेल हो गए। ब्रेक फेल होने पर ट्रक बेकाबू हो गया। धीरे-धीरे ट्रक की गति बढ़ती गई। ब्रेक फेल होने पर चालक ने हिम्मत नहीं हारी। चालक ने समझदारी दिखाते हुए घाटी के देवीलाल मोड़ पर पड़े चार से पांच फुट ऊंचाई वाले पत्थरों का सहारा लेकर ट्रक को रोकने में कामयाब रहा। ट्रक पत्थर पर चढ़ने के बावजूद 20 से 25 फुट दूरी तक नीचे आया पत्थर को घसीटते हुए ले गया। देवीलाल सड़क के साथ बने तीन घरों में सो रहे सदस्यों की नींद बाहर हुए तेज शोर से खुल गई। यहां के निवासी धर्मेन्द्र ने बताया कि सड़क किनारे बने फुटपाथ और उसके नीचे पत्थर आने से उन सबकी जान बच गई। यदि ट्रक घरों के ऊपर गिर जाता तो 15 से 20 लोगों की जान चली जाती। ट्रक तावडू से माल लेकर फरीदाबाद जा रहा था।

नागरिक अस्पताल से छह कोरोना रोगी को मिली छुट्टी

सोहना। नागरिक अस्पताल कोविड वार्ड में उपचाराधीन कोरोना संक्रमित रोगियों के स्वास्थ्य में तेजी से सुधार हो रहा है। शनिवार को छह कोरोना संक्रमितों को ठीक होने पर छुट्टी दे दी गई। सोहना व आसपास के क्षेत्र में कोरोना संक्रमण का असर कम होने लगा है। नागरिक अस्पताल के कोविड वार्ड में रोगियों की सख्या तेजी से घटने लगी है। 23 अप्रैल के बाद से कोविड वार्ड में से 40 से अधिक रोगी ठीक होकर अपने घरों को चले गए हैं। बीते चार दिनों में कोरोना संक्रमित के कुल 77 मामले आए। जबकि 80 कोरोना संक्रमित होम आइसोलेशन के दौरान ठीक हुए हैं। होम आइसोलेशन रोगियों की संख्या जो एक सौ से पार एक दिन में जा रही है। अब वह 100 से 90 के बीच में रह गई है। नागरिक अस्पताल के एसएमओ डॉक्टर नवल किशोर ने बताया कि कोविड वार्ड में उपचाराधीन रोगियों की संख्या में तेजी से सुधार हो रहा है। शनिवार को छह कोरोना संक्रमित ठीक होकर घर चले गए। रोगियों के लिए पर्याप्त मात्रा में ऑक्सीजन से लेकर दवाइयां उपलब्ध हैं। पिछले चार से पांच दिन में कोरोना संक्रमण से रोगी की मौत नहीं हुई है।

चोरों ने दो जगह दिया वारदात को अंजाम

पलवल। चोर अलग-अलग थाना क्षेत्र के अंतर्गत से एक बाइक और फॉर्म हाउस से पानी की मोटर सहित अन्य सामान चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रवक्ता संजय काद्यान के अनुसार गांव किशोरपुर निवासी राजकुमार ने गदपुरी थाना पुलिस को शिकायत दर्ज कराई है कि चोर गांव स्थित फार्म हाउस से 13 मई की रात को पानी की मोटर, इंवर्टर व स्टार्टर चोरी कर ले गए। इसी प्रकार चोर पलवल के श्याम नगर निवासी अरुण की बाइक को शहर थाना क्षेत्र के अंतर्गत दादी मां दूध डेयरी के समीप से चोरी कर ले गए। पुलिस ने पीड़ितों की शिकायतों के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

बच्ची के साथ रहस्यमयी परिस्थिति में महिला लापता

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत से 29 वर्षीय महिला अपनी पांच वर्षीय बेटी के साथ रहस्यमयी परिस्थिति में लापता हो गई। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर गुमशुदगी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी रामजीवन के अनुसार एक पीड़ित व्यक्ति ने शिकायत दर्ज कराई है कि मेरी पत्नी पांच वर्षीय बच्ची के साथ 14 मई को बगैर कुछ बताए घर से कहीं चली गई। जिसे काफी तलाश किया, लेकिन कहीं कोई सुराग नहीं लगा। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

सेवा भारती व संघ कार्यकर्ताओं ने शहर में किया वायु शुद्धिकरण

पुन्हाना। कोरोना महामारी के चलते विश्व को इस आपदा से मुक्ति दिलाने के उद्देश्य से सेवा भारती व संघ के कार्यकर्ताओं ने शहर में वायु शुद्धिकरण अभियान चलाया। जिसके तहत कार्यकर्ताओं ने हवन कुंड व बाल्टियों में अग्नि जलाकर सामग्री से पूरे शहर में धूनी सेनीटाइज किया। इस दौरान कार्यकर्ता शहर की ज्यादातर आबादी वाली गलियों में घूमे और वायु शुद्धिकरण किया। संघ के सह जिला कार्यवाह राजकुमार ने बताया कि संगठन के दिशा निर्देशानुसार कोरोना महामारी से मुक्ति पाने के प्रयासों के चलते आज कार्यकर्ताओं द्वारा पूरे शहर में धूनी सैनिटाइज कर वायु शुद्धिकरण अभियान चलाया। अभियान के तहत हवन कुंडों व बाल्टियों में अग्नि प्रज्ज्वलित की गई और विशेष औषधियों से युक्त सामग्री व गाय का शुद्ध देसी घी लेकर लोगों से आहुति दिलवाकर वायु शुद्धिकरण का कार्य किया। उन्होंने बताया कि अभियान के तहत लोगों को अपने घरों में हवन यज्ञ व धूनी लगाकर कोरोना वायरस से लड़ने की इम्युनिटी बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि विभिन्न औषधियों से युक्त सामग्री का दहन करने से जहां वायुमंडल शुद्ध होता है, वही पर्यावरण में व्याप्त विषाणु को नष्ट करने में मदद मिलती है। उन्होंने बताया कि कार्यकर्ता पूरे जिले में वायु शुद्धिकरण अभियान चलाकर लोगों को राहत प्रदान करने का कार्य कर रहे हैं। इस अवसर पर जिला समरसता प्रमुख लालाराम भारद्वाज, सेवा भारती के जिला सचिव राजीव मंगला, जिला सेवा प्रमुख मनीष जैन, राकेश कुमार, सुनील कुमार, राजकुमार जैन, सुभाष चंद्र, विजय, अमित सहित अनेक कार्यकर्ता मौजूद थे।

बेसहारा हुए बच्चों की जानकारी बाल कल्याण समिति को दें

नूंह। कोरोना के चलते माता-पिता का साया उठने से बेसहारा हुए की जानकारी अपने जिले की बाल कल्याण समिति को दें। ऐसे अनाथ बच्चों को किसी भी व्यक्ति द्वारा सीधे गोद लेना या देना दोनों ही अपराध की श्रेणी में आते हैं। जिनके लिए कानून में सजा का प्रावधान है। पिछले कुछ दिनों से सोशल मीडिया पर इस तरह के भ्रामक प्रचार चल रहे हैं। जिनमें कोविड से अनाथ हुए बच्चों को गोद लेने की अपील की गई है। बाल कल्याण समिति नूंह के बताया कि प्रतिदिन सोशल मीडिया पर चल रहे भ्रामक प्रचारों के झांसे में न आएं। ऐसे अनाथ बच्चों के पुनर्वास करने की जिम्मेदारी जिला प्रशासन की है तथा गोद लेने की एक कानूनी प्रक्रिया है। जिसके लिए स्टेट अडॉप्शन रिसोर्स एजेंसी की वेबसाईट पर जाकर अप्लाई करना होगा। ऐसे बच्चों को भावनात्क या अन्य किसी प्रकार के आवेश में किसी भी व्यक्ति को गोद न दें। हाल ही में इस संबंध में हरियाणा राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग द्वारा भी ऐसे भ्रामक प्रचारों पर संज्ञान लिया गया है। कोविड के दौर में जिन बच्चों के माता-पिता कोरोना पॉजिटिव हैं, आईसोलेशन में हैं, किसी अस्पताल में भर्ती हैं या फिर उनकी मौत हो चुकी है तो ऐसे बच्चों की पूरी देखभाल का जिम्मा जिला बाल संरक्षण ईकाई व बाल कल्याण समिति का है। ऐसे बच्चों की जानकारी तुरंत चाईल्ड हेल्प लाईन 1098 पर दें। ऐसे बच्चों को चाईल्ड हेल्प लाईन द्वारा तुरंत सहायता प्रदान की जाएगी। यदि बच्चे को किसी आश्रय की जरूरत है तो बाल कल्याण समिति द्वारा उन बच्चों को जेजे एक्ट के तहत आश्रय दिलाया जाएगा। किसी भी अनाथ बच्चे को सीधे गोद देना कानूनन जुर्म है और इसके लिए सजा का प्रावधान है।

कोविड 19, स्वच्छता अभियान व जल शक्ति पर हुई वर्कशॉप

फर्रूखनगर। स्थानीय स्थित सरदार पटेल कॉलेज ऑफ एजुकेशन में महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद् के तत्वाधान में शनिवार को वर्चुअल वर्कशाप का आयोजन किया गया। शुभारंभ रणबीर सिंह बतान, (ज्ञानसाधन व्यक्ति, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) द्वारा किया गया।

उन्होंने देश में फैल रही कोरोना महामारी से बचने के उपाय बताए। साथ ही उन्होनें साफ हवा प्रबन्धन, साफ पानी प्रबन्धन, स्वच्छता अभियान व जल शक्ति सम्बन्धी गतिविधियों के बारे में बताया। उनके बाद सुधीर सिंह (प्रवक्ता, महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण शिक्षा परिषद्, शिक्षा मंत्रालय, भारत सरकार) ने मददगार कौशल के बारें में बताया। उन्होंने बताया कि इस कोविड-19 की परिस्थिति में यदि कोई मदद लेना चाहता है तो हम उसमें कैसे मनोवैज्ञानिक ढ़ग से बात कर सकते हैं। उसकी मदद कर सकते है। इस मौके पर कॉलेज के निदेशक डॉ. विजय बसंल व कॉलेज की प्रिंसिपल शिल्पी गुप्ता ने अपने विचार रखे।

ग्रामीण क्षेत्र में कोरोना रोकने को डोर टू डोर सर्वे

पहले दिन 50 गांवों में घर-घर जा कर की गई स्क्रीनिंग

गुरुग्राम। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान करने के लिए शनिवार से डोर टू डोर सर्वे शुरू हो गया है। इस कार्य के लिए टीमें घर-घर जाकर कोरोना संक्रमित मरीजों की पहचान के लिए कार्य कर रही हैं।

पहले दिन इन टीमों ने जिला के 50 गांवों में जाकर डोर टू डोर स्क्रीनिंग करते हुए काम किया। इस सर्वे कार्य की लेयर मॉनिटरिंग राज्य, जिला व ब्लाक स्तर पर की जाएगी। उपायुक्त डॉ. यश गर्ग ने बताया कि ग्रामीण स्तर पर फील्ड में सर्वे करने वाली टीम के सदस्यों में आशा वर्कर, आंगनवाड़ी वर्कर, स्कूल का अध्यापक, ग्राम सचिव तथा एंटीजन टेस्टिंग सेंपल लेने वाला सदस्य शामिल होगा। यह टीम घर-घर जाकर लोगों की स्क्रीनिंग करेगी व उनसे परिवार के सदस्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करेगी कि क्या उनके घर में किसी को कोरोना के लक्षण जैसे सिर दर्द, बुखार, सूखी खासी, बदन दर्द आदि है या नहीं। इस दौरान कोरोना के लक्षण वाले मरीजों की मौके पर ही सेंपलिंग ली जाएगी। यदि व्यक्ति पॉजिटिव पाया जाता है तो उसके घर में होम आइसोलेशन संबंधी आवश्यक इंतजाम सुनिश्चित किए जाएंगे अथवा गांव में बनाए गए आइसोलेशन केंद्रों में शिफ्ट किया जाएगा। इस कार्य की मॉनिटरिंग के लिए ब्लॉक व जिला स्तर पर कमेटी का गठन किया गया है।

उपायुक्त ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में शहर के साथ साथ ग्रामीण क्षेत्रों में भी संक्रमण के मामले सामने आ रहे हैं। प्रदेश सरकार द्वारा जारी दिशा निर्देशानुसार जिला प्रशासन ने विषय की गंभीरता को समझते हुए ग्रामीण क्षेत्रों के लिए एक्शन प्लान बना कर उस पर काम करना शुरू कर दिया है। ग्रामीणों की सुविधा को देखते हुए कोरोना संक्रमित मरीजों के लिए गांव में ही आइसोलेशन सेंटर बनाए गए हैं, जहां उन्हें आवश्यक स्वास्थ्य सुविधाएं दी जाएंगी। इसके लिए जिला की 164 ग्राम पंचायतों में इमारतों की पहचान की गई है जहां यह आइसोलेशन केंद्र खोले जाएंगे।

जमीन के विवाद में पिता-पुत्र पर हमला, केस दर्ज

पलवल। गदपुरी थाना क्षेत्र के अंतर्गत जमीन के विवाद के चलते पिता-पुत्र पर लाठी-डंडे से हमला करने और जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर 13 नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी सुभाष के अनुसार गांव धतीर निवासी पुनीत ने शिकायत दर्ज कराई है कि गांव निवासी जोगेंद्र के परिवार से एक-डेढ़ बीघा जमीन का विवाद चल रहा है। दस मई को पीड़ित अपने पिता बिरेंद्र के साथ खेतों से घर आ रहा था। जमीनी विवाद के चलते ही जोगेंद्र, सुरेश, भूपसिंह, टिंकल, बंशी, कपिल, सतीश, सूंडी, जतिन, अजय, सुमीत व उनके परिवार की दो महिलाओं ने मिलकर लाठी-डंडा से हमला कर दिया। पीड़ित का आरोप है कि आरोपियों ने दादा सुमेर पर भी हमला कर घायल कर दिया व जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

युवक को अगवा कर किया जलील, पुलिस ने छुड़वाया

पुलिस ने छह नामजद आरोपियों के खिलाफ किया मामला दर्ज

पायनियर समाचार सेवा। पलवल

पुलिस का मुखबिर होने का शक जाहिर कर एक व्यक्ति को पहले घर से अगवा किया और अपने निजी कार्यालय पर लाकर उसे जलील कर नग्न अवस्था में शराब की बोतल पर बैठाया गया। पीड़ित की पत्नी ने तुरंत मामले की सूचना जिला पुलिस अधीक्षक को दी। जिला पुलिस अधीक्षक द्वारा लिए गए संज्ञान के बाद शहर थाना पुलिस ने पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर छह नामजद आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस जांच अधिकारी रवि के अनुसार पलवल के शेखपुरा मोहल्ला निवासी सूरज ने शिकायत दर्ज कराई है कि 12 मई की शाम सात बजे वह शादी समारोह में मौजूद था। शादी समारोह में लॉकडाउन के नियमों का उल्लघंन हो रहा था और लगभग 150 लोग मौजूद थे। उसी दौरान किसी ने इसकी सूचना पुलिस को दे दी। शादी समारोह में मौजूद पलवल निवासी राजू सहरावत ने पीड़ित पर शक जाहिर किया कि उसने पुलिस को फोन कर सूचना दी है। राजू ने पीड़ित को जलील करते हुए उसका फोन चेक किया। पीड़ित उस समय अपने घर आ गया। जिसके कुछ देर बाद राजू सहरावत, प्रवीण पंड़ित, जोगेंद्र, पवन, नरेंद्र और अभिषेक ने मिलकर पीड़ित को अगवा कर लिया और उसे अपने निजी कार्यालय पर ले आए। जहां पर पीड़ित को मुर्गा बनाया और पीछे से डंडा डाला। पीड़ित का आरोप है कि उन लोगों ने कपड़े उतरवाकर नग्न अवस्था में शराब की बोतल पर बैठाया। फोन पर संपर्क नहीं होने पर पीड़ित की पत्नी ने पुलिस अधीक्षक को फोन कर सूचना दी कि मेरे पति को कुछ लोग घर से उठाकर ले गए हैं। पुलिस अधीक्षक द्वारा तुरंत संज्ञान लिया और शहर थाना पुलिस को सूचित कर पीड़ित को आरोपियों के चंगुल से छुड़वाया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत के आधार पर आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

शरीर के साथ मानसिक इम्युनिटी भी करें मजबूत

पायनियर समाचार सेवा। गुरुग्राम

कोरोना के इस दौर में शारीरिक इम्युनिटी के साथ-साथ व्यक्ति की मानसिक इम्युनिटी का मजबूत होना जरूरी है। लोग अपने कोरोना से घबराएं नहीं, बल्कि इसका डटकर सामना करें। यह बात जिला उपायुक्त डा. यश गर्ग ने लोगों को मानसिक रूप से मजबूत होने का संदेश देते हुए कही।

उपायुक्त ने कहा कि कोरोना के इस दौर में लोगों के मन में भय की स्थिति है। कोरोना संक्रमित मरीजों में यह भय अपेक्षाकृत अधिक बढ़ जाता है जिससे कई बार उनकी स्थिति गंभीर हो जाती है। ऐसे में जरूरी है कि व्यक्ति मानसिक स्थिति मजबूत रखे और उचित डॉक्टरी परामर्श से अपना ईलाज करवाएं।

कोरोना संक्रमित व्यक्ति निधाज़रित डूज एंड डोन्टस का पालन करे और संक्रमण को लेकर अफवाहों पर ध्यान ना दे। इस दौरान व्यक्ति का संयम बने रहना अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने बताया कि इस चुनौतीपूर्ण समय में प्रत्येक व्यक्ति पोषण से भरपूर खान-पान लें। इसके साथ साथ रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने के लिए नियमित व्यायाम करें।

व्यायाम शारीरिक इम्युनिटी के साथ-साथ मानसिक इम्यूनिटी को मजबूत करता है। मानसिक इम्यूनिटी के बिना शारीरिक इम्यूनिटी भी संभव नहीं है। लोग मानसिक इम्यूनिटी बढ़ाने के सरकार द्वारा जारी महत्वपूर्ण हिदायतों का पालना करें। वे मेडिटेशन, योग व प्रणायाम, परिवार व दोस्तो से बाते करे, आध्यात्मिकता से जुड़े, नई स्किल्स सीखें, अच्छी किताबें व साहित्य पढ़े। इसके साथ ही वे नकारात्मक विषयों से बचे और जरूरी हो तो 5-10 मिनट महत्वपूर्ण तथ्य जो आवश्यक हो उनके बारे में चर्चा कर सकते है। ऐसे सीरियल्स और मूवीस जिनमें हिंसा, गुस्सा और ऐसी कई चीजें जो हमारे मानसिक स्वास्थ्य के लिए अच्छी नहीं है उनको देखने से बचना चाहिए।

एमएसपी की कानूनी गारंटी से होगा किसानों का असल सम्मान

गुरुग्राम। संयुक्त किसान मोर्चा गुरुग्राम के अध्यक्ष संतोख सिंह एडवोकेट ने कहा कि प्रधानमंत्री ने किसान सम्मान योजना की 8वीं किश्त जारी की। एक निरन्तर चल रही योजना को बार-बार त्योहार की तरह पेश करके सिर्फ छवि चमकाने की कोशिश की जाती है। उन्होंने कहा कि एक तरफ जहां किसान आन्दोलन में 450 के करीब किसानों की मौत हो गयी है। किसान 5 महीनों से ज्यादा सड़कों पर बैठे हैं, उस समय सरकार सिर्फ कुछ पैसे की किश्त भेजकर किसानों का सम्मान करने का दिखावा कर रही है। हम इसकी निंदा करते है। इसलिए सयुंक्त किसान मोर्चा इसे किसान सम्मान की बजाय किसान अपमान की तरह देखता है। किसानों का असली सम्मान तभी होगा जब सभी फसलों पर सभी किसानों को एमएसपी की कानूनी गारन्टी मिलेगी व सही खरीद होगी। वर्तमान में पूरे देश के किसानों की सबसे बड़ी आवश्यकता न्यूनतम समर्थन मूल्य है, जो वे अपनी फसलों पर चाहते है।

विधायक राकेश दौलताबाद के भाई का कोरोना से निधन

गुरुग्राम। बादशाहपुर विधानसभा क्षेत्र से निर्दलीय विधायक राकेश दौलताबाद के छोटे भाई संदीप जांघू का कोरोना से निधन हो गया। उनके निधन का समाचार मिलते ही क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। राजनीतिक, सामाजिक लोगों के साथ आमजन ने भगवान से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की।

गत एक पखवाड़े से वह कोरोना से जूझ रहे थे। आखिरकार संदीप जांघू कोरोना से जंग हार गए और शनिवार को उनका देहांत हो गया। उनके देहांत से इलाके को भारी क्षति हुई है। क्षेत्र के मौजिज लोगों ने कहा कि संदीप जांघू ने अपने विधायक भाई राकेश के राजनीतिक सफर को सफल बनाने में अहम किरदार निभाया था। गरीब-जरूरतमंदों की सेवार्थ हमेशा तत्पर रहे। उनके ही मार्गदर्शन में हल्का बादशाहपुर ही नहीं, बल्कि अन्य इलाकों में भी जरूरतमंदों को खूब सहायता मिली। पटौदी के विधायक सत्यप्रकाश जरावता, पूर्व विधायक रामबीर सिंह, पूर्व चेयरमैन राव मानसिंह, जिला परिषद के चेयरमैन संजीव राव, जिला पार्षद राव विजय पाल संटी, राजबीर शर्मा सैहदपुर, पूर्व नगर पार्षद नीरु शर्मा, अधिवक्ता संदीप यादव, सरपंच धर्मपाल गुरावलिया, समाजसेवी अशोक बंसल, संजू यादव मुबारिकपुर, विजय सैनी प्रधान, कृष्ण पंडित पातली, फूलचंद जैन फर्रूखनगर, पवन उर्फ काले सैनी पहलवान, विनोद डिघलिया, पार्षद कप्तान शर्मा, पार्षद मुरारी लाल सैनी, थानेदार बाबुलाल फर्रूखनगर, राजीव सहरावत, आनंद सिंह सहरावत सैहदपुर, सतपाल ठेकेदार पातली आदि दिवंगत आत्मा को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए आत्मा की शांति के लिए कामना की है।

भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को किया खंडित

पलवल। चांदहट थाना क्षेत्र के अंतर्गत गांव हिदायतपुर में बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की प्रतिमा को खंडित करने और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अपमानित करने सहित जान से मारने की धमकी देने का मामला प्रकाश में आया है। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर पांच नामजद व कुछ अन्य आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

डीएसपी यशपाल खटाना के अनुसार गांव हिदायतपुर निवासी वासुदेव ने शिकायत दर्ज कराई है कि सरपंच द्वारा ग्रामीणों की सहमति पर आठ फरवरी 2017 को रेजूलेशन करके पांच अगस्त 2019 अंबेडकर की प्रतिमा स्थापित कराई गई थी। बाबा साहब की प्रतिमा स्थापना का गांव निवासी गौरव, जगबीर, विकास, संजीत, धर्मराज और कुछ अन्य लोगों ने विरोध किया था। लोगों की धमकी व गैर कानूनी गतिविधियां देखते हुए प्रशासन ने गांव में सुरक्षा की दृष्टि से चार-पांच पुलिसकर्मी बाबा साहब की प्रतिमा के पास तैनात किए थे।

तैमूरपुर गांव में लोगों की हुई कोरोना जांच

गांव के विद्यालय में लगाया गया कोरोना जांच शिविर

पायनियर समाचार सेवा। कलानौर (रोहतक)

रोहतक के गांव तैमूरपुर में कोरोना जांच शिविर में जांच कराते ग्रामीण।

शनिवार को खंड के गांव तैमूरपुर (जेठपुर) में कोरोना जांच शिविर लगाया गया। इस दौरान गांव के छोटे बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों की एंटी रेंटीजन कोरोना जांच की गई। जिस किसी में भी जरा से भी लक्षण दिखाई दिए, उन्हें घर में ही आइसोलेट होने की सलाह दी गई।

तैमूरपुर गांव के सरपंच विनोद कुमार मेहरा के मुताबिक गांव में कोरोना जांच शिविर की सभी ग्रामीणों को मुनादी करके जानकारी दी गई, ताकि जांच कराने के इच्छुक लोग छूट ना जाएं। सुबह ही जांच टीम गांव में पहुंची। गांव के विद्यालय में यह शिविर लगाया गया। ग्रामीण यहां सोशल डिस्टेंस बनाकर मास्क लगाए हुए यहां पहुंचे। बारी-बारी से सभी की कोरोना जांच की गई। बच्चों से लेकर बड़े-बुजुर्गों की यहां जांच की गई, ताकि कोरोना के फैलाव की किसी भी स्तर पर गुंजाइश ना रहे। सभी को सावधानी बरतने को भी प्रेरित किया गया। एंटी रेंटीजन की टेस्ट रिपोर्ट 15 मिनट में आती है। इसलिए सभी को रिपोर्ट बता दी गई। सरपंच ने शिविर के दौरान गांव के युवा समाजसेवी राजेश भट्टी, नरेश व अन्य युवाओं द्वारा किए गए कार्य की सराहना की। ग्रामीणों को सेनिटाइजर व मास्क के प्रति शिविर के दौरान भी जागरुक किया गया। सरपंच विनोद कुमार मेहरा ने पॉजिटिव आने वाले ग्रामीणों से कहा कि वे अपने घरों में ही आइसोलेट हो जाएं, यानी घरों से बाहर ना निकलें। एकांत में रहें। किसी अन्य घर के सदस्य या ग्रामीण से मुलाकात से दूरी बनाएं, ताकि कोरोना ना फैले। उन्होंने कहा कि पॉजिटिव आने वाले ग्रामीणों के आस-पड़ोस के लोग भी ध्यान दें और उन लोगों से सोशल डिस्टेंस बनाएं। साथ ही उनका ख्याल भी रखें। उन्हें किसी भी चीज की जरूरत हो तो उनकी सहायता करें। यह समय मानवता की सेवा करने का है। विनोद कुमार ने कहा कि हम सब एक हैं, लेकिन कोरोना महामारी के दौरान हम सबको एक सोच बनानी है कि हम एक-दूसरे की भलाई के लिए एक-दूसरे से दूर रहें। सामाजिक दूरी बनाकर रहें। मास्क जरूर पहनें। उन्होंने कहा कि गांव से बाहर जरूरी काम हो तभी जाएं। गांव में भी अगर किसी काम से निकलते हैं तो मास्क जरूर पहनें, ताकि खुद की व दूसरों की सुरक्षा हम कर सकें।

पंचायतों के 7वें आम चुनाव को वार्ड बंदी में 8 आपत्तियां

गुरुग्राम। पंचायती राज संस्थाओं के 7वें आम चुनाव के लिए जिला परिषद गुरुग्राम, पंचायत समिति पटौदी की वार्ड बंदी का प्रथम प्रकाशन करने उपरांत उपमंडल अधिकारी नागरिक पटौदी के पास वार्ड बंदी के प्रकाशन संबंधी आम जनता से कुल आठ आपत्तियां प्राप्त हुई।

उपमंडल अधिकारी नागरिक पटौदी द्वारा हरियाणा पंचायती राज नियमावली के नियम 4 (5) के तहत इन प्राप्त आपत्तियों की सुनवाई करने उपरांत निर्णय लिया गया। यदि किसी व्यक्ति को इन निर्णय पर एतराज है तो वह अपनी अपील 17 मई से 20 मई तक अतिरिक्त उपायुक्त गुरुग्राम के समक्ष कर सकता है। निर्णयों का उल्लेख करते हुए सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि पंचायती समिति पटौदी वार्ड नंबर 7 से गांव दौलताबाद को पंचायती समिति वार्ड नंबर 11 में तथा वार्ड नंबर 11 से गांव नानू खुर्द को वार्ड नंबर 7 में शामिल किया गया। इसी प्रकार जिला परिषद वार्ड नंबर 6 से गांव नूरपुर, भोड़ाखुर्द व बिनौला को वार्ड नंबर-7 तथा वार्ड नंबर 7 से गांव ततारपुर, मोकलवास, फकरपुर को जिला परिषद वार्ड नंबर 5 में शामिल किया गया।

इसी प्रकार गांव चांदला डूंगरवास, ग्वालियर को जिला परिषद वार्ड नंबर-6 से निकालकर वार्ड नंबर-7 में शामिल करने के एतराज को खारिज कर दिया गया है। गांव पलासोली, भौंकरका को जिला परिषद वार्ड नंबर 6 से निकालकर वार्ड नंबर-10 में शामिल करने के एतराज को स्वीकार किया गया है।

स्वास्थ्य विभाग केंद्र के आदेशों को ताक पर रख कर रहा वैक्सीनेशन

कविता। फरीदाबाद

12 मई के बाद लगने वाली वैक्सीन के निर्देश सभी सैकेंड डोज के लिए किए लागू

निजी अस्पताल ने वैक्सीन 1250 में लगानी कर दी शुरू बीके में हो गई खत्म

केंद्र सरकार की तरफ से 13 मई को वैक्सीनेशन कराने वाले लोगों के लिए नए निर्देश लागू किए हैं। जिसमें उन्होंने पहले लगी हुई वैक्सीनेशन वालों को सैकेंड डोज छह से आठ सप्ताह में लगाने के निर्देश दिए थे।

वहीं कोवैक्सीन के लिए चार सप्ताह का समय निर्धारित किया था। लेकिन इस पत्र के माध्यम से उन्होंने यह भी कहा था कि 12 मई से लगाई जाने वाली वैक्सीन की सैकेंड डोज 12 से 16 सप्ताह के बाद लगाई जाएगी। लेकिन जिला स्वास्थ्य विभाग द्वारा अप्रैल में लगाई गई पहली डोज लगवाने वालों को अब 12 से 16 सप्ताह बाद वैक्सीन लगाने का फरमान सुना दिया। वहीं बीके अस्पताल में आदेशों को ताक पर रखकर 45 प्लस के बजाय 18 प्लस को भी वैक्सीन लगाई जा रही है। इसका खुलासा 13 मई को लगाई गई वैक्सीन से हुआ। जबकि यहां 45 प्लस लोग धक्के खा रहे हैं। निजी अस्पतालों में जो वैक्सीन कुछ समय पहले तक 250 रुपये में लग रही थी।

बीके अस्पताल में टीका लगवाने आए लोगों को लौटाते पुलिसकर्मी।

गलत बन रहे नियम

समाजसेवी अनीशपाल ने बताया कि एक तरफ 45 प्लस के लोगों को मात्र 100 डोज लगाकर लौटाया जा रहा है। वहीं सिफारिश आने पर यहां 18 प्लस वाले भी वैक्सीन लगवा रहे हैं। जोकि गलत है। जबकि नियमों से सभी को वैक्सीन लगानी चाहिए। चाहे वह पहली डोज हो या दूसरी। लेकिन विभाग रोज नए नए नियम बनाकर लोगों को परेशान कर रहा है। अब विभाग केन्द्र सरकार के नियमों की धज्जियां उड़ा रहा है। 12 मई से पहले वालों को भी दूसरी डोज लगाने से मना कर रहा रहा है।

कैसे हो गए रेट अधिक

समाजसेवी विष्णु गोयल ने बताया कि निजी अस्पतालों में 250 रुपये में वैक्सीन लगाई जा रही थी। लेकिन अब 18 प्लस वालों को निजी अस्पताल 1250 रुपये में वैक्सीन लगा रहे हैं। एक तरफ सरकारी अस्पतालों में वैक्सीन नहीं मिल रही है। वहीं निजी को 1250 रुपये में लगाने के लिए वैक्सीन कैसे मिल रही। बीके अस्पताल से चंद कदमों की दूरी पर स्थित निजी अस्पताल में वैक्सीन कैसे उपलब्ध हो रही है।

अब उसकी कीमत 1250 रुपये हो चुकी है। बीके अस्पताल में शनिवार को 100 डोज लगने के बाद शेष लोगों को लौटा दिया

कोरोना की गंभीरता समझकर नियमों का पालन करें ग्राम निवासी : गुर्जर

स्वास्थ्य जांच कैंपों का होगा आयोजन ग्रामीणों को दी जाएगी मल्टी विटामिन और आयुष इम्यूनिटी बूस्टर

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

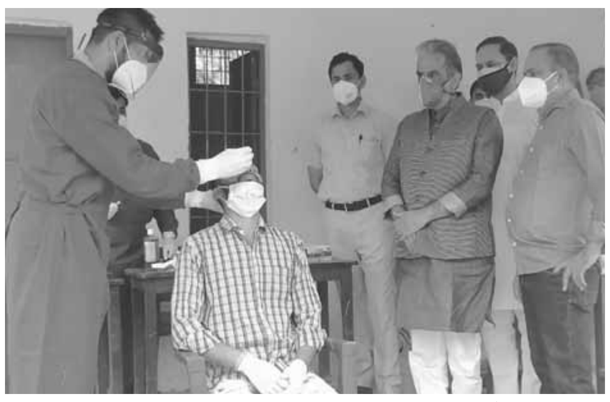

केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि हरियाणा सरकार द्वारा हरियाणा ग्रामीण सामान्य स्वास्थ्य जांच योजना कैंपेन को लांच किया गया है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में बढ़ते कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए टी-3 पॉलिसी (टॉक, टेस्ट व ट्रीट) अपनाई गई है। इसके तहत ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य जांच कैंपों का आयोजन किया जा रहा है। इसके लिए जिला प्रशासन द्वारा दो टीमें गठित की गई हैं जिनमें से एक फील्ड टीम व दूसरी हेडक्वार्टर टीम बनाई जाएगी। केंद्रीय राज्यमंत्री शनिवार को जिला के गांव सीकरी में योजना का शुभारंभ करते हुए संबोधित कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि योजना के तहत फिल्म टीम द्वारा गांवों में घर-घर पहुंच कर सर्वे किया जाएगा, किसी भी टीम को दो से अधिक गांव नहीं दिए जाएंगे। फील्ड टीम द्वारा सर्वे के दौरान गांव के प्रत्येक व्यक्ति का स्वास्थ्य संबंधि डाटा एकत्रित किया जाएगा। टीम द्वारा आमजन से सामान्य स्वास्थ्य व कोविड से संबंधित प्रश्न पूछे जाएंगे। तत्पश्चात उन्हें हेडक्वार्टर टीम के पास स्वास्थ्य जांच के लिए भेजा जाएगा ताकि अनावश्यक भीड़ न हो। उन्होंने कहा कि हेडक्वार्टर टीम को विभिन्न स्थानों जैसे स्कूल, सब सेंटर, पीएचसी, पशुपालन डिस्पेंसरी, पंचायत घर आदि पर तैनात किया जाएगा।

उन्होंने बताया कि फील्ड टीम में संबंधित गांव की आशा वर्कर, आंगनबाड़ी वर्कर, जिला शिक्षा अधिकारी, जिला मौलिक शिक्षा अधिकारी द्वारा तैनात अध्यापक व ग्राम सचिव को शामिल किया है। हेडक्वार्टर टीम में सिविल सर्जन द्वारा नियुक्त एएनएम, एचएचवी, फार्मासिस्ट, एलटी, सीएचओ आदि, राजस्व पटवारी और डीआईओ ऑफिस से डाटा एंट्री ऑप्रेटर शामिल होंगे। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि हेडक्वार्टर पर तैनात प्रत्येक टीम को आवश्यक उपकरण जैसे डिजिटल थर्मामीटर, पल्स ऑक्सीमीटर, वजन मापने की मशीन, ब्लड प्रेशर मशीन, स्टीमर, आरएटी किट, दवाइयां आदि उपलब्ध कराए गए हैं और उन्हें इन उपकरणों को उपयोग करने का प्रशिक्षण भी दिया गया है।

टीम द्वारा प्रत्येक व्यक्ति की पूर्व में की गई स्वास्थ्य जांच जानकारी ली जाएगी, सामान्य स्वास्थ्य जांच, कोविड टेस्टिंग व इलाज सुविधा भी दी जाएगी। कैंप में आने वाले सभी ग्रामीणों को एलोपैथिक मल्टी विटामिन व आयुष इम्यूनिटी बूस्टर व कोरोना संक्रमण से बचाव की हिदायतों की बुकलेट भी दी जाएगी। टीम द्वारा आरएटी टेस्ट किया जाएगा और अगर व्यक्ति पॉजिटिव पाया जाता है तो रोगी की स्थिति के आधार पर उसे होम क्वारंटाइन करने या विलेज कोविड केयर सेंटर में भेजा जाएगा।

उन्होंने बताया कि फरीदाबाद जिले के 50 गांव में आइसोलेशन सेंटर भी स्थापित किए गए हैं। पीएच स्तर पर भी बेड की व्यवस्था की गई है। उन्होंने कहा कि अगर व्यक्ति कोरोना संक्रमित पाया जाता है तो उसे होम आइसोलेशन किट दी जाएगी और अगर व्यक्ति संक्रमित नहीं है तो उसे मल्टी विटामिन व इम्यूनिटी बूस्टर दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि ड्यूटी के दौरान कर्मचारी व अधिकारी कोविड-19 प्रोटोकॉल का पालन करें, मास्क लगाएं, सामाजिक दूरी बनाए रखें, समय-समय पर अपने हाथों को अच्छी प्रकार से धोते रहें और सैनिटाइज करें।

कोरोना पॉजिटिव 24 का अंतिम संस्कार, सरकारी आंकड़े में नौ की मौत

पिछले नौ दिन से हजारों लोगों ने जीती कोरोना की जंग

शनिवार को 867 नए संक्रमित आने से कोविड-19 का आंकड़ा पहुंचा 94720

ये हैं आंकड़े

जिले में कुल जांचें	: 762592
कुल पॉजिटिव आए	: 94720
अब तक नेगेटिव	: 666748
रिपोर्ट आनी शेष	: 1124
ऑक्सीजन पर हैं	: 846
वैंटीलेटर पर हैं	: 91
अब तक मौतें	: 628

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

जिला का कोरोना को हराकर बाउंस बैक करने का क्रम लगातार नौवें दिन शनिवार को भी जारी रहा। शनिवार को जिले में 1360 लोग कोरोना को हराकर स्वस्थ हो अपने घरों को लौटे। जबकि जिले में 867 कोरोना संक्रमित नए मरीज सामने आए। जिससे जिले में कोविड-19 का आंकड़ा 94720 पर पहुंच गया। वहीं दूसरी तरफ जिले में नौ लोगों ने दम तोड़ दिया। जिससे जिले में मृतकों की संख्या का आंकड़ा विभाग की तरफ से कुल 628 दर्शाया गया।

वहीं जिले में फिलहाल एक्टिव मामले 8670 बचे हैं। जिसमें होम आईसोलेट 8670 और अस्पतालों में 1767 मरीज भर्ती है, लेकिन बुरी खबर यह भी है कि लगातार जिले में कोरोना पॉजिटिव मरीजों की मौत के आंकड़े में विभाग द्वारा गड़बड़ी की जा रही है। ऐसा ही देखने को पिछले काफी समय से मिल रहा है। शनिवार को 24 मृतकों का अंतिम संस्कार जिले के विभिन्न श्मशानघाटों पर किया गया। जिसमें 15 मौते फरीदाबाद और बाकी नौ मृतकों के शव अन्य शहरों से शामिल थे।

भारी मात्रा में शराब की पेटी, नकदी व पेटीएम मशीन के साथ गिरफ्तार

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

1091 पेटी अंग्रेजी शराब, 59 पेटी देसी शराब, 31,450 रुपये नकद, एक पेटीएम मशीन बरामद

पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर कार्रवाई करते हुए क्राइम ब्रांच 56 ने अवैध शराब बेचने के जुर्म में दो आरोपी को गिरफ्तार करने में कामयाबी हासिल की है। पुलिस ने आरोपी रविंदर निवासी मथुरा हाल निवासी पर्वतीय कॉलोनी फरीदाबाद और रोहन पुत्र प्रेमचंद निवासी हनुमान नगर भारत कॉलोनी फरीदाबाद को गिरफ्तार किया है।

आरोपी के खिलाफ पुलिस ने थाना एसजीएम नगर में एक्साइज एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। पूछताछ में सामने आया कि आरोपियान राजा चौक एनआईटी फरीदाबाद में शराब के ठेके पर सेल्समैन की नौकरी करते हैं। देश में फैली कोरोना वायरस महामारी के कारण हरियाणा में लॉकडाउन किया हुआ है इस दौरान शराब की बिक्री पर पूर्ण रूप से प्रतिबंध लगा हुआ है। आरोपी अपने मालिक के कहने पर शराब अवैध रूप से रखकर बेच रहे थे। आरोपियों को पुलिस ने अपने सूत्रों के माध्यम से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 1091 पेटी अंग्रेजी शराब, 59 पेटी शराब देसी, 31,450 और एटीएम मशीन बरामद की है। आरोपियों को अदालत में पेश कर जेल भेजा गया है।

जिले में जरूरतमंद को मिल रही है ऑक्सीजन गैस

फरीदाबाद। उपायुक्त यशपाल ने बताया कि फरीदाबाद जिला में अब लोगों को जरूरत होने पर तुरंत ऑक्सीजन गैस मिल रही है। यही वजह है कि अब गैस को लेकर किसी भी तरह की मारामारी नहीं है। शनिवार को 182 लोगों ने ऑक्सीजन गैस के लिए अप्लाई किया और सभी को तुरंत गैस मुहैया करवा दी गई। उपायुक्त यशपाल ने कहा कि संकट की घड़ी में हम सभी लोगों को आश्वस्त करते हैं कि जिसको भी ऑक्सीजन की आवश्यकता है हम उसे पूरी पर्याप्त मात्रा में अवश्य पहुंचाने का कार्य करेंगे।

उन्होंने बताया कि बल्लभगढ़ एसडीएम अपराजिता नोडल अधिकारी गैस ऑक्सीजन कार्य की प्रणाली के ऊपर अपनी नजर बनाए हुए हैं । कार्य बहुत ही शानदार तरीके से किया जा रहा है। किसी प्रकार की कोई कोताही नहीं बरती जा रही है।

पुलिस ने 50 जरूरतमंद परिवारों को राशन बांटा

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

पुलिस चौकी सेक्टर 11 प्रभारी और उनकी टीम ने वैश्विक महामारी के दौर में जरूरतमंद परिवारों को सूखा राशन बांटने का सराहनीय कार्य किया है।

प्रभारी सेक्टर 11 चौकी ने जानकारी देते हुए बताया कि वाईएमसीए के पास एवं सेक्टर 11 कंटेनमेंट जोन के पास झुग्गियों में रह रहे करीब 50 परिवार जो कि दिल्ली से मटके लाकर बेचने का कार्य करते थे। दिल्ली में काफी दिनों से लॉकडाउन चलने की वजह से इन लोगों की रोजी-रोटी पर संकट आ गया था। जैसे ही इस संबंध में प्रभारी सेक्टर 11 चौकी और उनकी टीम को पता चला तो उन्होंने आपस में पैसे इकट्ठे कर जरूरतमंद करीब 50 परिवारों की मदद करने के लिए आगे आए। इस दौरान पुलिस टीम ने प्रत्येक परिवार को आटा, चावल, दाल, सरसों के तेल, हल्दी मिर्च नमक इत्यादि सुखा राशन वितरित किया है। प्रभारी सेक्टर 11 चौकी ने बताया कि अभी फिलहाल आपस में पुलिसकर्मी पैसा इकट्ठा कर काम चला रहे हैं अगर आगे जरूरत पड़ी तो वह किसी संस्था का भी सहयोग लेंगे।

श्री बांके बिहारी मंदिर में लगाई गई टीके की दूसरी डोज

फरीदाबाद। श्री बांके बिहारी मंदिर में लगाए गए कोविड-19 टीकाकरण शिविर में कोरोना टीके की दूसरी डोज लगाई गई। शिविर बड़खल विधानसभा क्षेत्र की लोकप्रिय विधायक सीमा त्रिखा के प्रयास और मंदिर के महंत ललित गिरी गोस्वामी के सहयोग से लगाया गया और इसमें लगभग 100 लोगों को टीका लगाया गया। इस अवसर पर महिला मण्डल प्रधान मीनाक्षी गोस्वामी व अशोक अरोड़ा भी मौजूद थे। इस मौके पर उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए महंत ललित गिरी गोस्वामी ने कहा कि कोरोना से लोगों को बचाया जा सके इसको लेकर बड़े पैमाने पर टीकाकरण शिविर बड़खल विधानसभा क्षेत्र में लगाए गए है। उसी कड़ी में मंदिर प्रांगण में लोगों को टीके की दूसरी डोज लगाई गई। उन्होंने कहा कि जिस तरह कोरोना ने अपना भयावह रूप दिखाया है।

संक्षिप्त समाचार

बीके में नवप्रयास सेवा संगठन ने लगाया रक्तदान शिविर

फरीदाबाद। वैश्विक महामारी कोरोना के दौरान जिले के ब्लड बैंकों में हो रही रक्त की कमी देखते हुए शहर की सामाजिक संगठन नवप्रयास सेवा संगठन के सदस्यों ने सिविल अस्पताल बादशाह खान के ब्लड बैंक में सबसे पहले रक्तदान शिविर का आयोजन किया। 40 युवाओं ने रक्त देकर रक्त की कमी कम करने का काम किया है। शिविर का शुभारंभ महिला इनेलो जिलाध्यक्ष जगजीत कौर पन्नू ने किया। लोगों को सम्बोधित करते हुए जगजीत कौर पन्नू ने कहा कि महामारी में रक्तदान व प्लाज्मा दान करना एक महत्वपूर्ण कार्य है। सभी लोगों को साल में कम से कम तीन बार रक्तदान अवश्य करना चाहिए। नव प्रयास सेवा संगठन के प्रधान सुनील यादव ने बताया कि यह 63वां रक्तदान शिविर है। उनकी टीम को कल पता चला था कि जिले में महामारी के दौरान रक्त की भारी कमी है। उनकी टीम ने तत्काल रक्तदान शिविर का आयोजन किया। यादव ने शहरवासियों से अपील की है कि वह इस आपदा की घड़ी में रक्तदान व प्लाज्मा डोनेट कर लोगों का जीवन बचाएं। संगठन के सदस्य महेश सैनी, सरदार कुलदीप सिंह, दिनेश जोशी, रमेश जोशी, रवि चौहान, सचिन तंवर, विनोद, विशाल विरमानी आदि लोग मौजूद थे।

ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाला गिरफ्तार

फरीदाबाद। पुलिस कमिश्नर ओपी सिंह के दिशा निर्देश पर थाना पुलिस और क्राइम ब्रांच की टीम, वैश्विक महामारी के दौर में ऑक्सीजन सिलेंडर और रेमडेसीविर इंजेक्शन एवं अन्य चीजों की कालाबाजारी करने वाले आरोपियों को गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेज रही है। क्राइम ब्रांच सेक्टर 65 ने ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। आरोपी की पहचान सलीम पुत्र गुलदीप कुरैशी निवासी बडकल एनआईटी फरीदाबाद के रूप में हुई है। प्रभारी क्राइम ब्रांच ने बताया कि सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए तुरंत टीम गठित कर आरोपी को सूरजकुंड एरिया से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके पर आरोपी के कब्जे से दो ऑक्सीजन सिलेंडर, मेडिसन, एक ऑटो बरामद किया है। जिस पर आरोपी के खिलाफ थाना सूरजकुंड में मामला दर्ज किया गया है। पूछताछ पर सामने आया कि आरोपी कबाड़े का काम करता था। कोरोना वायरस की दूसरी लहर के चलते जब ऑक्सीजन सिलेंडर की डिमांड बढ़ी तो आरोपी ने मोटे मुनाफे के चक्कर में ऑक्सीजन सिलेंडर की कालाबाजारी का काम शुरू कर दिया। पुलिस ने आरोपी को अदालत में पेश कर जेल भेज दिया है।

बिजली कर्मचारियों को लगे टीके

फरीदाबाद। बिजली कर्मचारियों को कोरोना से बचाव के लिए शनिवार को कैंप लगाकर टीकाकरण किया। दक्षिण हरियाणा बिजली वितरण निगम की बल्लभगढ़ डिवीजन सेक्टर 6 में आयोजित कैंप में बल्लभगढ़, ओल्ड, ग्रेटर व एनआईटी फरीदाबाद डिवीजनों के 198 कर्मचारियों को वैक्सीनेशन लगाई गई। उल्लेखनीय है कि आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन ने सर्व कर्मचारी संघ हरियाणा के प्रदेशाध्यक्ष सुभाष लांबा की अगुवाई में सर्कल के एसई को बृहस्पतिवार को ज्ञापन सौंपकर बिजली कर्मचारियों को विशेष कैंप लगवा कर वैक्सीनेशन कराने की मांग की थी। एसई नरेश ककड़ ने तुरंत इसका संज्ञान लेते हुए सिविल सर्जन से बातचीत कर शनिवार को वैक्सीनेशन कैंप का आयोजन कराया। सुभाष लांबा ने बताया कि केन्द्रीय ऊर्जा मंत्रालय ने भी सभी राज्य सरकारों को पत्र लिखकर बिजली कर्मचारियों को विशेष अभियान के तहत टीकाकरण कराने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने बताया कि कोविड महामारी से राज्य में आधा दर्जन से अधिक कर्मियों की जान जा चुकी है और हजारों की संख्या में संक्रमित हो चुके हैं। आल हरियाणा पावर कारपोरेशनज वर्कर यूनियन के वरिष्ठ नेता शब्बीर अहमद गनी व सर्कल सचिव कृष्ण कुमार ने बिजली कर्मचारियों के लिए शनिवार को वैक्सीनेशन कैंप आयोजित कराने के लिए एसई नरेश ककड़, एक्शन नीरज दलाल, सीएमओ व टीकाकरण टीम के सभी सदस्यों का आभार प्रकट किया। नेताओं ने बताया की एसई ने हमें बताया है कि अगले सप्ताह में सर्कल आफिस में कैंप आयोजित कर बच्चे कर्मचारियों का टीकाकरण कराया जाएगा। उन्होंने बताया कि सभी कर्मचारियों की टीका लगाने तक यह अभियान जारी रहेगा। शब्बीर अहमद गनी ने टीकाकरण में कर्मचारियों द्वारा दिए गए सहयोग के लिए उनकी भी सराहना की और आगामी कैंपों में भी भाग लेंगे का आह्वान किया।

एसजीएम नगर थाने में किया सैनिटाईज

फरीदाबाद। कोरोना के खिलाफ जंग में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे फरीदाबाद शहर के निडर पुलिसकर्मियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जजपा इनसो चेयरमैन रवि शर्मा ने अपनी टीम के साथ एसजीएम नगर थाने को पूरी तरह सैनिटाइज किया। एसजीएम नगर थाना प्रभारी संजीव कुमार भी मौजूद थे। रवि शर्मा ने कहा कि स्वास्थ्यकर्मियों के बाद पुलिसकर्मी सबसे बड़े कोरोना वारियरस के रूप में देश व प्रदेश की सेवा में दिन रात लगे हुए है। रवि शर्मा ने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर में देखने को मिला है कि जिले के कई पुलिसकर्मी अपने कर्तव्य का निर्वाहन करते हुए कोरोना संक्रमित हो गए। इनमें से एक एसपीओ महावीर जोकि एसजीएम नगर थाने में ही तैनात था कोरोना से जंग लड़ते लड़ते हार गया। रवि शर्मा ने कहा कि पुलिसकर्मियों को इस बीमारी से बचाया जा सके इसके लिए आज टीम दुश्यंत चौटाला द्वारा थाने को सैनीटाइज किया गया है। थाना प्रभारी संजीव कुमार ने कहा कि यह एक अच्छी पहल है क्योंकि पुलिसकर्मी अपनी ड्यूटी निभाने में कभी पीछे नहीं हटते।

आपदा में सामाजिक-धार्मिक संगठनों की भूमिका अहम : ओपी सिंह

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वीडियो कांफ्रेंस के माध्यम से जिला के सभी सामाजिक धार्मिक संगठनों व एनजीओ को किया संबोधित

पुलिस आयुक्त ओपी सिंह ने कहा कि कोरोना काल का यह बुरा वक्त है और अगर हम लोग एहतियात बरतेंगे तो जल्द ही है वक्त निकल जाएगा। आज हम उस दौर से गुजर रहे हैं जब हमें एक दूसरे से मिलकर कार्य करना है। पुलिस आयुक्त शनिवार शनिवार को जिला के सभी सामाजिक-धार्मिक संगठनों व एनजीओ की वीडियो कांफ्रेंस में संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में जिला प्रशासन ने बहुत ही बेहतरीन व्यवस्था बनाई है।

उन्होंने कहा कि सिलेंडरों को लेकर जो मारा-मारी थी वह पूरी तरह से खत्म है। अब लोगों को घर जाकर सिलेंडर मिल रहे हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना का अब गांव की तरफ भी ज्यादा प्रसार हुआ है। ऐसे में ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को बहुत एहतियात बरतने की आवश्यकता है। मीटिंग में उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग लगातार कोरोना महामारी में दिन-रात कार्य कर रहा है। उन्होंने बताया कि हम लोग सहयोग व समझ के साथ इस महामारी से निपटने का प्रयास कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब तक फरीदाबाद पुलिस ने 325 मुकदमे दर्ज की है और 500 मीटिंग कर लोगों को कोरोना महामारी से बचाव के लिए नियमों का पालन करने का आह्वान किया गया है। उन्होंने कहा कि इस महामारी में 302 पुलिसकर्मी भी संक्रमित हुए हैं और हमारे एक पुलिसकर्मी की जान भी इसमें गई है। उन्होंने बेहतरीन कार्य के लिए स्वास्थ्य विभाग को बधाई देते हुए कहा कि यह विभाग इस बीमारी से निपटने के लिए ध्वजवाहक की भूमिका में है। उन्होंने कहा कि समाज के सभी सामाजिक संगठनों को मिलकर और अधिक लगन के साथ कार्य करना होगा।

उन्होंने कहा कि इंसान ही इंसान के काम आता है और आज एक इंसान को दूसरे इंसान की आवश्यकता है। मीटिंग में संबोधित करते हुए उपायुक्त यशपाल ने कहा कि सभी सामाजिक व धार्मिक संगठनों के साथ-साथ एनजीओ के लोगों ने भी इस महामारी में जिला प्रशासन का साथ दिया है। उन्होंने कहा कि सभी संगठनों ने खुद का मनोबल बढ़ाया है और खुद को बचाया भी है। उन्होंने कहा कि पिछली बार जब दूसरे प्रदेशों में लोगों का पलायन शुरू हुआ तो भी सभी धार्मिक व सामाजिक संगठनों ने दिन रात भोजन से लेकर अन्य सभी सेवाएं की। उन्होंने कहा कि आज कोरोना महामारी से निपटने के लिए खुद आगे आ रहे हैं।

उन्होंने कहा कि लोग अच्छी बिल्डिंगों को कोविड-19 केयर सेंटर में तब्दील कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि इससे बिल्डिंगों में बेड तक ऑक्सीजन पहुंचाने के लिए बड़ी तोड़फोड़ भी हो रही है लेकिन सभी लोगों का फिलहाल एक ही मकसद है की लोगों की जान कैसे बचाई जाए। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने व्यवस्था को बेहतर करने का कार्य किया है। उन्होंने कहा कि हमारा पॉजिटिविटी रेट आज 46 से 32 प्रतिशत पर आ चुका है। ऑक्सीजन को लेकर कोई दिक्कत नहीं है। हमारे पास दवाएं पर्याप्त संख्या में है और टीकाकरण को लेकर भी हम बेहतर दिशा में कार्य कर रहे हैं। उन्होंने सभी सामाजिक व धार्मिक संगठनों से मिलकर कार्य करने का आह्वान किया और कहा कि आप सभी लोगों की बदौलत हम इस जंग को जरूर जीतेंगे। मीटिंग में सीएमओ रणदीप सिंह पुनिया ने कहा कि आज हम कोरोना जैसी महामारी से जूझ रहे हैं। उन्होंने सभी लोगों से आह्वान किया कि वह अपने अपने क्षेत्र में लोगों को मास्क का अवश्य लगाने का आह्वान करें। उन्होंने कहा कि फरीदाबाद में 2011 की जनगणना के अनुसार 18 लाख की आबादी में से हम अब तक 7.30 लाख लोगों की कोरोना टेस्ट इन करवा चुके हैं। उन्होंने बताया कि 4.30 लोगों का टीकाकरण कार्य पूरा किया जा चुका है।

कालीबाड़ी ने शुरू किया गरीबों को नि:शुल्क राशन बांटना

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

फरीदाबाद कालीबाड़ी सेक्टर 16 के सदस्यों ने कोविद महामारी एवं घोषित लॉकडाउन से त्रस्त और लाचार गरीबों एवं जरूरतमंदों के लिए मुफ्त में नि:शुल्क राशन की व्यवस्था कर उसे जरूरतमंदों तक समय पर पहुंचाने की घोषणा की है।

अक्षय तृतीया के शुभ दिन पर यह घोषणा करते हुए फरीदाबाद कालीबाड़ी के अध्यक्ष डीएस चक्रबोर्ती एवं महासचिव स्वपन कुमार बोस ने यह बताया कि मां काली के आशीर्वाद और कृपा से ही यह संभव हो पाया एवं इस तरह के किसी भी समाज सेवा के कार्य में फरीदाबाद कालीबाड़ी के समस्त परिवार को अपार हर्ष की अनुभव होती है। कालीबाड़ी के अध्यक्ष एवं महासचिव ने बताया कि फरीदाबाद कालीबाड़ी के तरफ से प्रति माह लगभग चार सौ से पांच सौ जरूरतमंद परिवारों तक यह राशन उपलब्ध कराई जाएगी और यह सेवा का कार्यक्रम आगे निरंतर कम से कम छह महीनों तक जारी रहेगी। यह राशन विशेष कर समाज के उन अभागे एवं वंचितों तक पहुंचाई जाएगी जिनकी लॉकडाउन के चलते रोजगार समाप्त हो गयी है एवं जो स्वयं एवं अपने परिवार की भोजन की व्यवस्था करने में भी असमर्थ हो गए हैं।

ज्ञात हो की पिछले वर्ष भी राष्ट्रीय आपदा के दौरान सरकार द्वारा घोषित लॉकडाउन के प्रथम चरण से लेकर तृतीय चरण तक फरीदाबाद कालीबाड़ी सेक्टर 16 ने रेडक्रॉस सोसाइटी के मदद से 70,000 तैयार और गर्म भोजन के पैकेट समाज के वंचित विस्थापित मजदूरों को मुहैया कराया था।

कालीबाड़ी के वरिष्ठ सदस्य अभिजीत गांगुली ने हमेशा के तरह इस बार भी फरीदाबाद कालीबाड़ी के समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारी निभाने की प्रतिश्रुति दी है। फरीदाबाद कालीबाड़ी मानवता के धर्म को ही सर्वोपरि धर्म मानती रही है। फरीदाबाद कालीबाड़ी समाज के सक्षम एवं इच्छुक बर्गों को भी अपने इस महान मानव सेवा उद्यम के साथ जुड़ने की आग्रह करती है। जिससे कि इस सेवा का लाभ ज्यादा से ज्यादा जरूरतमंदों तक पहुंचे, क्योंकि फरीदाबाद कालीबाड़ी इस प्रकार के सेवा कार्य को बिना किसी सरकारी या गैर सरकारी मदद के अपने सदस्यों एवं शुभचिंतकों की आर्थिक सहयोग से ही करती आ रही है।

अब बच्चों पर वक्र-दृष्टि!

जबकि कोविड-19 की दूसरी लहर का कहर जारी है, डॉक्टर और विशेषज्ञ तीसरी लहर की शुरुआत की भविष्यवाणी कर रहे हैं, जो बच्चों के लिए खतरनाक है। 'मुश्बा हाशमी' बताती हैं कि बाल चिकित्सा टीके के अभाव में बच्चों की सुरक्षा कैसे की जा सकती है। लेकिन उसके लिए एक मजबूत बाल चिकित्सा एवं स्वास्थ्यरक्षा प्रणाली का होना महत्वपूर्ण है।

हम ठीक उसी के बीच में फंस गए हैं जो कोविड-19 की एक बहुत ही घातक दूसरी लहर प्रतीत होती है। प्रति दिन 3.5 लाख से कम मामलों के साथ, वक्र जल्द ही किसी भी समय समतल होता नजर नहीं आ रहा है। हालांकि, खौफ यहीं खत्म नहीं होता है। डॉक्टरों, वैज्ञानिकों और विशेषज्ञों ने कोविड-19 की तीसरी लहर की भविष्यवाणी करना शुरू कर दी है जिसके और अधिक कहर बरपाने की आशंका है। इससे भी ज्यादा, क्योंकि यह बच्चों को बुरी तरह प्रभावित कर सकता है।

हालांकि यह चिंता का एक प्रमुख कारण है, लेकिन यहां सवाल यह है कि हम आगामी तीसरी लहर से निपटने के लिए कितने तैयार हैं? इसका उत्तर शायद वह नहीं है जो हम सुनना चाहते हैं।

''वायरस अतिसंवेदनशील आबादी का शिकार करते हैं। वर्तमान में स्कूल बंद होने के कारण, शैक्षणिक संस्थान फिर से खुलने के बाद बच्चे वह समूह होंगे। यह तीसरी लहर लाएगा जो बच्चों को बड़े समय तक प्रभावित करेगी'', यह कहना है एमबीबीएस, एमडी (पीडियाट्रिक्स), अमेरिकन बोर्ड ऑफ द पीडियाट्रिक्स के डिप्लोमेट, फेलोशिप- संक्रामक रोग और मुख्य सलाहकार-वरिष्ठ सलाहकार, बाल रोग, इंद्रधनुष बच्चों के अस्पताल, डॉ अरविंद तनेजा का।

बच्चों के लिए एक प्रभावी टीके के अभाव में, वे सबसे अतिसंवेदनशील समूह बन जाते हैं और मास्क लगाना और साफ-सफाई रखना ही एकमात्र रास्ता है।

वो आगे बताते हैं, ''जब 70 से 85 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण किया जाता है, तो लोगों, विशेषकर बच्चों की सुरक्षा के लिए 'झुंड प्रतिरक्षा' शुरू हो जाती है। तब तक मास्क, सोशल डिस्टेंसिंग बच्चों के लिए भी आदर्श है''। उनका कहना है कि जरूरत बच्चों में टीके के परीक्षण में तेजी लाने की है। यदि टीकाकरण वाले वयस्क सुरक्षित हैं तो बच्चों को भी होना चाहिए। हमने पोलियो, खसरा, कण्ठमाला, रूबेला लाइव वायरल टीकों के साथ 60 साल तक और वायरल इन्फ्लूएंजा के साथ 40 साल तक कुछ महीनों के शिशुओं में इसका अनुभव किया है। तनेजा कहते हैं और आपको बताते हैं कि टीकों का बाल चिकित्सा परीक्षण अक्टूबर तक पूरा होने की उम्मीद है।

उनका कहना है कि तीसरी लहर कब आएगी यह कहना मुश्किल है।

निराशाजनक तथ्य यह है कि हमने बाल चिकित्सा देखभाल पर पर्याप्त जोर नहीं दिया और परिणामस्वरूप हम इसमें पिछड़े हुए हैं।

वो बताते हैं, ''कोविड-19 बाल चिकित्सा के लिए भारत की तैयारी बहुत ही अपर्याप्त है। हमारे पास देश में बहुत कम बाल चिकित्सा अस्पताल हैं, बहुत कम बाल चिकित्सा क्रिटिकल केयर विशेषज्ञ और बाल चिकित्सा प्रशिक्षित नर्स हैं। तीसरी लहर के लिए तैयार रहने के लिए, भारत के प्रत्येक बड़े और मध्यम आकार के शहर में इस नाजुक आबादी की देखभाल के लिए कम से कम एक समर्पित बच्चों का अस्पताल होना चाहिए ताकि हम कोविड-19 जैसी आपदा आने पर तैयार रहें। यह तीसरी लहर में होने की उम्मीद है।''

हालांकि, उम्मीद की बात यह है कि डॉक्टरों के अनुसार मई के अंत तक हम मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं।

''एक अध्ययन के अनुसार, हम ज्यादातर राज्यों में मई के अंत तक मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं। कोरोनावायरस के मामलों की एक या दो और चोटियां हो सकती हैं लेकिन वे मौजूदा लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती हैं। अलग-अलग राज्य अलग-अलग समय पर चोटियों को देख सकते हैं। भविष्यवाणी है कि भारत में इस सप्ताह के अंत तक हम सभी को एक साथ गिरावट का रुझान देखने को मिल सकता है। लेकिन अगर हमें एक राष्ट्र के रूप में जांचना है, तो सभी संचयी आंकड़ों के साथ, हम या तो अपने चरम पर हैं या इसके बहुत करीब हैं। विभिन्न राज्यों में अलग-अलग प्रक्षेपवक्र होंगे।'' यह कहना है क्रिटिकल केयर, एनेस्थीसिया और इमरजेंसी मेडिसिन, रीजेंसी सुपरस्पेशलिटी अस्पताल, लखनऊ, डॉ यश जावेरी का।

उनका कहना है कि तीसरी लहर अगले दो-तीन महीनों में कुछ राज्यों में दस्तक दे सकती है।

डॉ आर्य बताते हैं, ''अगर हम सख्त उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं।''

वह कहते हैं कि अगर लोग आने वाले महीनों में कोविड उपयुक्त व्यवहार का पालन करते हैं जिसमें डबल मास्किंग, हैंड सैनिटाइज़र का उपयोग करना, सामाजिक दूरी बनाए रखना और अनावश्यक रूप से बाहर जाने से बचना शामिल है, तो हम शायद संकट को चरम तक पहुंचने से रोक सकते हैं।

''अगर हम बहुसंख्यक आबादी का टीकाकरण करने में सक्षम हैं तो तीसरी लहर की भयावहता कम हो जाएगी।''

हालांकि, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट के रेस्पिरेटरी मेडिसिन के वरिष्ठ सलाहकार डॉ अनिमेष आर्य का मानना है कि गिरावट की प्रवृत्ति का अनुमान लगाना मुश्किल है।

> अगर हम सत उपाय करते हैं, तो तीसरी लहर सभी जगहों पर नहीं हो सकती है या दूसरी लहर जितनी बड़ी नहीं हो सकती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि हर जगह राज्यों, जिलों और शहरों में स्थानीय स्तर पर नियंत्रण उपायों को प्रभावी ढंग से कैसे लागू किया जाता है। कुछ महीनों में, जब लोगों की स्वाभाविक रूप से विकसित प्रतिरक्षा या टीकाकरण की मदद से कमजोर हो जाती है, तो वायरस फिर से हमला कर सकता है। केवल एक चीज जो वायरस को वापस उछलने से रोक सकती है, वह यह है कि लोग अपनी रक्षा कैसे कर रहे हैं

उनका कहना है कि, ''इस बात का कोई निश्चित जवाब नहीं है कि हम कब मामलों में गिरावट की उम्मीद कर सकते हैं, लेकिन महामारी विज्ञानियों को लगता है कि सभी चोटियों के साथ दो से तीन महीने के बाद गिरावट आएगी, इसलिए जून में गिरावट की उम्मीद है। लेकिन हम पहले की तरह अपनी भविष्यवाणियों से दूर हो सकते हैं।''कई वैज्ञानिक, संक्रामक रोग विशेषज्ञ और अर्थशास्त्र और मॉडलिंग पृष्ठभूमि के लोग तीसरी लहर की भविष्यवाणी करने की कोशिश कर रहे हैं, लेकिन वैज्ञानिक दृष्टिकोण से जो गंभीर महामारी विशेष रूप से स्पेनिश फ्लू के पिछले प्रकोप पर आधारित है, प्रेस में सभी उम्मीदें हैं और सितंबर-अक्टूबर में हो सकता है।

आर्य बताते हैं कि, ''यह भी माना जा रहा है कि 12-15 आयु वर्ग के बच्चे तीसरी लहर में बड़े पैमाने पर प्रभावित होने की संभावना है क्योंकि वे अनुभवहीन हैं और नया उत्परिवर्ती तनाव बहुत शक्तिशाली है और यह उन लोगों की प्रतिरक्षा को चुनौती देता है जो टीकाकरण द्वारा, प्राकृतिक रूप से संरक्षित या आंशिक रूप से संरक्षित नहीं हैं।'' उन्होंने आगे कहा कि जैसा कि हम सभी जानते हैं कि बीमार रोगियों के इलाज और मृत्यु दर को रोकने के लिए तृतीयक स्वास्थ्य सेवा के बुनियादी ढांचे का निर्माण आवश्यक है, हमें यह नहीं भूलना चाहिए कि प्रारंभिक पहचान, सभी स्तरों के संपर्कों का व्यापक परीक्षण, उन्हें अलग करना और उनका इलाज करना प्राथमिक उद्देश्य है। समय से पहले गंभीर जटिलताओं से बचाना और उपचार करके मृत्यु से रक्षा करना ही कारगर उपाय है।

कहा जा रहा है कि, ऐसे कई डॉक्टर हैं जो मानते हैं कि बच्चों पर उतना बुरा असर नहीं पड़ेगा जितना कि अनुमान लगाया जा रहा है, क्योंकि ये सभी भविष्यवाणियां आंकड़ों पर आधारित हैं। इसलिए माता-पिता को ज्यादा परेशान होने की जरूरत नहीं है। हालांकि, इसका मतलब यह नहीं है कि हम आवश्यक सावधानियां कम कर दें। वैक्सीन की उपस्थिति या अनुपस्थिति दोनों में सभी सावधानियां बरतनी होंगी।

चाइल्ड एक्सपर्ट अनिल बाजवा बताते हैं, ''इस बात का कोई सबूत नहीं है कि तीसरी लहर बच्चों पर चोट करेगी, ऐसा हो सकता है, लेकिन ये केवल भविष्यवाणियां हैं। हालाँकि, बच्चों में लक्षण आमतौर पर आज तक हल्के होते हैं, लेकिन यह उनके लिए टीकाकरण के महत्व को प्रभावित नहीं करता है। हम अनुमान नहीं लगा सकते हैं कि तीसरी लहर में लक्षण गंभीर होंगे या नहीं। हालांकि, बाल चिकित्सा टीके की अनुपस्थिति में सावधानी बरतने का एकमात्र तरीका है। प्रतिरक्षा एक और महत्वपूर्ण चीज है। बच्चों को उनके आहार में ढेर सारी हरी पत्तेदार सब्जियों और फलों सहित पौष्टिक आहार देना चाहिए। उन्हें हाइड्रेट रखें। नारियल पानी दिन में दो बार काम कर सकता है। जंक से हर कीमत पर बचें, और अंत में, यह भी कि उनको विटामिन सी सेवन बढ़ाएं।''

हालांकि महाराष्ट्र जैसी कई राज्य सरकारों ने बाल चिकित्सा केंद्र स्थापित करके तीसरी लहर के लिए तैयारी शुरू कर दी है, लेकिन आवश्यकता कम मृत्यु और अधिक वसूली के साथ तीसरी लहर से निपटने के लिए बाल चिकित्सा अस्पतालों, आईसीयू बेड और देखभाल केंद्रों की संख्या बढ़ाने की है।

बाजवा कहते हैं, ''तीसरी लहर के प्रभाव को रोकने के लिए, बच्चों के लिए आईसीयू बेड और अस्पतालों की संख्या में वृद्धि करना, बोर्ड पर अधिक बाल चिकित्सा नर्सों को लाना और यह भी सुनिश्चित करना है कि बच्चों की देखभाल के लिए पर्याप्त डॉक्टर हों। हमारे स्वास्थ्य संबंधी बुनियादी ढांचे में मूल रूप से सुधार की जरूरत है, जो निश्चित रूप से इस समय संभव नहीं है। इसलिए, अब एक मजबूत स्वास्थ्य सेवा प्रणाली के निर्माण पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो उचित कर्मचारियों से सुसज्जित हो ताकि डॉक्टरों और नर्सों को थकान से जूझना न पड़े।''

बच्चों को संक्रमित होने के जोखिम से बचाने के कई तरीकों में से एक है माता-पिता को जल्दी से टीका लगवाना।

''यह बच्चे नहीं हैं जो वायरस ले जाते हैं, यह उनके माता-पिता या परिवार हैं जो वायरस से गुजरते हैं। इस तथ्य का समर्थन करने के लिए कोई रिपोर्ट नहीं है, लेकिन यह एक अवलोकन है जो पहली और दूसरी लहर के दौरान किया जाता है। इसलिए, बच्चों को संक्रमण की चपेट में आने से रोकने के लिए, बड़ों को दोनों खुराकों के साथ जल्दी से टीका लगवाने की जरूरत है। टीके की कमी के साथ, यह एक कठिन कार्य लग सकता है, हालांकि संभावित तीसरी लहर के प्रभाव को कम करने के लिए यह एकमात्र संभव विकल्प है।''

और बाकी उपायों के अलावा, हमें व्यस्त अस्पतालों का समर्थन करने के लिए, कोविड लहर के आधार पर एक शहर से दूसरे शहर में जाने के लिए स्टैंडबाय पर युवा नर्सों और डॉक्टरों की एक सेना तैयार करने की आवश्यकता है। इसके लिए हमें उन्हें बड़े पैमाने पर प्रेरित करने और प्रोत्साहित करने की आवश्यकता है, क्योंकि अकेले पैसा, युवाओं को कोविड आईसीयू वार्डों में अपनी जान जोखिम में डालने के लिए प्रेरित नहीं करेगा।

और अंत में, हल्के लक्षण वाले रोगियों को तुरंत अलग किया जाना चाहिए, ताकि उनमें संक्रमण फैलने का खतरा कम हो सके।

आर्य बताते हैं, ''वक्र को समतल करने के लिए और झुंड प्रतिरक्षा या निष्क्रिय प्रतिरक्षा की कमी के कारण उच्च जोखिम वाले बच्चों की कमजोर आबादी के जोखिम को कम करने के लिए, हल्के रोगसूचक रोगियों को संक्रमण मुक्त होने तक अलगाव की सुविधा प्रदान की जानी चाहिए क्योंकि संक्रमण दर इस समय अधिक है।''

वैक्सीन पासपोर्ट

अब जब ज्यादा से ज्यादा लोग टीकाकरण करवा रहे हैं तो कुछ सरकारें समाज को लॉकडाउन से बाहर लाने के लिए वैक्सीन पासपोर्ट पर भरोसा कर रही हैं। ये पासपोर्ट एक ऐसा आवश्यक प्रमाणपत्र है जो यह दर्शाता है कि धारक कोरोना के खिलाफ एक सुरक्षा कवच हासिल कर चुका हैं। ब्रिटिश सरकार ने भी वैक्सीन पासपोर्ट योजना लागू करने का प्रयास किया था लेकिन कुछ जगहों पर इन प्रस्तावों के खिलाफ भारी विरोध का सामना करने के बाद सरकार को इसे वापस लेना पड़ा। संभवतः इसमें कोई चौंकाने वाली बात नहीं है- वैक्सीन पासपोर्ट योजनाएं विवादास्पद हैं क्योंकि कुछ लोग तर्क दे रहे हैं कि इससे असमानता पैदा होगी। समाज के सदस्य होने के नाते, यह हमारा नैतिक दायित्व है कि हम अपने समुदाय में हर किसी की सुरक्षा के लिए अपना टीकाकरण कराएं। टीकाकरण पासपोर्ट से इतने सारे लाभों के साथ ही जीवन की गुणवत्ता भी बढ़ेगी और जब हम सामान्य जीवन में लौटेंगे तो हम एक बेहतर समय का आनंद उठा सकेंगे।

DOC टॉक

डॉ. आशु रस्तोगी
सहायक प्रोफेसर,
एंडोक्रायनोलाजी
पीजीआई चंडीगढ़

महत्वपूर्ण है विटामिन डी

कई अध्ययनों में अब विटामिन डी के स्तर और कोविड-19 की गंभीरता और मृत्यु दर के बीच उच्च संबंध पाया गया है। इस तरह के अध्ययनों से पता चला है कि कोविड-19 वाले रोगियों में विटामिन डी का स्तर काफी कम था। इसके अलावा, उन रोगियों में बुखार काफी अधिक था जिनके पास पर्याप्त स्तर वाले रोगियों की तुलना में विटामिन डी का स्तर कम था। इसके अतिरिक्त, यह पाया गया है कि विटामिन डी की कमी और कोविड-19 के साथ पुराने वयस्कों में उन लोगों की तुलना में बदतर रुग्णता के परिणाम थे जिनकी कमी नहीं थी।

विटामिन डी एक वसा में घुलनशील विटामिन है जो शरीर में कई महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। यह पोषक तत्व विशेष रूप से प्रतिरक्षा प्रणाली के स्वास्थ्य के लिए महत्वपूर्ण है। चूंकि, यह वसा में घुलनशील यौगिकों का एक समूह है जो कैल्शियम, मैग्नीशियम और फॉस्फेट के आंतों के अवशोषण के लिए जिम्मेदार है, और अतिरिक्त जैविक प्रभावों की एक किस्म के लिए; विटामिन डी का निम्न स्तर कई तीव्र और पुरानी बीमारियों के विकास की संभावना को बढ़ा सकता है। एक कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली का अर्थ है संक्रमण और बीमारी के खिलाफ शरीर की कमजोर रक्षा।

एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है।

एक भावी, परम्परागत अध्ययन में पाया गया कि कैल्सीडिओल की एक उच्च खुराक ने कोविड-19 से संक्रमित रोगियों में गहन देखभाल की आवश्यकता को कम कर दिया। चूंकि विटामिन डी की कमी से गंभीर श्वसन संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है, इसलिए विटामिन डी की खुराक कोविड-19 जटिलताओं, विशेष रूप से तीव्र श्वसन रोग की रोकथाम और उपचार के लिए सुझाई जाती है। आजकल बाजार में विटामिन डी सप्लीमेंट के कई ब्रांड उपलब्ध हैं जैसे डी-3 मास्ट, कैल्डीकाइंड, कैल्शिन, आदि।

यह देखा गया है कि विटामिन डी सप्लीमेंट लेने वालों को श्वसन तंत्र में संक्रमण कम होता है।

बीएमजे द्वारा प्रकाशित और डॉ रस्तोगी और उनकी टीम के नेतृत्व में किए गए शेड अध्ययन के अनुसार, सार्स सीओवी-2 संक्रमण वाले विटामिन डी की कमी वाले व्यक्तियों का अधिक अनुपात सार्स सीओवी-2 आरएनए नकारात्मक हो गया और कोसीफेरोल सप्लीमेंट की उच्च खुराक से फाइब्रिनोजेन में उल्लेखनीय कमी आई।

हमने देखा है कि विटामिन डी3 (60000 आईयू) सप्लीमेंट की सात दिनों की उच्च खुराक कोरोनावायरस निकासी में मदद करती है।

प्रतिरक्षा कार्य को संशोधित करने में विटामिन डी की भूमिका का समर्थन करने वाले सबूतों को देखते हुए, और विटामिन डी की कमी वाले रोगियों पर कोविड-19 के साथ विटामिन डी पूरकता के प्रभाव को देखते हुए, व्यावहारिक सिफारिशों को निम्नानुसार संश्लेषित किया जाना चाहिए :

– विटामिन डी की स्थिति को इष्टतम करने के लिए वर्तमान सार्वजनिक स्वास्थ्य दिशानिर्देशों का हमेशा पालन किया जाना चाहिए

कोविड-19 के साथ अस्पताल में भर्ती मरीजों में बेसलाइन सीरम 25 ओएच-डी सांद्रता मापी जानी चाहिए और एक स्तर 30एनजी/एमएल (40-60एनजी/एमएल) तक पूरक होनी चाहिए, खासकर जब बेसलाइन स्तर 10एनजी/एमएल से कम हो।

25 (ओएच) डी से कम सीरम सांद्रता वाले कोविड-19 रोगियों में कमी को ठीक करने के लिए अनुशंसित खुराक 6-8 सप्ताह के लिए 6000-7000 आईयू प्रतिदिन है। रखरखाव के लिए, खुराक 2000 से 3000 मौखिक आईयू प्रतिदिन दिन के बीच भिन्न होता है जो व्यक्ति की उम्र और नैदानिक स्थिति के आधार पर इष्टतम सांद्रता तक पहुंचता है।

जब यह कोविड-19 रोगियों में बेसलाइन 25 (ओएच)डी सांद्रता को मापने के लिए संभव नहीं है, तो यह सुझाव दिया जाता है कि प्रति दिन 2000-3000 आईयू के साथ प्रतिदिन सुझाए गए इष्टतम सीरम सांद्रता (40-60एनजी/ एमएल) का पूरक हो।

हालांकि भारत एक उपोष्णकटिबंधीय देश है जहां पर्याप्त धूप है, विटामिन डी की कमी प्रचलित है। सूरज की रोशनी सतहों पर सार्स सीओवी-2 को तेजी से निष्क्रिय कर देती है, यह सुझाव देती है कि सूर्य के संपर्क में आने के परिणामस्वरूप विटामिन डी से जुड़ा एक पर्यावरणीय लाभ हो सकता है। लोगों को विटामिन डी के महत्व को समझना आवश्यक है ताकि वे प्रासंगिक दवाएं ले सकें।

म्यूकोरमाइकोसिस
एक खतरनाक फंगल इन्फेक्शन

कोविड 19 संक्रमित मरीजों में नजर आने वाले विचित्र किंतु घातक फंगल इन्फेक्शन के बारे में डॉ. राहुल भार्गव से जानकारी ली मुस्बा हाशमी ने :

जैसे कि कोविड-19 की दूसरी लहर आपको डर से कांपने के लिए पर्याप्त नहीं थी, देश एक फंगल संक्रमण से जुड़े मामलों दो-चार हो रहा है। म्यूकोरमाइकोसिस (कभी-कभी जाइगोमाइकोसिस कहा जाता है) एक गंभीर लेकिन दुर्लभ फंगल संक्रमण है जो म्यूकोर्मिसेट्स नामक मोल्डों के समूह के कारण होता है। ये मोल्ड्स पूरे वातावरण में रहते हैं। जब कोई इन बीजाणुओं में सांस लेता है, तो साइनस या फेफड़ों में संक्रमण हो सकता है।

एक कट, खरोंच या अन्य प्रकार के त्वचा आघात के माध्यम से त्वचा में प्रवेश करने के बाद त्वचा पर म्यूकोरमाइकोसिस भी विकसित हो सकता है। म्यूकोरमाइकोसिस मुख्य रूप से उन लोगों को प्रभावित करता है जिन्हें स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं हैं या वे दवाएं लेते हैं जो जीवाणुओं और बीमारी से लड़ने की शरीर की क्षमता को कम करती हैं।

डॉ राहुल भार्गव बताते हैं कि, ''बीमारी से जुड़े लक्षणों में एकतरफा चेहरे की सूजन, सिरदर्द, नाक या साइनस में कंजेशन, आंखों में दृष्टि या दर्द, गाल और आंखों में सूजन, बुखार और नाक में काली पपड़ी शामिल हैं। यूएस सेंटर फॉर डिसीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन (सीडीसी) का अनुमान है कि 54 प्रतिशत की समग्र मृत्यु दर के साथ यह बीमारी चिंताजनक है।''

स्टेरॉयड के लंबे समय तक लिए जाने और बाद में प्रतिरक्षात्मक स्थिति कमजोर हो जाने के कारण म्यूकोरमाइकोसिस कोविड रोगियों को अधिक प्रभावित कर रहा है।

''कोविड-19 से प्रभावित होने पर मधुमेह के रोगियों को म्यूकोरमाइकोसिस का बहुत अधिक खतरा होता है क्योंकि कोविड -19 उनकी प्रतिरक्षा प्रणाली को और खराब कर देता है और दूसरा, उन्हें उनके इलाज के लिए कॉर्टिकोस्टेरॉइड दिया जाता है। इससे उनके रक्त शर्करा के स्तर में वृद्धि होती है जिससे म्यूकोरमाइकोसिस का खतरा बढ़ जाता है। इसलिए मधुमेह और कोविड-19 का यह संयोजन प्रबंधन के लिए एक खतरनाक और घातक चुनौती बन जाता है। डॉ भार्गव बताते हैं, 'म्यूकोरमाइकोसिस के कुछ मामले स्पर्शोन्मुख कोविड -19 संक्रमण वाले रोगियों में भी देखे गए हैं, जो अपने निदान के बारे में भी नहीं जानते थे, जो पिछले एक सप्ताह में अनके रोगियों में आए हैं जो कोविड-19 से उबरने के बाद इस संक्रमण की चपेट में आए हैं।'

चिंता का एक कारण यह है कि वर्तमान में, म्यूकोरमाइकोसिस को रोकने के लिए कोई व्यवहार्य उपाय नहीं हैं, हालांकि, शुरुआती पहचान अभी के लिए सबसे अच्छा समाधान है।

कुछ चीजें जो इसे रोकने के लिए की जा सकती हैं, वे हैं नाक की सफाई और बीटाडीन समाधान के साथ गरारे करना, मधुमेह का उचित नियंत्रण और केवल एक चिकित्सक द्वारा नुस्खे पर स्टेरॉयड का उपयोग करना। हल्दी में कर्क्यूमिन होता है जो फंगल-संक्रमण के लिए भी अच्छा होता है।

भार्गव आपको बताते हैं कि यह एक गंभीर संक्रमण है और इसका इलाज डॉक्टर के पर्चे की एंटीफंगल दवा, आमतौर पर पॉसकोनाजोल, एम्फ़ोटेरिसिन बी या इसावुकोनजोल से किया जाना चाहिए।

''ये दवाएं एक नस (एम्फोटेरिसिन बी, पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनज़ोल) या मुंह से (पॉसकोनाज़ोल, इसावुकोनाज़ोल) के माध्यम से दी जाती हैं। वोरिकोनाज़ोल, फ्लुकोनाज़ोल और इचिनोकाडिन सहित अन्य दवाएं, कवक के खिलाफ काम नहीं करती हैं जो श्लेष्मकला का कारण बनती हैं। अक्सर, श्लेष्मा रोग के लिए संक्रमित ऊतक को काटने के लिए सर्जरी की आवश्यकता होती है।''

कोविड-19 और म्यूकोरमाइकोसिस के बीच संबंध के बारे में, भार्गव कहते हैं, कि बिल्कुल भी आश्चर्य की बात नहीं है। ''चूंकि म्यूकोर्मिकोसिस के लिए प्रमुख जोखिम कारक अनियंत्रित मधुमेह मेलिटस है जो कोविड-19 के लिए एक उच्च जोखिम वाला कारक भी है। दूसरे, स्टेरॉयड - जो प्रतिरक्षा को दबाने के लिए जाने जाते हैं - केवल उपचार के समान हैं, जैसे कि मैंने पहले उल्लेख किया है, जिसने कोविड-19 मृत्यु दर को कम करने के लिए दिखाया है। इसलिए, यह कोविड-19 का संयोजन है, जिसमें प्रतिरक्षा कम हो गई है और स्टेरॉयड जो शायद एक मरीज को म्यूकोरमाइकोसिस के लिए प्रेरित करते हैं।

चूंकि घातक वायरस और म्यूकोर्मिकोसिस के बीच संबंध रोगियों में कमजोर प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया की स्थिति है, यह रोगी से रोगी पर निर्भर करता है कि कोई इस संक्रमण को कब विकसित कर सकता है। कोविड संक्रमण से ठीक होने के बाद फंगस से संक्रमित होने में कई दिन अथवा सप्ताह भी लग सकते हैं।

कोविडकेयर

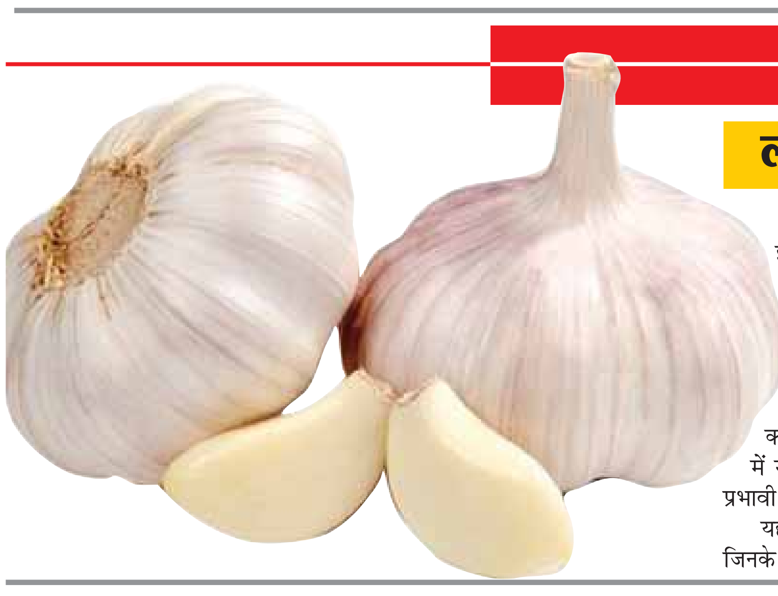

लहसुन

क्योंकि हम में से कई लोग लहसुन की गंध पसंद नहीं करते हैं, और इसलिए इसे खाने से परहेज करते हैं, लेकिन यह जड़ी बूटी अत्यधिक पौष्टिक है। यह कैलोरी में कम और विटामिन सी, विटामिन बी 6 और मैंगनीज में समृद्ध है। इसमें विभिन्न अन्य पोषक तत्वों की मात्रा भी होती है। इसलिए, यह प्रतिरक्षा को बढ़ाने में मदद कर सकता है जो निस्संदेह समय की आवश्यकता है।

लहसुन की खुराक फ्लू और आम सर्दी जैसी सामान्य बीमारियों की गंभीरता को रोकने और कम करने में मदद करती है। उल्लेख नहीं करने के लिए, लहसुन की उच्च खुराक उन लोगों के लिए उच्च रक्तचाप (उच्च रक्तचाप) के साथ रक्तचाप में सुधार करती दिखाई देती है। कुछ मामलों में, पूरक नियमित दवाओं की तरह प्रभावी हो सकते हैं।

यह कुल और एलडीएल कोलेस्ट्रॉल को भी कम करता है, खासकर उन लोगों में जिनके शरीर में उच्च कोलेस्ट्रॉल की समस्या है।

दादी का कहना

लंबे और रेशमी बाल कई लोगों का सपना होता है। लेकिन, हम में से कई लोग इसके बाद बालों के झड़ने के कारण इसे छोटा कर देते हैं। रोशनी देवी बता रही हैं ऐसे कुछ उपचार जो मददगार साबित हो सकते हैं।

हम नियमित रूप से लंबे बालों में तेल लगाने के महत्व पर पर्याप्त जोर नहीं दे सकते। कोई नारियल, बादाम, सरसों या जैतून का तेल भी इस्तेमाल कर सकता है। इससे स्कैल्प पर मसाज करें और रात भर के लिए छोड़ दें। सुबह किसी माइल्ड शैम्पू से धो लें। लेकिन अगर आपकी त्वचा तैलीय है तो बालों में तेल लगाकर एक घंटे के लिए छोड़ दें और फिर धो लें। तेल के बेहतर अवशोषण में मदद करने के लिए सिर के चारों ओर एक गर्म तौलिया 10 मिनट के लिए लपेटा जा सकता है।

यदि एक कारण है कि आप लंबे बालों को स्पोर्ट नहीं करना चाहते हैं क्योंकि वे गिरते हैं, तो एलोवेरा का उपयोग करें। यह यह बालों की कंडीशनिंग करता है। यह रूसी को कम करता है और बालों के रोम छिद्रों को खोलता है जो अतिरिक्त तेल से अवरुद्ध हो सकते हैं। आप सप्ताह में कुछ बार शुद्ध एलोवेरा जेल को अपने स्कैल्प और बालों पर लगा सकते हैं।

अंडे से बना मुखौटा लागू करें; यह प्रोटीन का बहुत अच्छा स्रोत है, जो आपके बालों को लंबा करने में मदद करता है। बस दो अंडों को फोड़ें, जर्दों को मलें और अपने बालों पर अंडे के सफेद भाग का उपयोग करें। इसे 20 मिनट तक रहने दें और धो लें।

स्वास्थ्य ही संपदा है!

एक स्वस्थ जीवन शैली का अनुसरण अत्यंत महत्वपूर्ण है। प्रस्तुत हैं इस संबंध में बिहार के पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग के प्रमुख सचिव दीपक कुमार सिंह के कुछ सुझाव।

मृत्यु से कोई नहीं बच सकता है, लेकिन निश्चित रूप से बुढ़ापे को रोक सकता है। एक स्वस्थ, तनावमुक्त, सुखी और तनाव मुक्त जीवन का मूल सिद्धांत यह है कि व्यक्ति को एक स्व-निर्धारित दिनचर्या का पालन करना चाहिए - दैनिक दिनचर्या में आत्म-अनुशासन। मेरे सीखने के आधार पर यहां कुछ सुझाव दिए गए हैं :

एक, सुबह उठने के पल को दिन का सबसे खुशी का पल बनाने की कोशिश करें। जब आप अपनी आंखें खोलते हैं या यहां तक?? कि जोर से हंसते हैं तो दुनिया में मुस्कुराएं। यह पूरे दिन के लिए आपकी भावनाओं का आधार बनता है।

दो, पानी का शासन। हर दिन कम से कम चार लीटर पानी पिएं। इसके अलावा, सुबह कम से कम तीन गिलास गर्म पानी पिएं। ठंडा पानी पीने से बचें। यह कम से कम कमरे के तापमान पर होना चाहिए।

तीन, एक अच्छे खाद्य शासन का पालन करें। तीन भोजन लें और बीच में कुछ भी नहीं, जब तक कि आपको चिकित्सकीय रूप से पांच भोजन या अधिक लेने की सलाह न दी गई हो। नाश्ता आदर्श रूप से जागने के चार घंटे के भीतर होना चाहिए और सबसे भारी होना चाहिए। दिन के पहले पहर में ही फलों का सेवन करना चाहिए। दोपहर के बाद फलों से परहेज करें। दही को नाश्ते के साथ लेना चाहिए, जब तक कि डॉक्टर द्वारा मना न किया जाए। दोपहर के भोजन के साथ मथा। और रात के खाने में कोई दही वाली चीज नहीं। भोजन की मात्रा के बजाय गुणवत्ता पर जोर देना चाहिए। उन खाद्य पदार्थों का सेवन करें, जो कम मात्रा में अधिक ऊर्जा और पोषक तत्व देते हैं।

चार, कार्य स्थान शासन। यदि आपके पास लंबे समय तक बैठने का काम है- सीधी पीठ की कुर्सी का उपयोग करें, अपनी पीठ को सीधा रखें, कुर्सी के साथ पीछे हटें, हर 45 मिनट के बाद उठें और पांच मिनट के लिए टहलें और अपनी गर्दन को पीछे की ओर खींचे जब भी आपको याद हो।

सावधानी : जब भी आप अपनी गर्दन को पीछे की ओर फैलाएं तो अपनी आंखें बंद रखें।

पांच, रात के खाने के बाद शासन। रात 8 बजे से पहले डिनर आदर्श रूप से लिया जाना चाहिए। रात के खाने और सोने के बीच लगभग चार घंटे का अंतर होना चाहिए। भोजन करने के बाद अपने दांतों को ब्रश करें। कम से कम 20 मिनट तक टहलें। गर्म पानी में नमक और हल्दी मिलाकर भाप लें और गार्निश करें। बिस्तर पर जाने से कम से कम आधे घंटे पहले अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर दें, जब तक कि आपका पेशा इसे 24 घंटे चालू रखने की मांग न करे।

छह, रात को सोने के बाद दो बूंद सरसों के तेल की नाभि में डालें और अपनी उंगलियों से इसे 40 बार दक्षिणावर्त और 40 बार वामावर्त रगड़ें। प्रत्येक नथुने में दो बूंद सरसों का तेल डालें। एक बार बिस्तर पर, अपनी आंखें बंद करें और सुबह से हुई हर घटना को याद करें। उस दिन जो किसी भी तरह से आपको नुकसान पहुंचा है, उन्हें क्षमा करें। उन लोगों से माफी मांगें, जिन्हें आपने किसी भी तरह से चोट पहुंचाई है। इससे आपके दिमाग को आराम मिलेगा और आपको सकारात्मक सोच के साथ अच्छी नींद आएगी और अगली सुबह आप मुस्कुराते हुए उठेंगे। रात में कम से कम सात घंटे की नींद जरूर लें। बिस्तर पर जल्दी उठने के लिए और जल्दी उठने के लिए उम्र के पुराने फासले का पालन करने की कोशिश करें।

और अंतिम लेकिन कम से कम नहीं, शासन के बाहर एक अच्छे काम का पालन करें। सुबह में कम से कम एक घंटा और शाम को आधा घंटा अपनी व्यक्तिगत व्यायाम व्यवस्था पर बिताएं। याद रखें कि पैदल चलना, टहलना और सांस लेने के व्यायाम आपके व्यायाम का एक हिस्सा होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने चक्रवात तौकते से निपटने की तैयारियों का लिया जायजा

● **आईएमडी ने बताया 18 मई को पोरबंदर व नलिया के बीच पहुंच सकता है तूफान**

भाषा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने चक्रवात तौकते से निपटने की तैयारियों का जायजा लेने के लिए शनिवार को राज्यों, केंद्रीय मंत्रालयों और एजेंसियों के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की और संबंधित अधिकारियों को लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने तथा बिजली, दूरसंचार, स्वास्थ्य, पेयजल जैसी जरूरी सेवाओं का प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री ने चक्रवात से जिन स्थानों के प्रभावित होने की संभावना है वहां के अस्पतालों में कोविड प्रबंधन, टीकाकरण, बिजली की कमी न हो, इसके उपाय और आवश्यक दवाओं के भंडारण के लिए विशेष तैयारियों की आवश्यकता पर बल दिया।

इस उच्च स्तरीय बैठक में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, प्रधानमंत्री के प्रमुख सचिव, कैबिनेट सचिव, गृह मंत्रालय, नागरिक उड्डयन, संचार, पोत परिवहन मंत्रालयों के सचिव, राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीएमए) के शीर्ष अधिकारी, रेलवे बोर्ड के अध्यक्ष और प्रधानमंत्री कार्यालय तथा गृह मंत्रालय के शीर्ष अधिकारियों ने हिस्सा लिया।

पीएमओ ने कहा, प्रधानमंत्री ने नियंत्रण कक्षों को चौबीसों घंटे कार्यरत रखने का निर्देश दिया। उन्होंने जामनगर से होने वाली ऑक्सीजन की आपूर्ति पर कम से कम प्रभाव पड़ना सुनिश्चित करने पर विशेष ध्यान देने को कहा। उन्होंने समय रहते बचाव व राहत अभियान में स्थानीय लोगों को शामिल करने के बारे में भी बात की।

बयान के मुताबिक भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने बताया कि तौकते चक्रवात 18 मई की दोपहर या शाम को पोरबंदर और नलिया के बीच गुजरात तट पर पहुंच सकता है और इस दौरान हवाओं की रफ्तार बीच-बीच में 175 किलोमीटर प्रति घंटा भी हो सकती है।

इस वजह से गुजरात के तटीय जिलों जूनागढ़, गिर सोमनाथ में अत्यंत भीषण बारिश हो सकती है जबकि जूनागढ़, पोरबंदर, द्वारका, अमरेली, राजकोट और जामनगर सहित कुछ अन्य स्थानों पर बहुत भारी से भारी बारिश की संभावना है।

तूफान को तौकते नाम म्यांमा ने दिया है जिसका मतलब छिपकली होता है। इस साल भारतीय तट पर यह पहला चक्रवाती तूफान होगा।

बैठक में चर्चा हुई कि कैबिनेट सचिव सभी तटीय राज्यों और केंद्रीय मंत्रालयों के साथ ही एजेंसियों के लगातार संपर्क में रहेंगे और केंद्रीय गृह मंत्रालय चौबीसों घंटे स्थिति पर नजर बनाए हुए है।

पीएमओ के बयान के मुताबिक गृह मंत्रालय ने सभी तटीय राज्यों को राज्य आपदा मोचन कोष (एसडीआरएफ) की पहली किस्त पहले ही जारी कर दी है। एनडीआरएफ ने छह राज्यों में नावों, पेड़ काटने वाले और दूरसंचार उपकरणों से लैस 42 टीमों को पहले से तैनात किया है और 26 टीमों को तैयार रखा गया है।

बयान में कहा गया कि भारतीय तटरक्षक बल और नौसेना ने राहत, खोज और बचाव कार्यों के लिए जहाज और हेलीकॉप्टर तैनात किए हैं जबकि थल सेना की इंजीनियर टास्क फोर्स इकाइयाँ, नावों और बचाव उपकरणों के साथ तैनाती के लिए तैयार हैं। इसके अलावा मानवीय सहायता और आपदा राहत इकाइयों के साथ सात जहाज पश्चिमी तट पर तैयार हैं। निगरानी विमान और हेलीकॉप्टर पश्चिमी तट पर लगातार निगरानी कर रहे हैं। आपदा राहत दल और चिकित्सा दल त्रिवेंद्रम, कन्नूर और पश्चिमी तट के साथ अन्य स्थानों पर तैनात हैं। बैठक में संबंधित मंत्रालयों को भी आवश्यक दिशानिर्देश जारी किए गए।

बयान के मुताबिक विद्युत मंत्रालय ने बिजली की तत्काल बहाली के लिए ट्रांसफार्मर, डीजी सेट और उपकरणों को तैयार रखा है जबकि दूरसंचार मंत्रालय सभी दूरसंचार टॉवरों और केन्द्रों पर लगातार नजर रखे है। इसी प्रकार केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने प्रभावित क्षेत्रों में कोविड महामारी पर स्वास्थ्य क्षेत्र की तैयारियों और प्रतिक्रिया के लिए राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को सलाह जारी की है।

इस बीच, भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने कहा है कि अरब सागर के ऊपर बना दबाव का क्षेत्र अब चक्रवाती तूफान तौकते में तब्दील हो गया है और इसके 18 मई के आसपास पोरबंदर तथा नलिया के बीच गुजरात तट को पार करने की संभावना है। इस दौरान सौराष्ट्र और कच्छ के तटों के पास बेहद तेज बारिश के साथ ही 175 किलामीटर प्रतिघंटा तक की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं। आईएमडी ने कहा कि तौकते 16 से 18 मई के बीच अत्यंत भीषण चक्रवाती तूफान के रूप में रहेगा।

तिरुवनंतपुरम में अरब सागर में चक्रवात के कारण खराब होता मौसम

कोविड-19 रोगी महिला के उत्पीड़न के मामले में एंबुलेंस कर्मी गिरफ्तार

मलप्पुरम। केरल के मलप्पुरम में कोविड-19 से पीड़ित 38 वर्षीय महिला के कथित यौन उत्पीड़न के लिए एक एंबुलेंस कर्मी को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि रोगी को 27 अप्रैल को एंबुलेंस में नजदीकी पेरिन्थलमन्ना के एक स्कैनिंग सेंटर ले जाते समय उसका उत्पीड़न किया गया। राजकीय वंडूर अस्पताल में निमोनिया का इलाज करा रही महिला ने डॉक्टरों को इस बारे में बताया, जिन्होंने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस ने कहा कि आरोपी को शुक्रवार को गिरफ्तार कर लिया गया। पिछले साल सितंबर में पथनमथिट्टा में एंबुलेंस चालक द्वारा 19 वर्षीय कोविड-19 रोगी का बलात्कार करने का मामला सामने आया था।

फडणवीस ने महाराष्ट्र सरकार की आलोचना की

● **पूर्व मुख्यमंत्री ने लिखा सोनिया गांधी को पत्र, महाराष्ट्र में उच्च मृत्यु दर का हवाला देकर सरकार को बताया विफल**

भाषा। मुंबई

भाजपा नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र में कोविड-19 महामारी की स्थिति को लेकर शनिवार को कांग्रेस अध्यक्ष सोनिया गांधी को लिखे पत्र में कहा कि उन्हें उन राज्यों को, जहां उनकी पार्टी सत्ता में है यह सलाह देनी चाहिए कि कैसे कोविड-19 से निपटा जाए। वहीं, महाराष्ट्र कांग्रेस ने पलटवार करते हुए आरोप लगाया कि भाजपा नीत केंद्र सरकार के अहंकार और आत्मसंतोष की वजह से मौजूदा संकट पैदा हुआ। राज्य के पूर्व मुख्यमंत्री फडणवीस ने अपने पत्र में राज्य में उच्च मृत्युदर को रेखांकित करते हुए आरोप लगाया कि शिवसेना-कांग्रेस- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) की सरकार कोविड-19 महामारी के खिलाफ लड़ाई में विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र को नजरअंदाज कर रही है। फडणवीस का पत्र सोनिया गांधी के कुछ दिन पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को लिखे पत्र के बाद आया है जिसमें उन्होंने केंद्र पर महामारी से निपटने में लचर रुख अपनाने का आरोप लगाया था। फडणवीस ने कहा कि केंद्र की आलोचना करने के बजाय गांधी को कांग्रेस शासित राज्यों को भी सलाह देनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महाराष्ट्र में देश के 22 प्रतिशत संक्रमण के मामले हैं, 31 प्रतिशत मौतें और मौजूदा समय में 14 प्रतिशत उपचाराधीन मरीज हैं। भाजपा नेता ने कहा कि अगर महाराष्ट्र सरकार मिलकर काम करे तो कुल मिलाकर देश की स्थिति सुधरेगी। उन्होंने दावा किया कि महाराष्ट्र को केंद्र से अधिकतम मदद मिली जिनमें 1.80 करोड़ टीके की खुराक, आठ लाख रेमडेसिविर की खुराक, 1750 मीट्रिक टन ऑक्सीजन, वेंटिलेटर, बाईपैप और ऑक्सीजन सांद्रक शामिल हैं। फडणवीस ने महामारी से निपटने के लिए मुंबई मॉडल के बारे में कहा कि यह अधिक रैपिड एंटीजन (आरटी-पीसीआर जांच के बजाय) के बारे में है जबकि कुल मिलाकर जांच की संख्या घटा दी गई। गौरतलब है कि मुंबई मॉडल की प्रशंसा अदालत और केंद्र ने भी की थी। उन्होंने आरोप लगाया कि महानगर में कोविड-19 से होने वाली मौतों को 40 प्रतिशत कम दिखाया गया और मौतों को अन्य श्रेणियों में दर्ज किया गया। फडणवीस ने कहा, रोजाना देश में करीब 4000 मौतें दर्ज की जा रही हैं जिनमें से 850 मौतें अकेले महाराष्ट्र में हो रही है....विदर्भ, मराठवाड़ा और उत्तरी महाराष्ट्र पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। ऐसा लगता है कि उनको उनकी किस्मत पर छोड़ दिया गया है। फडणवीस के आरोपों पर जवाब देते हुए कांग्रेस ने कहा कि यह केंद्र की असफलता को ढंकने की कोशिश है। महाराष्ट्र कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि मोदी सरकार ने देश को श्मशान भूमि बना दिया है। उन्होंने एक बयान में कहा, फडणवीस में प्रधानमंत्री को लिखने की हिम्मत होनी चाहिए। पटोले ने कहा, केंद्र सरकार का अहंकार और आत्मसंतोष इस स्थिति के लिए जिम्मेदार है। उन्होंने कहा कि जब अन्य देश अपने नागरिकों के टीकाकरण में तेजी ला रहे थे, तब मोदी चुनाव प्रचार में व्यस्त थे। पटोले ने कहा कि मुश्किलों के बावजूद महाराष्ट्र ने 1.15 करोड़ का टीकाकरण किया, जो देश में सबसे अधिक है।

कोरोना संक्रमण से दो डॉक्टरों की मौत

फिरोजाबाद (उत्तर प्रदेश)। फिरोजाबाद के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों पर तैनात दो चिकित्सकों की कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद मौत हो गई। आधिकारिक जानकारी के अनुसार एक चिकित्सक की लखनऊ के किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय में जबकि दूसरे की आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज में उपचार के दौरान शनिवार की शाम मौत हुई। फिरोजाबाद के जिलाधिकारी चंद्र विजय सिंह ने शनिवार की देर शाम चिकित्सकों के मौत की पुष्टि करते हुए बताया कि मैनपुरी जिले के डॉ वीरेंद्र कुमार दीदामई प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र पर तैनात थे और उनके 21 अप्रैल को संक्रमित होने की पुष्टि हुई थी। परिजन उन्हें केजीएमयू लखनऊ ले गए जहां शाम उनकी मौत हो गई। दूसरे चिकित्सक डॉ प्रदीप कुमार आगरा निवासी थे और लगभग 25 दिन पहले संक्रमित हुए थे बाद में उन्हें आगरा एसएन मेडिकल कॉलेज स्थानांतरित किया गया था। अ

चुनाव बाद अत्याचारों का सामना करने वाले बेघर परिवारों की स्थिति से स्तब्ध हूं: धनखड़

भाषा। नंदीग्राम (प.बंगाल)

पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि वह उन कई परिवारों के हालात को देखकर स्तब्ध हैं जिन्होंने कथित तौर पर सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं के अत्याचारों का सामना किया और उन्हें बेघर होना पड़ा। राज्यपाल ने मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर चुनाव नतीजों के आने के बाद भड़की हिंसा पर चुप्पी साधने का आरोप लगाया।

धनखड़ ने आश्चर्य व्यक्त कि क्या मुख्यमंत्री ने चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा से प्रभावित और पूर्व मेदिनीपुर के नंदीग्राम इलाके के शरणार्थी शिविरों में रह रही महिलाओं और बच्चों का क्रंदन सुना है।

उन्होंने हिंसा प्रभावित लोगों से मुलाकात की जिन्होंने केंदेमारी, बंकिम मोड़, चिलाग्राम, नंदीग्राम बाजार और टाउन क्लब इलाकों में शरण ली है। राज्यपाल ने कहा कि तृणमूल प्रमुख कूचबिहार के सीतलकुची में केंद्रीय बलों की गोली से चार लोगों की मौत को जनसंहार करार देती हैं, लेकिन नंदीग्राम की स्थिति पर चुप हैं। धनखड़ ने कहा, आप सीतलकुची की घटना को सुनियोजित हत्या और जनसंहार कहती हैं। क्या आपने नंदीग्राम की महिलाओं और बच्चों के रोने की आवाज सुनी, जहां पर लाखों लोग बेघर हुए हैं?

उन्होंने कहा, हमें पश्चिम बंगाल के हालात को देखकर दुख होता है। भारत ने ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी थी। राज्य एक तरह से ज्वालामुखी पर बैठा है। शिविरों में रहने वाले लोगों ने दावा किया कि वे दो मई को चुनाव नतीजे आने के बाद नंदीग्राम स्थित अपने घरों से भागने को मजबूर हुए। उन्होंने आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस के गुंडों ने उनके घरों में लूटपाट की। राज्यपाल ने कहा, मुख्यमंत्री को लोगों का दर्द समझना चाहिए। उन्हें यहां और अन्य स्थानों पर चुनाव नतीजों के बाद हुई हिंसा पर ध्यान देना चाहिए। गौरतलब है कि धनखड़ ने बृहस्पतिवार को कूचबिहार के विभिन्न स्थानों का दौरा किया और कथित तौर पर चुनाव बाद हुई हिंसा के प्रभावितों से मुलाकात की।

राज्यपाल को सीतलकुची में काले झंडे दिखाए गए और दिनहाटा इलाके में वापस जाओ के नारे लगाए गए। धनखड़ ने शुक्रवार को असम के रणपगली स्थित शिविर का भी दौरा किया, जहां पर कई परिवारों ने शरण ली है। भाजपा समर्थक होने का दावा करने वाले इन लोगों को चुनाव के बाद अत्याचारों का सामना करना पड़ा।

पीएम केयर फंड से खरीदे गए वेंटिलेटर का ऑडिट कराने का फैसला सही: गहलोत

भाषा। जयपुर

राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने शनिवार को पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने के निर्णय को सही दिशा में उठाया गया कदम बताया।गहलोत ने ट्वीट किया, प्रधानमंत्री द्वारा पीएम केयर फंड से मिले वेंटिलेटर का ऑडिट करवाने का निर्णय सही दिशा में उठाया गया कदम है। इस बात की पूरी जांच होनी चाहिए कि किस प्रकार राज्यों को खराब वेंटिलेटर की आपूर्ति की गई। मुख्यमंत्री के अनुसार मीडिया रिपोर्ट से पता लगा है कि भारत सरकार की कम्पनी एचएलएल लाईफ केयर लिमिटेड के माध्यम से लगभग 10 कम्पनियों से 59,000 वेंटिलेटर खरीदे गए। उसमें कई ऐसी कम्पनियां भी हैं जिन्हें वेंटिलेटर बनाने का किसी प्रकार का अनुभव नहीं था। इसलिए कई राज्यों को खराब वेंटिलेटर वितरित हो गए। इस कारण डॉक्टरों द्वारा मरीजों के जीवन के जोखिम की कीमत पर अधिकांश जगह इन वेंटिलेटर का उपयोग नहीं किया गया। गहलोत ने लिखा है, मुझे उम्मीद है कि भारत सरकार निष्पक्ष जांच करवाकर इस प्रकार के डिफेक्टिव वेंटिलेटर सप्लाई करने वाली कम्पनियों के खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई करेगी। उल्लेखनीय है कि गहलोत ने कुछ दिन पहले मांग की थी कि केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय प्रधानमंत्री केयर फंड से उपलब्ध कराए गए खराब वेंटिलेटर की खरीद की जांच करवाए।

ब्लैक फंगस के इलाज के लिए दवाएं उपलब्ध करवाए सरकार : राजे

जयपुर। राजस्थान की पूर्व मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे ने शनिवार को राजस्थान सरकार से राज्य में फैल रही ब्लैक फंगस नामक नई बीमारी के इलाज के लिए लोगों दवाइयां उपलब्ध कराने की मांग की। राजे ने एक बयान में कहा कि राज्य में एक नई बीमारी ब्लैक फंगस फैल रही है। उन्होंने कहा, सरकार से अनुरोध है - जल्द से जल्द यह दवाइयाँ उपलब्ध कराएं ताकि लोगों को इन्हें काले बाजार में अत्यधिक कीमतों पर ना खरीदना पड़े। उल्लेखनीय है कि कोरोना वायरस संक्रमण से ठीक होने वाले मधुमेह पीड़ित लोगों में इस ब्लैक फंगस बीमारी के मामले सामने आए हैं।

राजौरी में बेअदबी के मामले में चार गिरफ्तार

जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी जिले में बेअदबी के मामले में शनिवार को चार लोग गिरफ्तार किए गए। राजौरी पुलिस ने एक बयान में बताया कि खवास इलाके में बेअदबी की घटना के बाद बृहस्पतिवार को भारतीय दंड संहिता की धारा 295 ए (किसी भी वर्ग के धर्म या धार्मिक विश्वासों का अपमान करके उसकी धार्मिक भावनाओं को जानबूझकर ठेस पहुंचाना और दुर्भावनापूर्ण कृत्य करना) और 429 (मवेशियों को मारना या घायल करना, आदि) के तहत मामला दर्ज किया गया। उसने बताया कि गवाहों के बयानों और जांच के दौरान मिले तकनीकी सबूतों के आधार पर चार मुख्य आरोपियों की पहचान की गई और उन्हें गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने कहा, कई पुलिस दलों ने विभिन्न स्थानों पर छापेमारी की और अंततः सभी मुख्य चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस ने सभी लोगों से शांति बनाए रखने और कानूनी प्रक्रिया में भरोसा रखने का अनुरोध किया।

असम के मुख्यमंत्री हेमंत बिस्वा सरमा ग्रेनेड विस्फोट में जान गंवाने वाले सुरजीत तालुकदार के घर उनके परिजनों से मिलने पहुंचे

कोलकाता में संपूर्ण लॉकडाउन की घोषणा के साथ ही प्रवासी श्रमिकों का पलायन शुरू

गोवा सरकार का फैसला

निजी अस्पतालों में भर्ती का अधिकार सरकार के पास

● **21 प्राइवेट हॉस्पिटलों की कमान कल से सरका के हाथ में**

भाषा। पणजी

गोवा सरकार ने राज्य में कोरोना वायरस संक्रमितों का इलाज कर रहे सभी 21 निजी अस्पतालों में मरीजों की भर्ती का अधिकार 17 मई से अपने हाथों में लेने का फैसला किया है। सरकार ने यह कदम विभिन्न नियमों के उल्लंघन के मद्देनजर उठाया है। मुख्यमंत्री प्रमोद सावंत ने कहा कि इस कदम से गोवा चिकित्सा महाविद्यालय एवं अस्पताल (जीएमसीएच) जैसे अस्पतालों पर बोझ कम होगा। उल्लेखनीय है कि गत चार दिनों में जीएमसीएच में इलाज करा रहे 75 संक्रमितों की मौत हुई जिसने प्रशासन के लिए चेतावनी की घंटी बजा दी है। राज्य सरकार के फैसले की वजह बताते हुए सावंत ने कहा कि निजी अस्पताल उनके यहां उपलब्ध कुल बिस्तरों में से 50 प्रतिशत बिस्तर कोविड-19 मरीजों के लिए आरक्षित नहीं कर रहे थे। उन्होंने संवाददाताओं से बातचीत में कहा, हमारे सामने कई घटनाएं आई जब निजी अस्पतालों ने डीडीएसएसवाई योजना (राज्य सरकार की चिकित्सा बीमा योजना) के तहत कोविड-19 मरीजों को इलाज नहीं मुहैया कराया। सावंत ने कहा कि ऐसी घटनाएं सामने आई जिनमें निजी अस्पतालों ने मरीजों से अधिक शुल्क वसूलते पाया गया। उन्होंने कहा कि सरकार केवल इन अस्पतालों से मरीजों की भर्ती का अधिकार लेगी जबकि उनका प्रबंधन उनके पास ही रहेगा।

रेमडेसिविर की जमाखोरी पर लगेगा गुंडा एक्ट : स्टालिन

चेन्नई। मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने शनिवार को कहा कि तमिलनाडु में कोविड-19 के मरीजों के उपचार में इस्तेमाल होने वाली दवा रेमडेसिविर की जमाखोरी करने वालों और ज्यादा कीमत पर ऑक्सीजन सिलेंडर बेचने वालों के खिलाफ सख्त गुंडा अधिनियम के तहत कार्रवाई की जाएगी। पुलिस को मुख्यमंत्री की तरफ से यह निर्देश कुछ लोगों द्वारा रेमडेसिविर इंजेक्शन की शीशियों को कथित तौर पर ज्यादा कीमत पर बेचने की खबरों और उनकी गिरफ्तारियों के बाद आया है। एक बयान में स्टालिन ने कहा कि प्रतिबंधों के कारण आजीविका पर असर पड़ने के बावजूद जनता ने लॉकडाउन की कड़वी गोली को स्वीकार किया है और जीवन बचाने में सहयोग दिया है, वहीं ऐसे समय में कुछ असामाजिक तत्व दवाओं की जमाखोरी कर उसकी कालाबाजारी कर रहे हैं। कुछ जगहों पर ऑक्सीजन सिलेंडर ज्यादा कीमतों पर बेचे जा रहे हैं।

अमृतसर से छह बार सांसद रहे रघुनंदन लाल भाटिया का निधन

भाषा। अमृतसर

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और अमृतसर से छह बार सांसद रहे रघुनंदन लाल भाटिया का बीमारी के कारण निधन हो गया है। वह 100 वर्ष के थे। भाटिया के परिवार के सदस्यों ने शनिवार को बताया कि शुक्रवार रात को यहां एक निजी अस्पताल में उनका निधन हो गया। उनके परिवार में बेटा रमेश भाटिया, बेटी सरोज मुंजाल और छोटे भाई जे एल भाटिया हैं। रघुनंदन अमृतसर संसदीय सीट से सबसे पहले 1972 में लोकसभा सांसद बने थे और इसके बाद इसी सीट से 1980, 1985, 1992, 1996 और 1999 में भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीते। रघुनंदन भाटिया 2004 से 2008 तक केरल के राज्यपाल भी रहे। वह 2008 से 2009 तक बिहार के राज्यपाल भी रहे। उन्होंने 1992 में विदेश राज्यमंत्री के तौर पर भी काम किया। कांग्रेस के वरिष्ठ सदस्य के तौर पर वह पार्टी में पंजाब इकाई के अध्यक्ष तथा महासचिव समेत विभिन्न पदों पर रहे।पंजाब के मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह ने रघुनंदन भाटिया के निधन पर शोक जताया है। मुख्यमंत्री सिंह ने ट्वीट किया, रघुनंदन भाटिया जी के निधन से दुखी हूं। शोक की इस घड़ी में मेरी संवेदनाएं उनके परिवार के साथ हैं। भगवान उनकी आत्मा को शांति दे। पंजाब कांग्रेस के नेता और विधायक राज कुमार वेरका ने शोक जताते हुए कहा कि भाटिया भारतीय राजनीति के भीष्म पितामह थे। केरल के राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान और मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने भी रघुनंदन भाटिया के निधन पर शोक जताया है। खान ने शोक जताते हुए कहा कि भाटिया जी के आचरण और उनकी कुशलता ने उन्हें सार्वजनिक जीवन में सबका रोल मॉडल बना दिया। विजयन ने केरल में भाटिया के राज्यपाल के कार्यकाल को याद किया और कहा कि वह बेहतरीन सांसद थे।

सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाएं: मोदी

● पीएम ने कोविड-19 की ताजा स्थिति की गहन समीक्षा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को एक उच्चस्तरीय बैठक में देश में कोविड-19 की वर्तमान स्थिति और टीकाकरण अभियान की समीक्षा की तथा सर्वाधिक संक्रमित क्षेत्रों में जांच का दायरा बढ़ाने, स्थानीय स्तर पर रोकथाम की रणनीति पर काम करने के साथ ही ग्रामीण क्षेत्रों में घर-घर जाकर जांच करने और वहां स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया। बैठक के बाद प्रधानमंत्री कार्यालय से जारी एक बयान के मुताबिक मोदी ने आशा और आंगनबाड़ी कर्मियों को कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में सभी आवश्यक संसाधनों से लैस करने और ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की पर्याप्त आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया। उल्लेखनीय है कि कोविड-19 की दूसरी लहर के बीच देशभर में कोरोना वायरस संक्रमण के बढ़ते मामलों के मद्देनजर मोदी लगातार बैठकें कर रहे हैं और स्थिति को नियंत्रित करने के लिए आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी कर रहे हैं। प्रधानमंत्री ने शुक्रवार को एक कार्यक्रम में कहा था कि कोरोना वायरस महामारी अब देश के ग्रामीण इलाकों में तेजी से पांव पसार रही है। इसके मद्देनजर उन्होंने लोगों से मास्क पहनने और उचित दूरी का पालन करने सहित बचाव के उपायों का अनुसरण करने का आग्रह किया था। कोविड-19 महामारी को एक अदृश्य दुश्मन करार देते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को कहा था कि सरकार इस महामारी की दूसरी लहर से मुकाबले के लिए युद्धस्तर पर काम कर रही है। उन्होंने भरोसा जताया था कि देश इस लड़ाई में विजय हासिल करेगा। पीएमओ ने कहा कि बैठक में प्रधानमंत्री को देश में कोरोना की ताजा स्थिति से अवगत कराया गया और उन्हें यह भी बताया

गया कि अभी प्रत्एक सप्ताह 1.3 करोड़ लोगों की जांच हो रही है जबकि पिछले साल मार्च में प्रत्एक सप्ताह जांच का आंकड़ा 50 लाख था। बयान के मुताबिक, प्रधानमंत्री को बताया कि लोगों के ठीक होने की दर के साथ ही संक्रमण दर में भी कमी दर्ज की गई है। बैठक में यह चर्चा हुई कि पिछले कुछ सप्ताह में जहां संक्रमण के मामले रोजाना चार लाख के ऊपर जा रहे थे, वहीं अब केंद्र व राज्य सरकारों तथा स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों से यह मामले कम होने लगे हैं। अधिकारियों ने बैठक में प्रधानमंत्री के समक्ष राज्य और जिलावार कोविड-19 की स्थिति, जांच, ऑक्सीजन की उपलब्धता, स्वास्थ्य ढांचे और टीकाकरण की रूपरेखा के बारे में प्रस्तुति दी गई। बयान के मुताबिक प्रधानमंत्री ने कहा, जिन राज्यों के जिन जिलों में संक्रमण के मामले अधिक हैं, वहां स्थानीय निषिद्ध क्षेत्र रणनीति समय की मांग है। उन्होंने ऐसे क्षेत्रों में आरटी-पीसीआर और रैपिड एंटीजन जांच तेज करने के निर्देश दिए। प्रधानमंत्री ने कहा कि भले ही आंकड़े अधिक आएं लेकिन राज्यों को बगैर किसी दबाव के पारदर्शिता से आंकड़े जारी करने के लिए प्रोत्साहित करना चाहिए। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य संबंधी संसाधनों को बढ़ाने पर जोर दिया ताकि घर-घर जाकर जांच की जा सके और निगरानी रखी जा सके। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में घरों में पृथकवास की स्थिति में उपचार संबंधी दिशा निर्देशों को आसान भाषा में उपलब्ध कराने के लिए भी कहा। उन्होंने ग्रामीण क्षेत्रों में ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए एक वितरण योजना बनाने का निर्देश दिया। उन्होंने ऑक्सीजन संबंधी उपकरणों के संचालन के लिए स्वास्थ्यकर्मियों को आवश्यक प्रशिक्षण देने का भी निर्देश दिया। प्रधानमंत्री ने कुछ राज्यों में वेंटिलेटर्स का इस्तेमाल ना हो पाने संबंधी खबरों को गंभीरता से लिया और केंद्र सरकार द्वारा दिए गए वेंटिलेटर्स के हिसाब की जांच करने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि कोविड-19 के खिलाफ भारत की लड़ाई वैज्ञानिक और विशेषज्ञों की राय पर आधारित है, जो आगे भी जारी रहेगी। बैठक के दौरान टीकाकरण अभियान का राज्यवार ब्योरा प्रधानमंत्री के समक्ष प्रस्तुत किया गया और इसकी योजना पर भी चर्चा की गई। उन्होंने टीकाकरण की गति बढ़ाने के लिए अधिकारियों को राज्यों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया। ज्ञात हो कि शनिवार को देश में एक दिन में 3,26,098 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कोविड-19 के मामले बढ़कर 2,43,72,907 हो गए हैं, जबकि 3,890 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,66,207 हो गई है।

बैशाख शुक्ल की तृतीया के पावन अवसर पर गंगोत्री धाम विधिवत धार्मिक अनुष्ठानों के साथ खुल गया, इस दौरान कोरोना काल में यहां प्रोटोकॉल के साथ पूजा-अर्चना जारी रहेगी

कोरोना संक्रमण के नए मामलों से अधिक हुई स्वस्थ मरीजों की संख्या

भाषा। नई दिल्ली

पिछले पांच दिन में चौथी बार भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या संक्रमण के नए मरीजों से अधिक रही है और स्वस्थ हुए लोगों की कुल संख्या बढ़कर 2,04,32,898 हो गई है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के शनिवार सुबह आठ बजे अद्यतन किए गए आंकड़ों के अनुसार, पिछले 24 घंटों में 3,53,299 मरीज ठीक हुए, जबकि इसी अवधि में संक्रमण के 3,26,098 नए मामले सामने आए। देश में लोगों के स्वस्थ होने की राष्ट्रीय दर 83.83 प्रतिशत है।

मंत्रालय ने कहा, पिछले पांच दिन में चौथी बार भारत में कोरोना वायरस से संक्रमित होने के बाद स्वस्थ हुए लोगों की संख्या संक्रमण के नए मरीजों से अधिक रही है। पिछले 24 घंटे में स्वस्थ हुए लोगों में से 70.49 प्रतिशत लोग 10 राज्यों में ठीक हुए हैं। आंकड़ों के अनुसार, 24 घंटे में सर्वाधिक लोग महाराष्ट्र में ठीक हुए। इस अवधि में महाराष्ट्र में 53,249, इसके बाद कर्नाटक में 35,879, केरल में 31,319, उत्तर प्रदेश में 26,179, तमिलनाडु में 20,037, आंध्र प्रदेश में 19,177,

पश्चिम बंगाल में 19,131, गुजरात में 15,365, हरियाणा में 14,577 और दिल्ली में 14,140 लोग स्वस्थ हुए। मंत्रालय ने बताया कि देश में एक दिन में 3,26,098 लोगों में कोरोना वायरस संक्रमण की पुष्टि होने के बाद कोविड-19 के मामले बढ़कर 2,43,72,907 हो गए हैं, जबकि 3,890 और मरीजों की मौत होने के बाद मृतक संख्या बढ़कर 2,66,207 हो गई है। उसने बताया कि उपचाराधीन मरीजों की संख्या कम होकर 36,73,802 हो गई है, जो संक्रमण के कुल मामलों का 15.07 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में उपचाराधीन मरीजों की संख्या में 31,091 की गिरावट आई है। देश में कुल उपचाराधीन मामलों में से 77.26 प्रतिशत 11 राज्यों में हैं। इनमें से कर्नाटक में सर्वाधिक उपचाराधीन मामले हैं। कर्नाटक में 5,98,625, इसके बाद महाराष्ट्र में 5,21,683, केरल में 4,42,550, राजस्थान में 2,12,753, आंध्र प्रदेश में 2,03,787, तमिलनाडु में।,95,339, उत्तर प्रदेश में।,93,815 पश्चिम बंगाल में।,31,792, गुजरात में।,17,373, छत्तीसगढ़ में।,15,964 और मध्य प्रदेश में।,04,444 उपचाराधीन मामले हैं।

मंत्रालय ने बताया कि राष्ट्रीय मृत्युदर 1.09 प्रतिशत है। पिछले 24 घंटे में संक्रमण से 3,890 लोगों की मौत हुई। पिछले 24 घंटे में जिन लोगों की मौत हुई है, उनमें से 72.19 प्रतिशत लोगों की मौत 10 राज्यों में हुई। महाराष्ट्र में सर्वाधिक 695 लोगों की मौत हुई और इसके बाद कर्नाटक में 373 लोगों की मौत हुई। मंत्रालय ने बताया कि देश में अब तक टीके की 18 करोड़ खुराक दी जा चुकी हैं। सुबह सात बजे तक की प्रारंभिक रिपोर्ट के अनुसार 26,02,435 सत्रों में टीकों की 18,04,57,579 खुराक दी जा चुकी हैं।

कुआं सफाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो लोगों की मौत, एक को बचा लिया गया

भाषा। शहडोल (मध्य प्रदेश)

मध्य प्रदेश के शहडोल जिले में एक पुराने कुएं की सफाई के दौरान मिट्टी धंसने से दो लोगों की मलबे में दब कर मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति को करीब 10 घंटे के बचाव अभियान के बाद जीवित बाहर निकालने में कामयाबी मिली। घटना शहडोल जिले के ब्यौहारी थाना क्षेत्र के पपरेडी गांव में शुक्रवार की है। ब्यौहारी थाना प्रभारी अनिल कुमार पटेल ने शनिवार को बताया कि क्षेत्र के ग्राम पपरेडी में रमेश सेन (45) अपने मकान के पिछले हिस्से में बने पुराने कुएं की गांव के ही मोतीलाल कोल (60) एवं राजेश गोंड (25) को बुलाकर शुक्रवार सुबह सफाई करा रहे थे। तभी अचानक कुएं की मिट्टी धंसने लगी और देखते ही देखते दोनों कुएं में मिट्टी के नीचे दब गए। उन्होंने कहा कि दोनों को बचाने के लिए रमेश सेन भी कुएं में उतर गए और वह भी मलबे में दब गए। पटेल ने बताया कि इस बात की जानकारी लगते ही मौके पर पहुंची ब्यौहारी पुलिस ने बचाव अभियान चलाया और जेसीबी मशीन सहित अन्य उपकरणों की मदद से तीनों को शुक्रवार की रात आठ बजे तक बाहर निकाला। उन्होंने कहा कि बाहर निकाले जाने तक राजेश गोंड़ एवं मोतीलाल कोल की मौत हो चुकी थी, जबकि रमेश सेन की सांस चल रही थी। पटेल ने बताया कि सेन की गंभीर हालत को देखते हुए उसे तत्काल शहडोल जिला अस्पताल लाकर भर्ती किया गया, जहां उसका इलाज जारी है। उन्होंने बताया कि बचाव अभियान लगभग 10 घंटे तक चला। शहडोल के कलेक्टर डॉ. सतेन्द्र सिंह ने दोनों मृतकों के परिजन को चार-चार लाख रुपए की सहायता राशि राजस्व पुस्तक परिपत्र (आरबीसी) 6 (4) के तहत स्वीकृत की है। साथ ही संकटापन्न मद से 10-10 हजार रुपए एवं राष्ट्रीय परिवार सहायता मद से 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की है।

क्विक न्यूज

बेअदबी मामला : सुखबीर बादल ने कांग्रेस नेताओं से सबूत साझा करने को कहा

चंडीगढ़। शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल ने शनिवार को कहा कि 2015 में फरीदकोट में पवित्र ग्रंथ की बेअदबी के मामले में कथित साजिश को लेकर अगर कांग्रेस नेताओं के पास कोई सबूत है तो उसे साझा करना चाहिए। शिरोमणि अकाली दल (एसएडी) के अध्यक्ष ने एक बयान में कहा, कांग्रेस नेताओं और उनके प्रकट और गुप्त सहयोगियों का दावा है कि गुरु ग्रंथ साहिब के खिलाफ बेअदबी की साजिश रची गई और इसे अंजाम दिया गया। उन्होंने कहा, अगर ऐसे सबूत है तो खालसा पंथ, अदालत, एसआईटी और आम लोगो के सामने इसे रखना चाहिए। पंजाब के पूर्व उप मुख्यमंत्री बादल ने कहा कि अगर ए नेता सबूत का खुलासा करने से मना करते है तो यह अक्षम्य होगा क्योंकि उन्होंने इस बारे में लगातार दावे किए थे। बादल ने मुख्यमंत्री अमरिंदर सिंह, प्रदेश कांग्रेस प्रमुख सुनील जाखड़, मंत्री सुखजिंदर रंधावा, आप के सांसद भगवंत मान से सिख समुदाय, न्यायपालिका और जांच टीम से सबूत साझा करने को कहा।

महाराष्ट्र में प्रवेश करने वाले ट्रक चालकों को आरटी-पीसीआर जांच से मिल गई छूट

मुंबई। महाराष्ट्र सरकार ने ट्रांसपोर्टरों को राहत देते हुए उस नियम को वापस ले लिया है जिसके तहत राज्य में प्रवेश करने वाले ट्रक चालकों को आरटी-पीसीआर जांच करवाना अनिवार्य था। ट्रांसपोर्टरों के संगठन अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने शनिवार को यह जानकारी दी। एआईएमटीसी देश मे ट्रांसपोर्टरों की शीर्ष संस्था है और उसने राज्य सरकार से ऐसी शर्तों को हटाने की मांग की थी। राज्य सरकार द्वारा शनिवार को जारी संशोधित दिशानिर्देश में कहा गया कि ट्रक चालक राज्य में केवल तापमान और अन्य लक्षणों की जांच और आरोग्य सेतु पर स्थिति के आधार पर प्रवेश कर सकते है। एआईएमटीसी की कोर समिति के अध्यक्ष बाल मलकित सिंह ने कहा, उच्चतम स्तर पर लगातार संपर्क के बाद हम ट्रक चालकों के लिए महाराष्ट्र में आरटी-पीसीआर निगेटिव रिपोर्ट के संबंध में संशोधित दिशानिर्देश प्राप्त करने में सफल हुए है। उन्होने कहा कि इससे पहले मुख्य सचिव कार्यालय से एआईएमटीसी को निर्देश मिले थे जिसमे क्षेत्र मे तैनात अधिकारियों से वाहनों को तत्काल जाने देने को कहा गया था।

उल्हासनगर में इमारत का छज्जा ढहने से चार लोगों की मौत

ठाणे। महाराष्ट्र में ठाणे जिले के उल्हासनगर में शनिवार को एक इमारत का छज्जा ढह जाने से चार लोगो की मौत हो गई। अधिकारियों ने बताया कि इस घटना मे 11 लोगों को सुरक्षित बचा लिया गया। ठाणे नगर निगम के क्षेत्रीय आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख संतोष कदम ने कहा कि इमारत मे रहने वाली एक महिला लापता है, जिसकी तलाश जारी है। उन्होंने कहा कि यह घटना अपराह्न करीब।:40 बजे कैंप नंबर-। में स्थित पांच मंजिला मनोरमा इमारत में हुई। कदम ने कहा कि चौथी मंजिल का छज्जा टूटा, जिससे बाकी मंजिलो के छज्जे भी छतिग्रस्त हुए और मलबा जमीन पर गिरा। इसकी चपेट मे कई लोग आ गए। उन्होने कहा कि राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) की टीम मौके पर बचाव कार्य मे जुट गई है। अधिकारी ने कहा कि अग्निशमन दल की स्थानीय टीम भी घटनास्थल पर पहुंची और 11 निवासियो को निकाला गया। इन सभी को प्राथमिक उपचार के लिए अस्पताल ले जाया गया। उन्होने कहा कि ठाणे आपदा प्रतिक्रिया बल की एक टीम भी मलबा हटाने और इसमे फंसे पांच लोगो को निकालने के अभियान मे अग्निशमन दल के कर्मचारियों की मदद कर रही है।

शपथ ग्रहण समारोह में कुछेक लोग शामिल होंगे: विजयन

तिरुवनंतपुरम। केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि 20 मई को होने वाले वाम मोर्चे की नई सरकार के शपथ ग्रहण समारोह मे चुनिंदा लोग शामिल हो, यह सुनिश्चि करने के प्रयास किए जा रहे है। इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) की केरल इकाई ने शनिवार को सुझाव किया था कि कोविड-19 मामलो में अभूतपूर्व वृद्धि के मद्देनजर नए मंत्रिमंडल का शपथ ग्रहण समारोह डिजिटल माध्यम से आयोजित किया जाना चाहिए। विजयन की दैनिक ब्रीफिंग के दौरान जब पत्रकारो ने इस बारे मे पूछा तो उन्होने कहा कि यह डिजिटल समारोह होगा। विजयन से जब पत्रकारो ने समारोह मे शामिल होने वालो की संख्या के बारे मे पूछा तो उन्होने कहा, बड़ी संख्या मे लोग समारोह मे शामिल न हो, यह सुनिश्चित करना हमारा मकसद है। बेहद कम लोग शपथ ग्रहण समारोह मे शामिल होंगे। हम आपको इस बारे मे जानकारी देंगे।

फेसबुक पर लाइव होने के बाद सिपाही ने की आत्महत्या

पीलीभीत (उत्तर प्रदेश)। पीलीभीत के बिलसंडा थाने में पुलिस रिस्पांस व्हीकल (पीआरवी) 112 सेवा में तैनात सिपाही जितेंद्र कुमार ने शनिवार अपरान्ह कथित रूप से आत्महत्या कर ली। यह कदम उठाने से पहले सिपाही कुछ देर के लिए फेसबुक पर लाइव हुआ था। पीलीभीत के पुलिस अधीक्षक किरीट कुमार ने पत्रकारों से कहा कि वह पूरे मामले की जानकारी जुटा रहे हैं।

सूत्रों के अनुसार मुख्यालय से वापस लौटते समय अज्ञात कारणों से सिपाही ने अपने सिर में गोली मार ली और जिला अस्पताल ले जाते समय उसकी मौत हो गई। सूत्रों के अनुसार, वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद सिपाही की मौत की सूचना आई। वीडियो में रोते हुए विभाग से परेशान होकर उसने आत्महत्या करने की बात कही है।

पश्चिम बंगाल में लॉकडाउन, कई राज्यों में बढ़ाई गई पाबंदियां

भाषा। नई दिल्ली

पश्चिम बंगाल उन राज्यों में शामिल हो गया जिन्होंने कोविड महामारी को काबू में करने के लिए पूर्ण लॉकडाउन लगाया है, जबकि कई राज्यों ने पाबंदियां बढ़ा दी हैं। देशभर में उपचाराधीन मामलों की संख्या में मामूली गिरावट दर्ज की गई है। पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव अलपन बंद्योपाध्याय ने 16 मई को सुबह 6 बजे से 30 मई को शाम 6 बजे तक लॉकडाउन की घोषणा करते हुए शनिवार को कहा, वायरस के संक्रमण की चेन तोड़ने और महामारी को काबू में करने के वास्ते लोगों की आवाजाही कम करने एवं सभाओं के जरिए लोगों के एकत्रित होने से उनका एकदूसरे के सम्पर्क में आना सीमित करने के लिए अतिरिक्त पाबंदियां आवश्यक हैं। एक अधिकारी ने कहा कि छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी 28 जिलों के अधिकारियों को कोविड-19 लॉकडाउन का विस्तार 31 मई तक

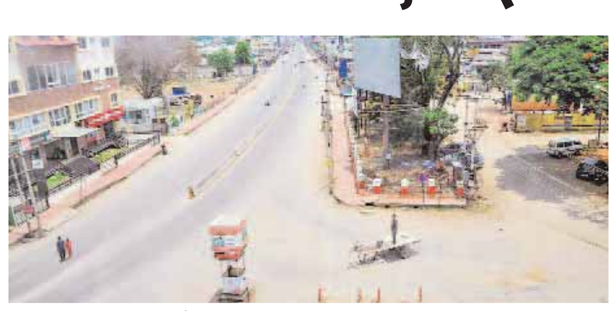

करने के लिए कहा है। वहीं उसने आर्थिक और अन्य गतिविधियों में और छूट भी दी हैं। लॉकडाउन वर्तमान में राज्य के सभी जिलों में लागू है और यह 15 मई की मध्यरात्रि को अधिकांश क्षेत्रों में समाप्त होने वाला था। बिहार ने भी लॉकडाउन 25 मई तक बढ़ा दिया है जो कि 15 मई को समाप्त होने वाला था। वहीं महाराष्ट्र ने पहले ही लॉकडाउन जैसी पाबंदियां जून तक जारी रखने की घोषणा कर दी है। नीति आयोग के सदस्य वी के पॉल के अनुसार देश में कोविड-19 की समग्र स्थिति स्थिर हो रही है, हालांकि विभिन्न राज्यों में प्रतिदिन सामने आने वाले नए मामलों के संबंध में देशभर में एक मिश्रित तस्वीर है। शीर्ष स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि 10 राज्यों में देश के कुल कोरोना वायरस मामलों का 85 प्रतिशत है। जबकि 11 राज्यों में कोविड-19 एक लाख से अधिक उपचाराधीन मामले हैं, 17 राज्यों में 50,000 से कम मामले हैं जबकि आठ में 50,000 से एक लाख के बीच उपचाराधीन मामले हैं। स्वास्थ्य मंत्रालय ने कहा कि महाराष्ट्र, उत्तर प्रदेश, गुजरात और छत्तीसगढ़ जहां कोरोना वायरस के अधिक मामले सामने आ रहे हैं, वहां भी उपचाराधीन मामलों में गिरावट दर्ज की जा रही है।

राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों द्वारा कोरोना वायरस के चलते लगाई गई पाबंदियां इस प्रकार हैं-

- दिल्ली में 19 अप्रैल से 17 मई तक लॉकडाउन है।
- उत्तर प्रदेश ने सख्त लॉकडाउन जैसी पाबंदियों के साथ कोरोना कर्फ्यू की अवधि 17 मई तक बढ़ा दी है।
- हरियाणा, जहां 3 मई से सात दिन का लॉकडाउन था, वहां इसे 17 मई तक बढ़ा दिया गया है।
- बिहार ने 4 मई को 15 मई तक लॉकडाउन लगाया था जिसे अब 25 मई तक बढ़ा दिया गया है।
- ओडिशा में 5 मई से 19 मई तक 14 दिनों का लॉकडाउन है।
- राजस्थान ने राज्य में 10 से 24 मई तक सख्त लॉकडाउन लगाया है।
- झारखंड ने सख्त प्रावधानों के साथ लॉकडाउन जैसी पाबंदियों को 27 मई तक बढ़ा दिया है।
- छत्तीसगढ़ सरकार ने सभी 28 जिलों में अधिकारियों को कोविड-19 लॉकडाउन का विस्तार 31 मई तक करने के लिए कहा है।
- पंजाब ने सप्ताहांत लॉकडाउन और 15 मई तक रात के कर्फ्यू जैसे उपायों के अलावा व्यापक पाबंदियां लगाई हैं।
- चंडीगढ़ प्रशासन ने रात व सप्ताहांत कर्फ्यू पाबंदियां 18 तक बढ़ा दी हैं।
- मध्य प्रदेश ने केवल आवश्यक सेवाओं की अनुमति के साथ 17 मई तक जनता कर्फ्यू लगाया है, जबकि जिले इसे बढ़ाने के लिए अधिकृत हैं।
- गुजरात ने 11 मई को 36 शहरों में रात के कर्फ्यू और अन्य दिन के समय की पाबंदियों को 18 मई तक बढ़ा दिया।

पेज 1 का शेष

दिल्ली की मृत्युदर...

राष्ट्रीय राजधानी में 20 नवंबर, 2020 को 6,746 नए कोविड-19 मामले दर्ज किए गए थे और उस दिन 121 लोगों की मौत हुई थी। उस समय कई विशेषज्ञों ने दावा किया था कि मौत की संख्या में वृद्धि पराली जलाने से होने वाले प्रदूषण के कारण हुई। अब जबकि मृत्युदर में लगभग तीन गुना वृद्धि हुई है, ऐसे में इस उछाल के बारे में कोई कुछ नहीं बोल पा रहा है। पड़ोसी राज्य उत्तर प्रदेश में भी मृत्युदर राष्ट्रीय औसत से अधिक लगभग 2 प्रतिशत है।

पांच राज्यों में ...

पश्चिम बंगाल : पश्चिम बंगाल के आंकड़ों पर नजर डालें तो मार्च से लेकर मई तक चुनावी अभियान ने कोरोना संक्रमण को तेजी से बढ़ाने में खलनायक की भूमिका निभाई है। प्रदेश के स्वास्थ्य आंकड़ों के अनुसार मार्च के दूसरे सप्ताह में कोरोना संक्रमण दर 3 से 4 फीसदी थी, जो मई के पहले सप्ताह में बढ़कर 31 फीसदी के करीब हो गई। पहले चरण के मतदान के दिन 27 मार्च को राज्य में कोरोना के 812 नए केस आए थे और सिर्फ दो लोगों की मौत हुई थी, लेकिन 4 अप्रैल को नए मरीजों की संख्या बढ़कर 2000 और एक सप्ताह बाद 11 अप्रैल को दोगुनी 4000 हो गई। इससे अगले एक सप्ताह में यह 15,000 तक पहुंच गई। वहीं मई के पहले सप्ताह में राज्यभर में कोरोना के 17,000 मरीज आए और बीते शुक्रवार को संक्रमित नए मरीजों की संख्या 21,000 को पार कर गई। प्रदेश में शुक्रवार को 136 लोगों की मौत के साथ यहां जान गंवाने वालों की संख्या अब तक 12,993 पहुंच गई है। राज्य में भाजपा और तृणमूल कांग्रेस दोनों ने ही आक्रामक प्रचार अभियान चलाया था और रैलियों में भारी भीड़ जुटाई गई थी। चुनाव आयोग की आलोचना करते हुए तृणमूल कांग्रेस के सांसद सौगत राय ने कहा कि हमने महामारी को देखते हुए आयोग से 8 के बजाय तीन या चार चरणों में चुनाव कराने की मांग की थी, लेकिन हमारी नहीं सुनी गई।

कोरोना वायरस...

इससे इतर, कई डॉक्टर मरीज के लिए प्लाज्मा की मांग करते हैं और तीमारदार इसका इंतजाम करने के लिए यहां-वहां भटकते हैं। सोशल मीडिया पर मदद की गुहार लगाते हैं। वास्तव में प्लाज्मा थेरेपी को लेकर पिछले साल कोविड की पहली लहर के दौरान सकारात्मक माहौल बना था और इसकी बढ़ती मांग को देखते हुए दिल्ली और महाराष्ट्र जैसे राज्यों ने प्लाज्मा बैंक तक स्थापित किए थे।

एयर इंडिया पर...

कंपनी ने मध्यस्थता फोरम की डिक्री को लेकर अमेरिकी, ब्रिटेन, कनाडा, फ्रांस, सिंगापुर और नीदरलैंड की अदालतों का रुख किया है। मध्यस्थता फोरम ने पिछली तिथि से कानून संशोधन के माध्यम से कंपनी पर भारत में 10,247 करोड़ रुपए का कर लगाए जाने की मांग को खारिज कर दिया है। उसने आयकर विभाग द्वारा कंपनी के बेचे गए शेयरों के मूल्य, जब्त किए गए लाभांश एवं रोके गए कर-रिफंड को भी वापस किए जाने का आदेश किया है। घटनाक्रम के बारे में सीधी जानकारी रखने वाले तीन सूत्रों ने बताया कि अब कंपनी ने भारत सरकार और तेल एवं गैस, पोत परिवहन, एयरलाइन तथा बैंकिंग क्षेत्रों में उसके स्वामित्व वाली कंपनियों के बीच के भेद को हटाने की मांग को लेकर अमेरिका और दूसरे देशों में मुकदमे दायर करना शुरू कर दिया है।

ब्लैक फंगस...

स्वास्थ्य मंत्रालय और आखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) ने क्षेत्रीय स्तर पर राष्ट्रीय उत्कृष्टता संस्थानों के लिए ग्रामीण इलाकों में कोविड प्रबंधन को लेकर 30 अप्रैल से 13 मई तक एक कार्यक्रम चलाया। इस दौरान गृह-पृथकवास, उपचार-दवा, आईसीयू प्रबंधन, जांच, मधुमेह प्रबंधन पर वेबिनार आयोजित किए गए। उधर, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने शनिवार को कहा कि म्यूकरमाइकोसिस या ब्लैक फंगस के कुछ मामले राज्य में आए हैं। विजयन ने कहा, महाराष्ट्र और गुजरात, केरल में भी ब्लैक फंगस के कुछ मामले आए हैं। राज्य चिकित्सा बोर्ड ने नमूने एकत्र किए हैं और आगे जांच की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि तिरुवनंतपुरम मेडिकल कॉलेज का संक्रामक रोग विभाग भी घटनाक्रम पर नजर रखे हुए हैं।

इमारत में आग लगने के बाद कोविड-19 के चार मरीजों को स्थानांतरित किया गया

अहमदाबाद। गुजरात में अहदाबाद के एक वाणिज्यिक परिसर में एक अस्पताल से शनिवार को तब कोविड-19 के कम से कम चार मरीजों को स्थानांतरित किया गया जब इसके भूतल पर स्थित वातानुकूलित इकाई में आग लग गई। यह जानकारी एक अधिकारी ने दी। अहमदाबाद नगर निगम के अतिरिक्त मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजेश भट्ट ने कहा, शहर के नरोदा इलाके में कैपिटल कॉम्प्लेक्स की तीसरी मंजिल स्थित वेदांता अस्पताल में कुल 12 कोविड-19 रोगियों का इलाज चल रहा था, जहां अपराह्न करीब 2.30 बजे भूतल पर स्थित वातानुकूलित इकाई में चिंगारी के कारण आग लग गई। उन्होंने कहा कि दो अस्पताल- वेदांता अस्पताल और केशवी अस्पताल- परिसर की तीसरी मंजिल पर स्थित हैं। उन्होंने कहा, आग बाहरी रूप से इमारत की तीसरी मंजिल तक फैल गई। वेदांता अस्पताल के गैर-आईसीयू वार्ड में भर्ती कम से कम चार कोविड-19 मरीजों को बाहर ले जाया गया और उन्हें दो अलग-अलग अस्पतालों में स्थानांतरित किया गया। अधिकारी ने कहा कि हालांकि आग और धुआं दोनों अस्पतालों में नहीं पहुंचा और इससे केवल कुछ इलेक्ट्रॉनिक दुकानें प्रभावित हुईं। फिर भी प्रशासन ने मरीजों को उनकी सुरक्षा के लिए एम्बुलेंस में स्थानांतरित करने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि घटना के समय वेदांता अस्पताल में कोविड-19 के 12 मरीज थे, जबकि पास के केशवी अस्पताल में ओपीडी के चार मरीज थे, जो आग लगने के बाद बाहर निकल गए। उन्होंने बताया कि दमकल की कम से कम आठ गाड़ियों ने दो घंटे में आग पर काबू पाया। उन्होंने कहा कि इमारत की बिजली आपूर्ति एक घंटे तक बाधित रही। उन्होंने कहा, सभी सुरक्षित हैं और आग पर काबू पा लिया गया है।

प्रेरणादायक भाषण देने वाले 27 वर्षीय कैंसर पीड़िता की मौत

भाषा। कोझिकोड

केरल में कैंसर के प्रति जागरूकता फैलाने के लिए सोशल मीडिया पर प्रेरणादायक भाषण देकर लोगों के बीच अपनी पहचान बनाने वाले 27 वर्षीय नंदु महादेवा का शनिवार को निधन हो गया। नंदु ने कैंसर केयर केन्द्र में तड़के इलाज के दौरान अंतिम सांस ली। मुख्यमंत्री पिनाराई विजयन, केन्द्रीय मंत्री वी मुरलीधरन और अन्य राजनेताओं के अलावा हजारों लोगों ने नंदु को श्रद्धांजलि दी है। नंदु महादेवा अपने वीडियो में गाने गाकर और अभिनय कर लोगों को कैंसर से लड़ने के लिए प्रेरित करता था। नंदु कैंसर मरीजों के संगठन अथिजीवनम का प्रमुख आयोजक था। नंदु को तीन साल पहले पता चला था कि वह हड्डियों के कैंसर से पीड़ित है। नंदु का बांया पैर कैंसर से बुरी तरह प्रभावित था जिसे काटकर अलग कर दिया गया था। इसके बावजूद नंदु ने जीवन के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखा और वह लगातार टेलीविजन शो और सोशल मीडिया पर अपने मुस्कुराते हुए चेहरे के साथ लोगों से जुड़ा रहता था। कैंसर से पीड़ित होने के बावजूद नंदु ने कभी हिम्मत नहीं हारी और उसने एक बार कहा था कि इसका इलाज वह एक सामान्य से जुकाम की तरह करवाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि नंदु ने जिस अविश्वसनीय साहस के साथ कैंसर का सामना किया उससे लोगों को जीवन की कठिनाइयों का सामना करने की प्रेरणा मिलती है।

सभी अस्पतालों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश

जयपुर। अरब सागर में उठे चक्रवाती तूफान तौकते के असर से राजस्थान के कई इलाकों में भारी बारिश की चेतावनी के बीच राज्य सरकार ने शनिवार को जिला कलेक्टरों से कहा कि वे अस्पतालों व चिकित्सा संस्थानों में निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करें। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा अखिल अरोरा ने शनिवार को इस बारे में सभी जिला कलेक्टरों को आदेश जारी किया। आदेश में कहा गया है कि ऐसी आशंका है कि इस चक्रवाती तूफान का राज्यों के जिलों पर अधिक असर हो सकता है। इसमें कहा गया है कि इस समय राज्य के विभिन्न

डोप टेस्ट चूकने के कारण ओलंपिक से बाहर अमेरिकी त्रिकूद खिलाड़ी

जिनेवा। अमेरिका के त्रिकूद खिलाड़ी उमर क्राडोक को डोप टेस्ट चूकने के कारण 20 महीने के लिए प्रतिबंधित कर दिया जिससे वह तोक्यो ओलंपिक और 2022 विश्व चैम्पियनशिप नही खेल सकेंगे। ट्रैक और फील्ड एथलेटिक्स इंटीग्रिटी यूनिट ने आरोप लगाया कि 2019 पैन अमेरिका खेलो के चैम्पियन क्राडोक ने नियम तोड़े है और बारह महीने में तीन बार ठिकाने की जानकारी संबंधी नियम का उल्लंघन किया।

न्यूजीलैंड के खिलाफ श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे इंग्लैंड के कोच सिल्वरवुड

लंदन। इंग्लैड के मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड न्यूजीलैड के खिलाफ दो टेस्ट की श्रृंखला के बाद ब्रेक लेंगे और श्रीलंका तथा पाकिस्तान के खिलाफ क्रिकेट श्रृंखला मे उनके सहायक जिम्मा संभालेगे। श्रीलंका और भारत दौरे पर इंग्लैड टीम के साथ रहे सिल्वरवुड ने कहा कि वह अगस्त मे भारत के खिलाफ घरेलू टेस्ट श्रृंखला से पहले तरोताजा रहना चाहते है और इसीलिए ब्रेक ले रहे है।

दूसरे गेंदबाजों को भी गेंद से छेड़खानी का इल्म था : बेनक्रोफ्ट

लंदन। गेंद से छेड़खानी मामले मे शामिल रहे कैमरन बेनक्रोफ्ट का कहना है कि स्टीव स्मिथ, डेविड वॉर्नर और उनके अलावा आस्ट्रेलिया के बाकी गेंदबाजों को भी न्यूलैड्स टेस्ट के दौरान की गई इस गलती की जानकारी थी। बेनक्रोफ्ट को दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ 2018 मे तीसरे टेस्ट के दौरान गेंद पर रेगमाल रगड़ते हुए कैमरे मे कैद कर लिया गया था। उस घटना ने आस्ट्रेलिया और विश्व क्रिकेट को झकझोर दिया था।

मिजोरम में गश्त लगा रहे हैं फुटबॉलर लालपेखलुआ

नई दिल्ली। फुटबॉल के मैदान से दूर भारतीय टीम के जेजे लालपेखलुआ अपने राज्य मिजोरम मे तुइचांग नदी के आसपास गश्त लगा रहे है जिससे कि बेहद अधिक संख्या मे मछली पकड़ने से लोगो को रोका जा सके और स्थानीय मछुआरो की जीविका मे मदद हो सके। हाल मे बहुत अधिक संख्या मे मछली पकड़ने के मामलो के कारण तुइचांग नदी चर्चा मे आई थी जिसके बाद स्थानीय लोगो को नदी पर लगातार नजर रखने के लिए बाध्य होना पड़ा।

भारोत्तोलक जेरेमी और अचिंता 18 को ताशकंद रवाना होंगे

नई दिल्ली। युवा ओलंपिक के स्वर्ण पदक विजेता भारोत्तोलक जेरेमी लालरिनुंगा सहित दो सदस्ईय भारतीय टीम ताशकंद मे 23 से 31 मई तक होने वाली विश्व जूनियर चैपियनशिप मे हिस्सा लेने मंगलवार को रवाना होगी। पुष्टि की कि उसने दो भारोत्तोलको जेरेमी (67 किग्रा) और स्युली (73 किग्रा) की यात्रा का इंतजाम किया है।

बीसीसीआई के रवैये पर बिफरीं लिसा

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान ने वेदा कृष्णमूर्ति मामले में की आलोचना

भाषा। नई दिल्ली

ऑस्ट्रेलियाई महिला क्रिकेट टीम की पूर्व कप्तान लिसा स्टालेकर का मानना है कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने परिवार के दो सदस्यों के निधन के बाद भी वेदा कृष्णमूर्ति से ना तो कोई संपर्क किया ना यह बताना सही समझा कि आगामी इंग्लैंड दौरे के लिए इस शोकाकुल खिलाड़ी के नाम पर विचार नहीं किया जा रहा है। इस महीने की शुरूआत में मध्यक्रम की इस बल्लेबाज की बहन वत्सला शिवकुमार का कोरोना वायरस संक्रमण के कारण निधन हो गया था। इससे दो सप्ताह पहले इस खतरनाक वायरस के चपेट में आने से उनकी मां का भी निधन हो गया था। अगले महीने इंग्लैंड दौरे पर जाने वाली भारतीय टेस्ट और एकदिवसीय महिला टीम में वेदा को जगह नहीं दी गई है। आईसीसी (अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद) हॉल ऑफ फेम में शामिल स्टालेकर इस मामले से निपटने के तरीके पर बीसीसीआई के रवैए से खुश नहीं है। स्टालेकर ने ट्विटर पर लिखा, आगामी श्रृंखला के लिए वेदा का चयन नहीं करना उनके दृष्टिकोण से उचित हो सकता है, मुझे सबसे ज्यादा निराशा इस बात की है कि एक अनुबंधित खिलाड़ी के रूप में उन से बीसीसीआई ने उनसे कोई संपर्क नहीं किया। बीसीसीआई ने यह भी पता नहीं किया कि वह मौजूदा स्थिति का सामना कैसे कर रही है। एक अच्छे संघ को खिलाड़ियों का बेहतर तरीके से ध्यान रखना चाहिए। उसे सिर्फ किसी भी कीमत पर मैच करने पर ध्यान नहीं देना चाहिए। यह काफी निराशाजनक है। भारतीय अंडर-19 टीम और इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में खेल चुके बंगाल के विकेटकीपर बल्लेबाज श्रीवत्स गोस्वामी में भी स्टालेकर की बातों का समर्थन किया। बेंगलुरु की 28 साल की वेदा ने दो सप्ताह के अंदर मां और बहन को खोने के बाद भावुक श्रद्धांजलि दी थी। भारत के लिए 48 एकदिवसीय और 76 टी20 अंतरराष्ट्रीय खेलने वाली वेदा सोशल मीडिया के जारिए कोरोना वायरस से प्रभावित लोगों की मदद कर रही है। वनडे में 1000 रन और 100 विकेट चटकाने वाली पहली महिला खिलाड़ी ने कहा कि अब समय आ गया है कि भारतीय महिला टीम के लिए भी खिलाड़ियों का एक संघ (प्लेयर्स एसोसिएशन) बने। इस 41 साल की पूर्व दिग्गज ने कहा, एक पूर्व खिलाड़ी के तौर पर एसीए (ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ) के हर दिन हम से संपर्क कर हमारे बारे में पूछता है। भारत में अगर खिलाड़ियों के संघ की जरूरत है तो उसका सही समय यही है। भारत में राज्य क्रिकेट संघ खिलाड़ियों की चिंता नहीं करता है। उन्होंने ट्वीट किया, मुझे नहीं लगता कि क्रिकेट संघ अपने खिलाड़ियों की परवाह करते हैं। खिलाड़ियों के मानसिक स्वास्थ्य और उनके भविष्य को लेकर संवाद करने की बात उनके दिमाग में भी नहीं आती है, मैं घरेलू क्रिकेट के लिए यह कह सकता हूं।

रमन ने उनके खिलाफ अभियान चलाने का आरोप लगाया

नई दिल्ली। भारतीय महिला क्रिकेट टीम के कोच पद से हटाए गए डब्ल्यू वी रमन ने आरोप लगाया कि उन्हे बदनाम करने के लिए अभियान चलाया जा रहा है। उन्होंने बीसीसीआई अध्यक्ष सौरव गांगुली से इस पर रोक लगाने का अनुरोध किया। राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी के प्रमुख राहुल द्रविड़ और गांगुली को भेजे पत्र में रमन ने लिखा कि बतौर कोच उनके नाकाबिल होने के अलावा किसी और कारणो से उनकी दावेदारी खारिज की गई है तो यह काफी चिंताजनक है। एक हैरानी भरे फैसले में क्रिकेट सलाहकार समिति ने रमन की बजाय रमेश पोवार को महिला क्रिकेट टीम का मुख्य कोच चुना। रमन के मार्गदर्शन में भारतीय टीम पिछले साल टी20 विश्व कप के फाइनल में पहुंची थी। रमन ने पत्र मे लिखा , मेरा मानना है कि मेरे काम करने के तौर तरीको को लेकर आपको अलग अलग राय दी गई होगी। उनका मेरी दावेदारी पर कितना असर पड़ा , यह बात करना अब बेमानी है। महत्वपूर्ण यह है कि कलंकित करने वाले इस अभियान ने कुछ बीसीसीआई अधिकारियो का अवांछित ध्यान खीचा है जिस पर स्थाई रोक लगाए जाने की जरूरत है। अगर आपको या किसी पदाधिकारी को सफाई देने की जरूरत है तो मै इसके लिए तैयार हूं। अगर बतौर कोच मेरे नाकाबिल रहने के अलावा किसी और कारण से मेरी दावेदारी खारिज की गई तो उस फैसले पर कोई बहस नही हो सकती। लेकिन चिंताजनक यह है कि मेरी दावेदारी अन्य कारणों से खारिज की गई। खास तौर पर उन लोगो के आरोपो की वजह से जिनका फोकस भारतीय महिला टीम के कल्याण और देश के गौरव की बजाय अपने निजी लक्ष्य हासिल करने पर था। रमन ने अपने पत्र मे किसी का नाम नही लिखा लेकिन समझा जा रहा है कि वह टीम मे स्टार संस्कृति के बारे मे लिख रहे थे।उनका मानना हैकि इससे भलाई की बजाय बुरा अधिक हुआ है। अपने 20 साल के कोचिंग कैरियर में मैने हमेशा ऐसी टीम संस्कृति तैयार की है जिसमे टीम पहले आती है और कोई खिलाड़ी टीम या खेल से बड़ा नही है। अब समय आ गया है कि आप जैसे दो लीजैड महिला क्रिकेट को बचाएं क्योंकि ऐसा नही करने पर चीजे गलत दिशा मे चली जाएंगी।

इंग्लैंड के आईपीएल खिलाड़ियों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टीम में जगह मिलना मुश्किल : रिपोर्ट

भाषा। लंदन

इंग्लैंड के आईपीएल क्रिकेटरों को न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट श्रृंखला में जगह मिलना मुश्किल है क्योंकि बोर्ड अभ्यास के बिना उन्हें पृथकवास से सीधे टेस्ट खेलने नहीं उतारना चाहता। इसके मायने हैं कि जोस बटलर, जॉनी बेयरस्टो, क्रिस वोक्स , सैम कुरेन और मोईन अली जैसे खिलाड़ी दो जून से न्यूजीलैंड के खिलाफ दो टेस्ट मैचों की श्रृंखला नहीं खेल सकेंगे। उनका पृथकवास इस सप्ताह के आखिर में खत्म होगा जबकि लार्ड्स पर पहला टेस्ट शुरू होने में दो सप्ताह ही बचे हैं। बीबीसी स्पोटर्स की रिपोर्ट के अनुसार , आईपीएल खिलाड़ियों के लिए समय बहुत कम बचा है। इसके मायने हैं कि ओली रॉबिनसन, क्रेग ओवरटन और जेम्स ब्रासे जैसे खिलाड़ियों को मौका मिल सकता है। द इंडिपेंडेंट की रिपोर्ट के अनुसार , टेस्ट क्रिकेट का अभ्यास नहीं मिल पाना चिंता का सबब है। वहीं दूसरे खिलाड़ी कई सप्ताह से काउंटी चैम्पियनशिप खेल रहे हैं। मुख्य कोच क्रिस सिल्वरवुड मंगलवार को चयन समिति की बैठक बुलाएंगे।

भारतीय स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी डालकर अभ्यास कर रहे हैं कोंवे

आक्लैंड। न्यूजीलैंड के बल्लेबाज डेवोन कोंवे अगले महीने भारत के खिलाफ विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल मे रविचंद्रन अश्विन जैसे स्पिनरों का सामना करने के लिए विकेट पर दानेदार मिट्टी (किटी लिटर) डालकर अभ्यास कर रहे है। 29 वर्ष के कोंवे को दो जून से इंग्लैंड में होने वाले विश्व टेस्ट चैम्पियनशिप फाइनल के लिए न्यूजीलैंड की 20 सदस्ईय टीम मे रखा गया है। साउथम्पटन मे 18 जून से होने वाले फाइनल से पहले 15 सदस्ईय टीम का ऐलान किया जाएगा। वह गेंदबाज के पैरों के निशान से कठोर हो जाने वाली पिच पर पड़ने वाली स्पिन गेंदबाजी के अभ्यास के लिए विकेटों पर दानेदार मिट्टी डाल रहे है। यह कठोर होता है लेकिन अच्छा अभ्यास मिल रहा है। स्पिनरों का सामना करने के लिए रणनीति बनाना जरूरी था और उसी तरीके से अभ्यास भी।

रोम में नडाल ने ज्वेरेव को हराया

इटालियन ओपन

भाषा। रोम

रफेल नडाल ने अलेक्जेंडर ज्वेरेव के खिलाफ हार का सिलसिला तोड़ते हुए उसे इटालियन ओपन टेनिस क्वार्टर फाइनल में 6-3, 6 -4 से हराया। ज्वेरेव ने एक सप्ताह पहले ही नडाल को मैड्रिड ओपन में सीधे सेटों में हराया था। नडाल ने जीत के बाद कहा , मैं मैड्रिड ओपन की तुलना में बेहतर खेला। हालात भी अलग थे। अब उनका सामना अमेरिका के रीली ओपेलका से होगा जिसने अर्जेंटीना के क्वालीफायर फेडरिको डेलबोनिस को 7-5, 7-6 से हराकर पहली बार मास्टर्स सेमीफाइनल में जगह बनाई। नोवाक जोकोविच और स्टेफानोस सिटसिपास के बीच क्वार्टर फाइनल बारिश के कारण स्थगित करना पड़ा उस समय सिटसिपास 6-4, 2-1 से आगे थे। एक अन्य क्वार्टर फाइनल आंद्रेइ रूबलेव और लोरेंजो सोनेगो के बीच होगा। महिला वर्गमें शीर्ष वरीयता प्राप्त एशले बार्टी को कोको गॉ के खिलाफ मैच में 6-4, 2-1 से आगे रहने के बावजूद दाहिने हाथ में चोट के कारण कोर्ट छोड़ना पड़ा। गॉ का सामना सेमीफाइनल में फ्रेंच ओपन चैम्पियन इगा स्वियातेक या दो बार की रोम चैम्पियन एलिना स्वितोलिना से होगा। 2019 की चैम्पियन कैरोलिना प्लिसकोवा ने 2017 फ्रेंच ओपन चैम्पियन एलेना ओस्टापेंको को 4-6, 7-5, 7- 6 से हराया ।अब उनका सामना पेट्रा मार्टिच से होगा।

सितसिपास को हराकर जोकोविच सेमीफाइनल में

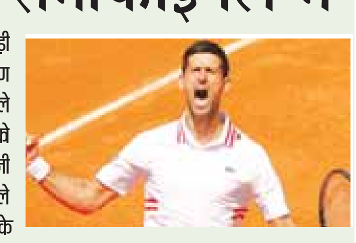

रोम। दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने बारिश के कारण स्थगित किए गए क्वार्टर फाइनल मुकाबले मे शनिवार को स्टेफानोस सितसिपास को हराया। अंतिम दोनों सेटों मे अपनी सर्विस गंवाकर वापसी करने वाले जोकोविच ने 4-6, 7-5, 7-5 की जीत के साथ लगातार आठवी बार इटैलियन ओपन के सेमीफाइनल मे जगह बनाई। गत चैंपियन जोकोविच यहां पांच बार खिताब जीत चुके है। जोकोविच को आराम का अधिक समय नही मिलेगा और फाइनल मे जगह बनाने के लिए वह शनिवार को ही स्थानीय दावेदार लॉरेंजो सोनेगो से भिड़ेंगे। सोनेगो ने पहला सेट गंवाने के बाद जोरदार वापसी करते हुए सातवें नंबर के खिलाड़ी आंद्रे रुबलेव को 3-6, 6-4, 6-3 से हराकर पहली बार मास्टर्स टूर्नामेंट के सेमीफाइनल मे जगह बनाई। जोकोविच और सोनेगो दोनो के क्वार्टर फाइनल मुकाबले शुक्रवार को नही हो पाए थे। महिला टूर्नामेंट मे फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वियाटेक ने रोम मे दो बार की चैंपियन एलिना स्वितोलिना को 6-2, 7-5 से हराया। वह सेमीफाइनल मे 17 साल की अमेरिकी कोको गॉफ से भिड़ेंगी। दूसरे सेमीफाइनल मे कैरोलिन प्लिसकोवा का सामना पेत्रा मार्टिच से होगा।

विश्व कप क्वालीफायर्स के लिए 19 मई को कतर रवाना होगी फुटबॉल टीम

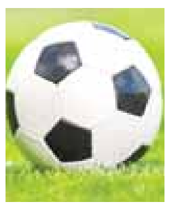

नई दिल्ली। भारतीय फुटबॉल टीम 19 मई को कतर के लिए रवाना होगी क्योंकि इस देश ने भारतीय टीम को राहत देते हुए अगले महीने होने वाले 2022 विश्व कप क्वालीफायर से पहले खिलाड़ियों की वहां ट्रेनिंग का अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। इतना ही नहीं कतर ने भारतीय दल के वहां पहुंचने के लिए 10 दिन के अनिवार्य पृथकवास से छूट देने का एआईएफएफ का आग्रह भी मान लिया है। भारतीय टीम तीन जून को पहले मुकाबले पूर्व जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में लगभग दो हफ्ते के तैयारी शिविर में हिस्सा लेगी। एआईएफएफ के महासचिव कुशाल दास ने कहा, हम 19 मई की शाम को टीम को भेजने की योजना बना रहे हैं। पृथकवास से नहीं गुजरना होगा और वे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में रहेंगे। दास ने कहा कि खिलाड़ी नई दिल्ली में जुटेंगे और कतर के लिए रवाना होने से पहले उनका कोविड-19 परीक्षण होगा। भारत पहले ही 2022 फीफा विश्व कप में जगह बनाने की दौड़ से बाहर हो चुका है लेकिन इन संयुक्त क्वालीफायर में अब भी 2023 एशियाई कप में जगह बनाने की दौड़ में है। एशियाई कप क्वालीफिकेशन में भारत को अभी कतर (तीन जून), बांग्लादेश (सात जून) और अफगानिस्तान (15 जून) के खिलाफ तीन मुकाबले खेलने हैं।

ओलंपिक जाने वाले पहलवानों का शिविर रद्द, अभ्यास व प्रतिस्पर्धा के लिए जाएंगे यूरोप

नई दिल्ली। ओलंपिक के लिए क्वालीफाई कर चुके आठ भारतीय पहलवानों के लिए सोनीपत में प्रस्तावित शिविर को कड़े पृथकवास नियमों के कारण रद्द कर दिया गया है लेकिन राष्ट्रीय महासंघ ने खिलाड़ियों के लिए यूरोप के शहरों में प्रशिक्षण का इंतजाम किया है जहां वे अपने पंसद के जोड़ीदार के साथ अभ्यास करेंगे। पुरूष और महिला पहलवानों को मंगलवार को बहलगढ़ स्थिल साइ (भारतीय खेल प्राधिकरण) केंद्र में इकट्ठा होना था। भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) द्वारा तैयार की गई नई योजना के मुताबिक ए सभी मई के आखिरी सप्ताह में वारसॉ (पोलैंड) रवाना होंगे। पोलैंड की राजधानी में आठ से 13 जून तक तोक्यो खेलों से पहले रैंकिंग श्रृंखला की आखिरी प्रतियोगिता का आयोजन होगा। पहलवानों के पास कुछ अहम रैंकिंग अंक अर्जित करने का मौका होगा, जिससे उन्हें ओलंपिक में बेहतर ड्रा प्राप्त करने में मदद मिलेगी। डब्ल्यूएफआई के सहायक सचिव विनोद तोमर ने कहा, हमने बहलगढ़ में एक शिविर की योजना बनाई थी, लेकिन उन्हें पृथकवास के दौरान 14 दिनों तक प्रशिक्षण की अनुमति नहीं थी। इसलिए हमने सोचा कि बेहतर होगा कि वे अपने-अपने अखाड़ों में अभ्यास करे और फिर पोलैंड की यात्रा करें। हम सभी पहलवानों को अभ्यास के लिए उनकी पसंद के एक साथी के साथ यात्रा करने की अनुमति भी दे रहे हैं। विनेश फोगट, बजरंग पुनिया, रवि दहिया और दीपक पुनिया जैसे कुछ लोगों के साथ उनके निजी कोच भी होंगे।

ओलंपिक के आयोजन से दमदार संदेश जाएगा कि हम कोविड से आगे निकल चुके हैं : बत्रा

नई दिल्ली। भारतीय ओलंपिक संघ के अध्यक्ष नरिंदर बत्रा ने शनिवार को कहा कि कोरोना महामारी के बीच ओलंपिक के आयोजन का विरोध होगा लेकिन तोक्यो में खेलों के आयोजन से मजबूत संदेश जाएगा कि हम इस भयावह हालात से आगे निकल चुके हैं। तोक्यो ओलंपिक पिछले साल कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दिए गए थे। आईओए अध्यक्ष और अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक समिति के सदस्य बत्रा ने उम्मीद जताई कि खेल 23 जुलाई से निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजित होंगे।

तोक्यो में इतिहास रच सकती है महिला हॉकी टीम

नई दिल्ली। भारत की पूर्व गोलकीपर हेलन मेरी का मानना है कि भारतीय महिला हॉकी टीम अपने खेल के कुछ पहलुओं पर काम करके तोक्यो ओलंपिक में शीर्ष तीन में स्थान हासिल कर सकती है। पिछले तीन से चार साल में भारतीय महिला हॉकी टीम ने शानदार प्रदर्शन किया है। हेलन ने हॉकी इंडिया के पॉडकास्ट हॉकी ते चर्चा में कहा , अर्जेंटीना और जर्मनी में प्रदर्शन को देखते हुए मुझे लगता है कि हमारी टीम 90 प्रतिशत तैयार है और आने वाले कुछ समय में अपने खेल को और बेहतर कर सकते है। मुझे यकीन है कि वे तोक्यो में इतिहास रच सकते हैं। तोक्यो में तिरंगे का परचम लहराएगा। अर्जेंटीना में जिस तरह से भारतीय टीम खेली, हालांकि दुनिया की दूसरे नंबर की टीम को नहीं हरा सकी लेकिन आत्मविश्वास देखने लायक था। मैने भारतीय टीम को किसी टीम के खिलाफ उसके घरेलू मैदान पर ऐसे खेलते नहीं देखा।

एच-1 बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को काम की मंजूरी दिलाने से जुड़े प्रयासों का नेतृत्व कर रहा है गूगल

वाशिंगटन। गूगल एच। बी वीजा धारकों के जीवनसाथियों को अमेरिका में काम करने की मंजूरी दिलाने से संबंधित एक कार्यक्रम में मदद के लिए शीर्ष अमेरिकी प्रौद्योगिकी कंपनियों के प्रयासों का नेतृत्व कर रही है। एच ।बी वीजा की भारतीय आईटी पेशेवरों में काफी मांग है। गूगल एच-4 ईएडी (रोजगार मंजूरी दस्तावेज) कार्यक्रम की मदद करने के लिए 30 दूसरी कंपनियों के साथ मिलकर काम कर रही है। अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) एच- ।बी वीजा धारकों के परिवार के लोगों (पतिपत्नी और 21 साल से कम उम्र के बच्चों) को एच-4 वीजा जारी करती है। एच। बी वीजा एक गैर-अप्रवासी वीजा है जिसकी मदद से अमेरिकी कंपनियां सैद्धांतिक या तकनीकी विशेषज्ञता की जरूरत वाले विशिष्ट पेशों में विदेशी कर्मियों को नौकरियों पर रखती हैं। प्रौद्योगिकी कंपनियां हर साल भारत और चीन जैसे देशों से हजारों लोगों को नियुक्त करने के लिए इस वीजा पर निर्भर करती है। गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई ने ट्विटर पर लिखा,गूगल हमारे देश के अप्रवासियों की मदद करने को लेकर गर्व महसूस करती है। हम एच-4 ईएडी कार्यक्रम को बचाने के लिए 30 और कंपनियों के साथ जुड़ चुके हैं। यह कार्यक्रम नवोन्मेष को बढ़ावा देता है, रोजगार एवं अवसरों का सृजन करता है और परिवारों की मदद करता है।

राइट्स शेयरों के बकाया भुगतान में निवेशकों की मदद के लिए रिलाइंस ने चैटबॉट शुरू किया

नई दिल्ली। रिलाइंस इंडस्ट्रीज ने अपने 53,125 करोड़ के राइट्स शेयरों के बकाए का भुगतान करने की कंपनी की ओर से पहली मांग (कॉल) के बारे में निवेशकों के सवालों का जवाब देने के लिए कृत्रिम मेधा से चलने वाला एक व्हाट्सऐप चैटबॉक्स दोबारा शुरू किया है। कंपनी ने एक नियामकीय सूचना में कहा कि उसने पिछले साल मई में आंशिक रूप से भुगतान पर 42.26 करोड़ शेयर जारी और आवंटित किए थे। प्रत्एक 10 रुपए के अंकित मूल्य के राइट्स शेयर की कीमत ।,257 रुपए थी। कंपनी ने कहा इस निर्गम में भाग लेने वाले शेयरधारकों ने आवेदन के साथ 314.25 रुपए प्रति राइट्स इक्विटी शेयर (2.50 रुपए अंकित मूल्य के लिए और 311.75 रुपए प्रतिभूति पर प्रीमियम) का भुगतान किया गया था और उन्हें कंपनी को बाकी पैसे बाद में दो बार अलग अलग समय पर मांग किए जाने पर चुकाने थे। सोमवार, 17 मई, 2021 से सोमवार 31 मई, 2011 के बीच प्रति राइट्स शेयर 314.25 रुपए का भुगतान किया जा सकेगा। शेयरधारक बाकी 628.50 रुपए प्रति राइट्स शेयर अंतिम कॉल पर 15 नवंबर से 29 नवंबर, 2021 के बीच भुगतान कर सकेंगे।

एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर ग्राहकों के लिए कोविड सहायता पहल शुरू की

नई दिल्ली। भारती एयरटेल ने अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म के जरिए ग्राहकों के लिए कोविड सहायता से जुड़ी एक नई पहल शुरू की हैं। इसके साथ ही भारती एयरटेल उन कंपनियों की बढ़ती फेहरिस्त में शामिल हो गई जिन्होंने महामारी की दूसरी लहर के बीच लोगों की मदद के लिए अपने डिजिटल प्लेटफॉर्म पर अलग-अलग तरह की सुविधाएं शुरू की हैं। दूरसंचार कंपनी ने एक बयान में कहा कि उसने आसान पहुंच वाले कोविड सहायता संसाधनों और संबंधित सूचना को एयरटेल थैंक्स ऐप के एक्सप्लोर खंड में एकीकृत किया है।

कोविड उपचार से जुड़े कर दरों पर होगी चर्चा

जीएसटी परिषद की बैठक 28 मई को

भाषा। नई दिल्ली

माल एवं सेवा-कर (जीएसटी) परिषद की सात महीने से ज्यादा समय से बैठक न बुलाए जाने को लेकर बढ़ी चिंताओं के बीच वित्त मंत्रालय परिषद की बैठक 28 मई को बुलाई है। इसमें कोविड19 संक्रमण के उपचार से जुड़ी औषधियों, आक्सीजन और उपकरणों पर कर की दरों के मुद्दे के साथ-साथ राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति के विषय में भी चर्चा होने की संभावना है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। उनके कार्यालय ने ट्विटर पर यह जानकारी दी। बैठक वीडिया-कांफ्रेंस के जरिए होगी। यह अप्रैल 2021 से प्रारंभ हुए चालू वित्त वर्ष में जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। वित्त मंत्री के कार्यालय ने ट्वीट किया श्रीमती निर्मला सीतारमण 28 मई, 2021 को सुबह 11 बजे नई दिल्ली में वीडियो कांफ्रेंस के जरिए जीएसटी परिषद की 43वीं बैठक की अध्यक्षता करेंगी। बैठक में राज्यों और केंद्रशासित क्षेत्रों के वित्त मंत्रियों और केंद्र तथा राज्यों के वरिष्ठ अधिकारियों के अलावा वित्त राज्य मंत्री श्री अनुराग ठाकुर भी शामिल होंगे। इससे पहले इसी महीने पश्चिम बंगाल के वित्त मंत्री अमित मित्रा और पंजाब के वित्त मंत्री मनप्रीत बादल ने जीएसटी परिषद की बैठक बुलाने की मांग की थी। इसमें कोविड-19 संक्रमण के उपचार से जुड़ी औषधियों, आक्सीजन और उपकरणों पर कर की दरों के मुद्दे के साथ साथ राज्यों को राजस्व क्षतिपूर्ति के विषय में भी चर्चा होने की संभावना है। यह अप्रैल 2021 से प्रारंभ हुए चालू वित्त वर्ष में जीएसटी परिषद की पहली बैठक होगी। इसमें हर तिमाही में परिषद की कम से कम एक बैठक का प्रावधान है।

सिलेंडर के आयात को जल्द मंजूरी देने के नियमों में ढील

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने चिकित्सकीय उपयोग के ऑक्सीजन सिलेंडर और दाब वाले टैंक के आयात को जल्द मंजूरी देने के उद्देश्य से नियमो मे ढील देने का निर्णय किया है। कोविड-19 के बढ़ते मामलो को ध्यान मे रखते हुए यह निर्णय गैस सिलेंडर नियम, 2016 कानून के तहत लिया गया है। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय द्वारा शनिवार को जारी बयान के अनुसार यह निर्णय अगले छह महीने या उद्योग और आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआइआइटी) के अगले आदेश तक जारी रहेगा। सरकार द्वारा यह निर्णय लेने के बाद ऑक्सीजन सिलेंडर और कंटेनरों की खेप आयात करने से पहले पेट्रोलियम और विस्फोटक सुरक्षा संगठन (पीईएसओ) का प्रमाणन अनिवार्य नही होगा। हालांकि, ऑक्सीजन सिलिंडरों के इस्तेमाल से पहले पीईएसओ का प्रमाण पत्र लेने की जरूरत होगी, जिसमे वजन और हाइड्रो परीक्षण शामिल होता है। वही भारतीय दूतावासो को यह सुनिश्चित करना होगा कि ऑक्सीजन सिलिंडरों मे लदान से पहले भारतीय या अंर्तराष्ट्रीय मानदंडो का पालन होना चाहिए। भरे हुए सिलिंडरों के मामले में, भारत को निर्यात करने वाली एजेंसी को यह प्रमाणित करना होगा कि सिलिंडर मे भरी ऑक्सीजन इतनी शुद्ध है और उसका संकेंद्रण उतना है कि वह चिकित्सा उपयोग के लिए ठीक है।

एनटीपीसी ने कोविड देखभाल केंद्रों में 500 ऑक्सीजन बेड जोड़े

नई दिल्ली। राष्ट्रीय ताप विद्युत निगम लि (एनटीपीसी) ने कोविड-19 के खिलाफ लड़ाई में अपना भरपूर योगदान देते हुए देशभर के विभिन्न कोविड देखभाल केंद्रों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थित बेड और।,100 आइसोलेशन बेड जोड़े हैं। एनटीपीसी ने शनिवार को एक बयान में कहा कि उसने बदरपुर, नोएडा और दादरी के कोविड देखभाल केंद्रों में 200 ऑक्सीजन समर्थित और 140 आइसोलेशन बेड लगाए हैं। ओडिशा के सुंदरगढ़ में 500 बेड की क्षमता और बीस वेंटिलेटर के साथ कोविड देखभाल केंद्र तैयार किया गया है। एनटीपीसी ने महत्वपूर्ण कोविड देखभाल केंद्रों में सहायता प्रदान करने के लिए विभिन्न राज्यों में 500 से अधिक ऑक्सीजन समर्थन बेड और।,100 से अधिक आइसोलेशन बेड जोड़े है। उसने बताया कि दादरी, कोरबा, कनिहा, रामागुंडम, विंध्याचल और बदरपुर के साथ अब उत्तरी करनपुरा, बोंगाईगांव और सोलापुर के कोविड देखभाल केन्द्रों में भी अतिरिक्त सुविधाएं स्थापित की जाएगी। इस बीच एनटीपीसी ने अपने परिचालन में अबतक 70,000 से अधिक कर्मचारियों और सहयोगियों को टीका लगा दिया है। संयंत्र स्थानों पर बड़े पैमाने पर टीकाकरण अभियान जारी है। उसने 18 से 44 वर्ष के कर्मचारियों को भी कोरोना का टीका लगाना शुरू कर दिया है।

टेक महिंद्रा ने मेघना हरेंद्रन को वेलनेस ऑफिसर नियुक्त किया

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी टेक महिंद्रा ने कहा कि उसने मेघना हरेंद्रन को तत्काल प्रभाव से वेलनेस ऑफिसर बनाया है। यह नियुक्ति इसलिए की गई है ताकि कोरोना संक्रमण महामारी के बीच सभी सहयोगियों का ध्यान रखा जा सके और उनमें जरूरत मंद लोंगों को दवा, अस्पतालों और अन्य चिकित्सा आपूर्ति की सुविधा सुनिश्चित की जा सके। सहयोगियों की स्वास्थ्य संबंधी जरूरतों का ध्यान रखने के लिए हरेंद्रन एक केंद्रीय कार्यक्रम प्रबंधक के रूप में काम करेंगी।

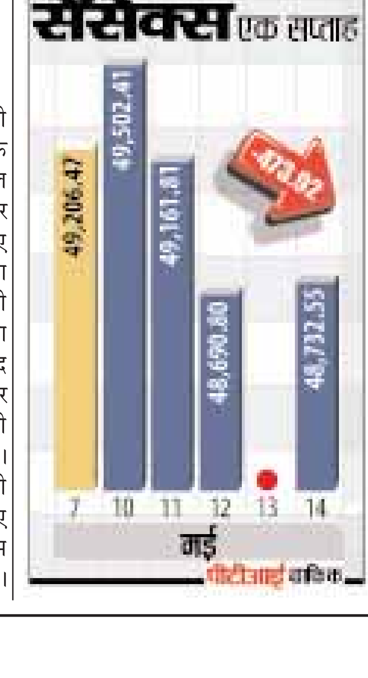

गेहूं की खरीद 30 प्रतिशत बढ़कर 366.61 लाख टन हुई

मुंबई। देश में चालू रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर कुल 366.61 लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की गई जो पिछले साल के इसी सीजन के मुकाबले 30 प्रतिशत अधिक है। यह खरीद 37.15 लाख किसानों से की गई। पिछले वर्ष इसी अवधि में एमएसपी के तहत 282.69 लाख टन गेहूं खरीदी गई थी। खाद्य मंत्रालय ने बयान में कहा, खरीफ विपणन सीजन 2020-21 और रबी विपणन सीजन 2021-22 के दौरान न्यूनतम समर्थन मूल्य पर हरियाणा, उप्र, मप्र, राजस्थान, हिमाचल,दिल्ली और जम्मू एवं कश्मीर में गेहूं की खरीद सुचारू रूप से जारी है।

PUBLIC NOTICE

Notice is hereby given to the General Public that Mr. Desh Deep Chawla & Mr. Sumit Chawla were joint owners of Property No. 154, area measuring 112.50 sq. mtrs, in Block-A, Sector-48, Noida, "the said property" by virtue of Transfer deed dated 15.10.2011, Further Mr. Sumit Chawla became the owner of ½ share of his late father Mr. Desh Deep Chawla vide a mutation letter dated 21.02.2019, in the record of Noida Authority. All persons including other legal heirs of late Mr. Desh Deep Chawla are hereby informed that above mentioned owner want to sell the said property to someone who is taking Loan for purchase the said property from ICICI Bank Ltd., if anybody has any objection/s upon the ownership of Mr. Sumit Chawla in respect of the said property its sale /Mortgage, and any kind of objection kindly inform the undersigned in writing on the below mentioned address within 07 days of the present.

Kumar & Associates (Advocates & Consultants)
200, IInd Floor, 23, Shivaji Marg, Moti Nagar, N. Delhi-15
Ph : 011-41112527-28 kumarassociates.advocate@gmail.com

INDO COTSPIN LIMITED

REGD. OFFICE : 78 K.M. DELHI MILE STONE, NH-1, G.T. ROAD, VILLAGE JATTIPUR, POST BOX NO. 3, POST OFFICE SAMALKHA, PANIPAT -132103 (Haryana)
CIN:- LI111HR1995PLC032541 Website:www.indocotspin.com
Email ID:rajpalaggarwal12000@yahoo.com, info@indocotspin.com
Statement of Standalone Audited Financial Results for the Quarter/Year Ended March 31, 2021

(Amount Rs. in Lacs)

PARTICULARS	3 MONTHS ENDED 31.03.2021 Audited	YEAR TO DATE FIGURES FOR CURRENT PERIOD ENDED 31.03.2021 Audited	CORRESSPONDING 3 MONTHS ENDED IN THE PREVIOUS YEAR 31.03.2020 Audited
Total Income from operations (net)	313.72	816.08	997.37
Net Profit/(Loss) from Ordinary activities after Tax	17.25	4.77	10.64
Net Profit/(Loss) for the period after tax (after Extraordinary Items)	17.25	4.77	10.64
Paid Up Equity Share Capital	420.05	420.05	420.05
Reserves (excluding Revaluation Reserve as shown in the Balance Sheet of Previous Year)	17.25	219.15	214.38
Earnings Per Share (before Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each):Basic and Diluted (in Rupees)	0.41	0.07	0.25
Earnings Per Share (after Extraordinary Items) (of Rs. 10/- each):Basic and Diluted (in Rupees)	0.41	0.07	0.25

NOTE: (i) There is no qualification on the audit report for the quarter/ year ended 31st March, 2021 (ii) The above is an extract of the detailed format of Quarterly/Year Financial Results filed with the Stock Exchange under Regulation 33 of the SEBI (Listing and Other Disclosure Requirements) Regulations, 2015. The Full format of the Quarterly/Year Financial Results is available on the Stock Exchange websites: www.bseindia.com, tele+91-9896034879

For Indo Cotspin Limited
Sd/-
Bal Krishan Aggarwal
Managing Director
DIN NO. :00456219

Place: Panipat
Date: 15/05/2021

चीन ने अपने रोवर को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर उतारा

भाषा। बीजिंग

चीन ने शनिवार को अपने पहले रोवर को सफलतापूर्वक मंगल ग्रह पर उतार दिया और इसके साथ ही वह इस तरह की सफलता अर्जित करनेवाला दुनिया का दूसरा देश बन गया है।

यात्रा के दौरान नौ मिनट तक भय उत्पन्न करनेवाली स्थिति के बाद चीनी रोवर सफलतापूर्वक लाल ग्रह पर उतर गया। सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ ने बताया कि रोवर झुरोंग का नाम चीन की पौराणिक कथा में वर्णित अग्नि के देवता के नाम पर रखा गया है। यह रोवर मंगल ग्रह पर यूटोपिया प्लैनिशिया में पहले से निर्धारित क्षेत्र में उतरा। मंगल ग्रह पर पहुंचने वाले रोवर का वजन करीब 240 किलोग्राम है और इसमें छह पहिए तथा चार सौर पैनल लगे हैं। यह प्रति घंटे 200 मीटर तक घूम सकता है। इसमें कैमरा, रडार और मौसम संबंधी मापक यंत्र जैसे वैज्ञानिक उपकरण लगे हैं। बाद में, इसे लैंडर की मदद से मंगल पर जीवन के साक्ष्यों की तलाश में तीन महीने के मिशन पर लगाया जाएगा।

पिछले साल 23 जुलाई 2020 को रवाना हुआ चीन का अंतरिक्ष यान तियानवेन–। अपने साथ एक ऑर्बिटर, एक लैंडर और एक रोवर लेकर गया था। सौर मंडल में और अधिक अन्वेषण के मकसद से एक मिशन में ही ऑर्बिटिंग (कक्षा की परिक्रमा), लैंडिंग और रोविंग पूरा करने के उद्देश्य से मंगल ग्रह पर पहुंचने की दिशा में यह चीन का पहला कदम है। चाइना नेशनल स्पेस एडमिनिस्ट्रेशन (सीएनएसए) ने एक बयान में कहा कि यात्रा के दौरान रोवर नौ मिनट की भय उत्पन्न करनेवाली स्थिति के बाद शनिवार को मंगल ग्रह पर सफलतापूर्वक उतर गया। रोवर को लेकर लैंडर चीन के स्थानीय समयानुसार सुबह 7:18 बजे मंगल के उत्तरी गोलार्ध में विशाल समतल मैदान, यूटोपिया प्लैनिशिया के पूर्व निधारित दक्षिणी क्षेत्र में उतरा।

चीन की सरकारी समाचार एजेंसी शिन्हुआ द्वारा जारी किया गया रोवर का डिजाइन

सीएनएस के प्रमुख झांग केजियान ने कहा, मंगल पर उतरने के साथ ही तियानवेन–। मिशन को पूर्ण सफलता मिल गई है। मंगल ग्रह पर उतरने में अब तक अमेरिका को ही महारत हासिल थी, लेकिन अब चीन भी मंगल ग्रह पर रोवर के साथ पहुंचने वाला दूसरा देश बन गया है।

अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी नासा का परसीवरेंस रोवर करीब सात महीने की यात्रा के बाद 18 फरवरी को मंगल ग्रह पर पहुंचा था। इससे पहले अमेरिका, रूस, यूरोपीय संघ तथा भारत को मंगल ग्रह पर अंतरिक्ष यान भेजने में कामयाबी मिल चुकी है।चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग ने मंगल ग्रह पर चीन का पहला रोवर सफलतापूर्वक उतारने के लिए सीएनएसए को बधाई दी।

इस अंतरिक्ष यान ने करीब सात महीने की यात्रा के बाद फरवरी में मंगल ग्रह की कक्षा में प्रवेश किया था और ग्रह पर उतरने के लिए संभावित स्थानों की पहचान करने में दो महीने से ज्यादा वक्त बिताया। शिन्हुआ ने बताया कि शनिवार तड़के अंतरिक्ष यान ने अपनी निर्धारित कक्षा से नीचे उतरना शुरू किया और लैंडर तथा रोवर ऑर्बिटर से अलग हो गए। करीब तीन घंटे की यात्रा के बाद एंट्री कैप्सूल ने 125 किलोमीटर की ऊंचाई पर मंगल ग्रह के वातावरण में प्रवेश किया। मंगल ग्रह की सतह से करीब 100 मीटर की ऊंचाई पर उसे बाधाओं का सामना करना पड़ा लेकिन उसने बाधाओं से बचते हुए एक सतही इलाके को चुना और धीरे–धीरे नीचे उतरने लगा। सीएनएसए के लूनर एक्स्प्लोरेशन एंड स्पेस प्रोग्रास सेंटर के अधिकारी गेंग यान ने कहा, हर कदम पर केवल एक मौका था और अगर कोई भी खामी आती तो लैंडिंग विफल हो जाती।

मंगल मिशन पर शिन्हुआ ने एक टिप्पणी में कहा कि चीन का उद्देश्य अंतरिक्ष में नेतृत्व प्रतिस्पर्धा का नहीं है। नासा में विज्ञान मिशन निदेशालय के सह–प्रशासक थॉमस जुरबुचेन ने चीन को इस उपलब्धि पर बधाई दी। मंगल पर अन्वेषण के लिए 1960 के दशक से 40 से अधिक मिशन भेजे जा चुके हैं लेकिन सफलता लगभग आधे अभियानों में ही मिल पाई है।

भारतीय-अमेरिकी नीरा टंडन व्हाइट हाउस की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त

भाषा। वॉशिंगटन

भारतीय–अमेरिकी नीरा टंडन को अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की वरिष्ठ सलाहकार नियुक्त किया गया है। टंडन ने इससे दो महीने पहले ही रिपब्लिनक सीनेटरों के कड़े विरोध के कारण व्हाइट हाउस प्रबंधन एवं बजट कार्यालय के निदेशक के पद के लिए अपना नामांकन वापस ले लिया था। टंडन (50) सोमवार से व्हाइट हाउस में अपनी जिम्मेदारी संभालेंगी। टंडन इस समय सेंटर फॉर अमेरिकन प्रोग्रेस (कैप) की अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी हैं।कैप के संस्थापक एवं निदेशक पोडेस्टा ने कहा, नीरा की बुद्धिमत्ता, दृढ़ता और राजनीतिक समझ बाइडन प्रशासन के लिए एक पूंजी साबित होगी। टंडन पहले अमेरिका स्वास्थ्य एवं मानव सेवा मंत्रालय में स्वास्थ्य सुधारों की वरिष्ठ सलाहकार रह चुकी हैं। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बराक ओबामा के कार्यकाल में अफोर्डेबल केयर एक्ट के कुछ विशेष प्रावधानों पर कांग्रेस और हितधारकों के साथ मिलकर काम किया था।इससे पहले, वह ओबामा–बाइडन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की घरेलू नीति की निदेशक थीं, जहां उन्होंने सभी घरेलू नीति प्रस्तावों का प्रबंधन किया। उन्होंने देश की पूर्व विदेश मंत्री हिलेरी क्लिंटन की राष्ट्रपति पद की चुनाव प्रचार मुहिम की नीति निदेशक के रूप में भी जिम्मेदारी संभाली थी। उन्होंने अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति बिल क्लिंटन के कार्यकाल में व्हाइट हाउस में घरेलू नीति की सहायक निदेशक और प्रथम महिला की वरिष्ठ नीति सलाहकार के रूप में अपना करियर शुरू किया था।टंडन ने यूनिवर्सिटी ऑफ कैलिफोर्निया से बीएससी और एल लॉ स्कूल से कानून की डिग्री हासिल की है।

क्विक न्यूज

पाकिस्तान : नहर में वाहन के गिरने से एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत

लाहौर। पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में एक वाहन के नहर में गिर जाने से सात बच्चों समेत एक ही परिवार के 11 लोगों की मौत हो गई।बचाव अधिकारियों के मुताबिक यह घटना लाहौर से करीब 50 किलोमीटर दूर शेखूपुरा जिले में शुक्रवार को उस वक्त हुई जब किला दीदार सिंह से आ रहा वाहन सड़क से फिसलकर नहर में गिर गया। यह वाहन खानकाह डोगरान की ओर जा रहा था। हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस और बचाव कर्मी घटनास्थल पर पहुंचे और नहर से शव निकाले गए। बचाव अधिकारी मुहम्मद फारूक ने बताया, मृतकों में सात बच्चे, दो महिलाएं और दो पुरुष थे। सभी लोग एक ही परिवार के थे। उन्होंने बताया कि बचावकर्मियों ने सारे शव निकाल लिए हैं और उन्हें परिजनों को सौंप दिया गया है। बचाव अधिकारियों का मानना है कि तेज रफ्तार के कारण वाहन का संतुलन बिगड़ गया होगा और यह नहर में जा गिरा। पंजाब के मुख्यमंत्री उस्मान बज्दर ने घटना पर शोक जताया और दिवंगत लोगों की आत्मा के लिए प्रार्थना की। पाकिस्तान में आए दिन इस तरह के हादसे होते रहते हैं और इस तरह की घटनाओं में हर साल हजारों लोगों की जान जाती है।

चीन में दो बवंडरों से 12 लोगों की मौत, 300 से अधिक घायल

बीजिंग। चीन के वुहान और सुझोउ शहरों के शुक्रवार रात को उठे शक्तिशाली बवंडरों की चपेट में आने से 12 लोगों की मौत हो गई जबकि करीब 300 लोग घायल हुए हैं। इन बवंडरों की वजह से कई घरों और कारखानों को भी नुकसान पहुंचा है। सरकारी संवाद समिति शिन्हुआ के मुताबिक वुहान के कैडियन जिले में शुक्रवार रात को 23.9 मीटर प्रति सेकेंड की रफ्तार से उठे बवंडर की चपेट में आने से आठ लोगों की मौत हो गई और करीब 230 लोग घायल हुए हैं। इस दौरान कई निर्माण स्थलों पर बने शेड उड़ गए और बड़ी संख्या में पेड़ गिर गए। शिन्हुआ ने बताया कि बवंडर की वजह से 27 घर ध्वस्त हो गए जबकि 130 मकानों को नुकसान हुआ है। वही दो टॉवर क्रेन और 8000 वर्ग मीटर के निर्माण स्थल पर लगे शेड भी क्षतिग्रस्त हो गए। बवंडर की वजह से बिजली के तारों को भी नुकसान हुआ जिससे वुहान के 26,600 घरों की बिजली गुल हो गई। स्थानीय ऊर्जा ग्रिड के कर्मियों को मरम्मत के लिए भेजा गया है और मरम्मत कार्य अब भी जारी है। स्थानीय अधिकारियों ने बताया कि पूर्वी चीन के जियांग्सु प्रांत के सुझोउ शहर से भी शुक्रवार रात को बवंडर गुजरा जिसकी चपेट में आने से चार लोगों की मौत हो गई जबकि 19 अन्य घायल हुए हैं। उन्होंने बताया कि सुझोउ में आए बवंडर से 84 मकानों और 17 कंपनियों को भी नुकसान हुआ है व बिजली बाधित हुई है। गौरतलब है कि इन इलाकों में बवंडर दुर्लभ घटना है।

यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर भारत से लौटा पहला विमान

मेलबर्न । भारत में कोविड-19 स्वास्थ्य संकट के कारण लगाया गया दो सप्ताह का यात्रा प्रतिबंध समाप्त होने के बाद पहला विमान भारत में फंसे ऑस्ट्रेलियाई नागरिकों को लेकर शनिवार को ऑस्ट्रेलिया के डार्विन पहुंचा।प्रतिबंध समाप्त होने के बाद ऑस्ट्रेलिया सरकार ने भारत में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी के लिए उड़ानें शुक्रवार से फिर से शुरू कर दी। क्वांटास विमान स्थानीय समयानुसार सुबह नौ बजे से थोड़ा पहले रॉयल ऑस्ट्रेलियन एयर फोर्स (आरएएएफ) के एयरबेस पर पहुंचा। इसके जरिए 150 यात्रियों को लाया जाना था, लेकिन अंततः केवल 80 नागरिक स्वदेश लौटे।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी ने राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन कराया

दुबई। ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी ने शनिवार को देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन कराया। कट्टरपंथी मौलाना रईसी 1988 में हजारों कैदियों को सामूहिक फांसी से संबंधित एक समिति का हिस्सा थे। रईसी ने ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामनेई (82) के संभावित उत्तराधिकारी के तौर पर खुद का नामांकन कराया है। हालांकि कुछ प्रमुख लोगों का कहना है कि वह इस दौड़ में आगे नही बढ़ पाएंगे। वही, उनके नामांकन से पता चलता है कि 2017 में भी उन्होंने इस पद को लेकर रुचि दिखाई थी, लेकिन असफल रहे थे। खामनेई से उनकी करीबी और भ्रष्टाचार रोधी मुहिम में हिस्सा लेने पर हासिल हुई लोकप्रियता चुनाव में उन्हें फायदा पहुंचा सकती है। विशेषज्ञों पहले ही कह चुके है कि कट्टरपंथियों को चुनाव में थोड़ा लाभ मिलता है। नामांकन से पहले एक बयान में रईसी ने राष्ट्रपति बनने पर गरीबी, भ्रष्टाचार और भेदभाव के खिलाफ लड़ाई लड़ने का वादा किया।

ऑनलाइन हिंसक चरमपंथ को रोकने के खिलाफ वैश्विक पहल का हिस्सा बना अमेरिका

वेलिंगटन। फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुअल मैक्रों और दुनियाभर में प्रौद्योगिकी क्षेत्र की बड़ी कंपनियों और सरकारों के अन्य नेताओं समेत पहली बार अमेरिका शनिवार को वर्चुअल रूप से एकत्रित हुआ जिससे चरमपंथी हिंसा के ऑनलाइन प्रसार को रोकने के बेहतर तरीके तलाश किए जा सकें। न्यूजीलैंड में श्वेत वर्चस्व की विचारधारा रखने वाले एक व्यक्ति द्वारा 51 मुस्लिम श्रद्धालुओं की हत्या को फेसबुक पर लाइव स्ट्रीमिंग करने के दो साल बाद मैक्रों ने कहा कि आतंकवादी नफरत फैलाने के हथियार के तौर पर लगातार इंटरनेट का इस्तेमाल कर रहे हैं। अपने–अपने देशों में जानलेवा हमलों के बाद मैक्रों और न्यूजीलैंड की प्रधानमंत्री जेसिंडा अर्डर्न ने इस वैश्विक पहल की शुरुआत की।

क्राइस्टचर्च कॉल नाम की इस पहल में इस साल पहली बार अमेरिकी सरकार और चार अन्य देश शामिल हुए। इसमें गूगल, फेसबुक, ट्विटर और अमेजन समेत 50 से अधिक देशों की प्रौद्योगिकी कंपनियां शामिल हैं और इसका नाम न्यूजीलैंड के एक शहर के नाम पर रखा गया है जहां दो मस्जिदों में लोगों की बेरहमी से हत्याएं की गई थीं। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने एक वीडियो में कहा कि अकेले उनके देश में इंटरनेट से पिछले एक दशक में 300,000 से अधिक आतंकवादी सामग्री हटाई गई जिसे उन्होंने नफरत की सुनामी बताया।अर्डर्न ने कहा कि इस पहल की शुरुआत के बाद से सरकारों और प्रौद्योगिकी कंपनियों ने हिंसक चरमपंथी सामग्री ऑनलाइन चिन्हित करने के कुछ मामलों में सहयोग किया है। उन्होंने कहा, हालांकि अमेरिका इस साल क्राइस्टचर्च कॉल में केवल आधिकारिक रूप से शामिल हुआ है लेकिन वह इस प्रयास में लगातार योगदान दे रहा है। मैक्रों ने कहा कि अमेरिका, वियना, जर्मनी और अन्य जगहों पर हाल ही में हुए हमलों में इंटरनेट का एक हथियार के तौर पर इस्तेमाल किया गया।

अमेरिका में बिना मास्क लगाए नजर आए नेता

एपी। वाशिंगटन

● सदन में मास्क पहनने पर सांसदों ने जताई आपत्ति

अमेरिका में कोविड–19 रोधी टीकों की दोनों खुराक लेने वाले लोगों के लिए मास्क पहनने की अनिवार्यता खत्म होने के बाद कई नेता बिना मास्क लगाए नजर आए।अमेरिका की प्रथम महिला जिल बाइडन ने कहा कि आखिरकार बिना मास्क लगाए रहना ऐसा लगता है जैसे हम आगे बढ़ रहे हो।

वहीं, एक रिपब्लिकन सिनेटर ने कहा कि मास्क न लगाने से निश्चित रूप से अच्छी तरह बातचीत करने में मदद मिलती है। बहरहाल, सदन में शुक्रवार को सांसदों ने सभी 435 सदस्यों के कोविड–19 रोधी टीके लगवाने तक मास्क पहनने की आवश्यकता पर आपत्ति जताई। सरकार वाशिंगटन में नए संघीय दिशा निर्देश जारी करने पर काम कर रही है कि जिसमें उन नियमों में ढील दी जाए कि कम मास्क पहनना चाहिए। रोग नियंत्रण एवं रोकथाम केंद्र (सीडीसी) ने बृहस्पतिवार को कहा कि जिन लोगों ने टीके की दोनों खुराक ले ली है उन्हें मास्क पहनने की जरूरत नहीं है। हालांकि कैपिटोल हिल (अमेरिकी संसद) में डॉ. ब्रायन मोनहैन के ज्ञापन के अनुसार सांसदों को सदन में मास्क पहनना होगा। हाल ही में एक सर्वेक्षण से पता चला कि सदन में करीब हर चार में से एक सांसद को दोनों टीके नहीं लगे हैं। सांसद सदन में भाषण देते वक्त अपने मास्क उतार सकते हैं लेकिन इसके बाद उन्हें मास्क पहनना होगा। पत्रकारों ने राष्ट्रपति जो बाइडन को भी बिना मास्क के देखा। यह पूछने पर कि क्या वह मास्क लगाए बिना अपने कामकाज के पहले दिन का आनंद उठा रहे हैं, तो इस पर उन्होंने कहा, हां। करीब एक साल बाद पहली बार पत्रकार व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव जेन साकी के नियमित संवाददाता सम्मेलन में बिना मास्क लगाए गए। पेंटागन ने शुक्रवार को एलान किया कि टीकों की दोनों खुराक ले चुके रक्षा विभाग के कर्मचारियों को अदंर या बाहर मास्क पहनने की जरूरत नहीं है।

इजराइली सेना पर मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को जाल में फंसाने का आरोप

एपी । यरूशलम

इजराइली पत्रकारों ने कहा कि इजराइल की सेना ने मीडिया का इस्तेमाल कर हमास को अपने जाल में बिछाया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। दरअसल इजराइली सेना ने मीडिया के लिए बयान जारी किया कि इजराइली वायु एवं थल सेना गाजा पट्टी पर हमला कर रहे हैं। इस संक्षिप्त बयान ने इन अटकलों को हवा दी कि इजराइल ने गाजा पर जमीनी हमला कर दिया है। कुछ संवाददाताओं ने यह तक कह दिया कि हमला शुरू हो गया है। इसके कुछ ही घंटों बाद सेना ने एक स्पष्टीकरण जारी किया कि गाजा के भीतर कोई इजराइली सेना नहीं है, लेकिन तब तक कई बड़े मीडिया संस्थान यह जानकारी दे चुके थे कि जमीनी हमला शुरू हो गया है। इस बीच, हमास के लड़ाके मेट्रो के रूप में जानी जाने वाली सुरंगों के भूमिगत नेटवर्क में रक्षात्मक स्थलों पर चले गए। सेना ने बताया कि इजराइल ने 160 युद्धक विमान बुलाए और 40 मिनट तक सुरंगों पर बमबारी की। इजराइल के चैनल 13 टीवी के पत्रकार ओर हेलर ने कहा कि उनका मानना है कि इस दौरान सैकड़ों चरमपंथी मारे गए।हालांकि सेना ने इसे गलतफहमी के चलते की गई रिपोर्टिंग करार दिया, लेकिन इजराइली पत्रकारों ने कहा कि हमास के आतंकवादियों को घातक जाल में फंसाने के लिए मीडिया का इस्तेमाल किया गया, जिसके कारण संभवतः दर्जनों लड़ाके मारे गए। हेलर ने कहा, उन्होंने झूठ नहीं बोला। उन्होंने छल किया। उन्होंने चतुराई की और यह सफल रहा।

संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार प्रमुख ने इजराइल, हमास से तनाव कम करने की अपील की

एपी। बर्लिन

संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार प्रमुख ने शनिवार को इजराइल और गाजा के चरमपंथी संगठन हमास से तनाव कम करने और हिंसक कार्वाई को रोकने की अपील की। जिनेवा में शनिवार को जारी एक बयान में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार की उच्चायुक्त मिशेल बाचेलेत ने कहा, दोनों पक्षों के नेताओं की ओर से जारी भड़काऊ बयानबाजी तनाव को शांत करने के बजाय इसे बढ़ावा देने जैसी जान पड़ती है। इजराइल के हवाई हमले में गाजा स्थित एक बहुमंजिला इमारत को गिराए जाने के कुछ ही देर पहले शनिवार को बाचेलेत का यह बयान सामने आया। इजराइल द्वारा निशाना बनाई गई इमारत में एसोसिएटेड प्रेस समेत अन्य मीडिया संस्थानों के कार्यालय भी थे। बयान में बाचेलेत ने चेताया कि फलीस्तीनी सशस्त्र समूहों द्वारा घनी आबादी वाले इलाकों समेत इजराइल में अंधाधुंध रॉकेट दागे जाना अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार कानून का स्पष्ट उल्लंघन है जोकि युद्ध अपराध के समान है। उन्होंने इजराइली सेना द्वारा गाजा के नागरिक ठिकानों पर किए गए हमलों की भी निंदा की।

सऊदी अरब मुस्लिम देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक का आयोजन करेगा

दुबई, एपी । सऊदी अरब ने रविवार को इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) के राष्ट्रों के विदेश मंत्रियों की बैठक बुलाई है। इस बैठक में फलस्तीन के खिलाफ इजराइल के आक्रामक अभियान के विषय पर चर्चा होगी। सऊदी अरब 57 देशों के इस्लामी सहयोग संगठन के शिखर सम्मेलन का डिजिटल तरीके से आयोजन करेगा। ओआईसी ने शनिवार को बताया कि इस बैठक में फलस्तीनियों के खिलाफ इजराइल की हिंसक कार्रवाई और खासकर यरुशलम में अल–अक्सा मस्जिद में प्रदर्शनकारियों के खिलाफ इजराइल पुलिस के बल प्रयोग के विषय पर चर्चा होगी। ओआईसी का मुख्यालय सऊदी अरब में है। इस संगठन में ईरान, तुर्की, इंडोनेशिया और मुस्लिम बहुल राष्ट्र शामिल हैं। पूर्वी यरुशलम में अल–अक्सा मस्जिद पर यहूदी उग्रवादियों के हमले के जवाब में 51 साल पहले ओआईसी का गठन हुआ था।

ईरान के प्रधान न्यायाधीश इब्राहिम रईसी शनिवार को देश के राष्ट्रपति चुनाव के लिए नामांकन करने के दौरान

लॉकडाउन के बाद सूरज की किरणें हो सकती हैं खतरनाक

भाषा। लंदन

सर्दियों का मौसम लॉकडाउन में बिताने के बाद और पूरे ब्रिटेन में कोरोनावायरस प्रतिबंधों को हटाने की शुरूआत होने के साथ, कई लोग इस गर्मी में अच्छे मौसम की उम्मीद कर रहे होंगे। विदेश यात्रा पर प्रतिबंध का मतलब है कि पहले से कहीं अधिक लोग अपनी गर्मी की छुट्टियों के लिए ब्रिटेन में रहने की योजना बना रहे हैं। इस बदलाव के साथ अब हमारा सामाजिक जीवन अधिकतर समय घर से बाहर व्यतीत होगा। ऐसे में यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन में लोग महीनों बाद घरों से बाहर निकलने पर सूर्य की किरणों से पैदा होने वाले जोखिमों को कम न समझें।

सूरज की वजह से त्वचा को होने वाला नुकसान, त्वचा कैंसर और त्वचा पर उम्र से पहले झुर्रियां पड़ने से जुड़ा है। दोनों मामलों में अपराधी पराबैंगनी विकिरण (यूवी) है। यूवी मानव आंखों के लिए अदृश्य है, हालांकि इसे कई जानवर देख सकते हैं, जिसमें बारहसिंगा भी शामिल है। पराबैंगनी विकिरण, दृश्य प्रकाश के स्पेक्ट्रम के आखिरी जामुनी सिरे के पीछे स्थित होता है। इसके इतना हानिकारक होने का एक कारण यह है कि इसकी ऊर्जा को हमारी कोशिकाओं के डीएनए द्वारा अवशोषित किया जा सकता है, जिससे ए कोशिकाएं क्षतिग्रस्त हो जाती हैं। यदि कोशिका इस डीएनए क्षति की मरम्मत करने में सक्षम नहीं है, तो इससे आनुवांशिक परिवर्तन या उत्परिवर्तन हो सकते हैं, जो कैंसर का कारण बन सकते हैं। शरीर की सतह पर होने के कारण, त्वचा कोशिकाओं को यूवी से ज्यादा नुकसान होता है।

इन हानिकारक प्रभावों से सुरक्षा के लिए शरीर का अपना एक सुरक्षा तंत्र है। हमारी कोशिकाओं के भीतर आणविक तंत्र उत्परिवर्तन का कारण बनने से पहले डीएनए क्षति का पता लगाने और उसकी मरम्मत करने में सक्षम हैं। जब त्वचा कोशिकाएं डीएनए क्षति का पता लगाती हैं, तो वे अलार्म संकेतों को सक्रिय करती हैं जो वर्णक–उत्पादक कोशिकाओं तक पहुंच जाते हैं ताकि उन्हें और अधिक नुकसान से बचाने में मदद करने के लिए अधिक वर्णक का उत्पादन शुरू करने के लिए कहा जा सके। यह इस वर्णक, मेलेनिन का उत्पादन है, जो त्वचा के झुलसने का कारण बनता है।

इसलिए त्वचा का झुलसना इस बात का संकेत है कि आपकी त्वचा क्षतिग्रस्त हो गई है। इसके द्वारा प्रदान की जाने वाली सुरक्षा लगभग 4 एसपीएफ़ के बराबर होने का अनुमान लगाया गया है। इसका मतलब यह है कि हालांकि ऐसा करने में धूप में चार गुना अधिक समय लगेगा, फिर भी आपकी त्वचा झुलस सकती है।यदि आप बहुत सारी परा बैंगनी किरणों के संपर्क में हैं, तो डीएनए क्षति की मात्रा कोशिकाओं की सुरक्षा को प्रभावित कर सकती है। हालांकि सब कुछ खत्म नहीं हुआ है,क्योंकि एक क्षतिग्रस्त कोशिका में एक अंतिम रक्षा पंक्ति होती है जहां यह डेथ प्रोग्राम को सक्रिय कर समाप्त होने की प्रक्रिया का चुनाव कर सकती है, जिसे एपोप्टोसिस कहा जाता है। इसका मतलब यह है कि बुरी तरह से क्षतिग्रस्त कोशिकाएं, जो आगे चलकर कैंसर बन सकती हैं, शरीर को नुकसान पहुंचाने से पहले ही समाप्त कर दी जाती हैं। जिस किसी को भी कभी सनबर्न हुआ है, उसने इस प्रक्रिया को अनुभव किया है। भारी मात्रा में कोशिकाओं के मरने से त्वचा में सूजन हो जाती है, जिससे त्वचा एकदम लाल हो जाती है और उसमें दर्द होता है।लेकिन कभी–कभी ए बचाव पर्याप्त नहीं होते हैं, और यूवी के कारण त्वचा को होने वाले नुकसान से त्वचा का कैंसर हो सकता है। ब्रिटेन में त्वचा कैंसर की दर पिछले दशकों में बढ़ी है क्योंकि विदेश यात्राएं अधिक आम हो गई है और टैनिंग के प्रति दृष्टिकोण बदल गया है। आश्चर्यजनक रूप से, हाल के एक अध्ययन से पता चला है कि त्वचा कैंसर 1980 के दशक की तुलना में आज आठ गुना अधिक आम है। अब हमें क्या करना चाहिए क्योंकि हम सब गर्मी का मौसम शानदार रहने के लिए प्रार्थना कर रहे हैं। हालांकि, यह सच है कि परा बैंगनी किरणों की तीव्रता ब्रिटेन में उतनी अधिक नहीं है जितनी भूमध्यसागरीय या अन्य कम अक्षांश वाले पर्यटक स्थलों पर है। देश अब उन महीनों में प्रवेश करने वाला है जहां यूवी तीव्रता अपने चरम पर होती है। यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि ब्रिटेन में घरों के बाहर और आसपास यूवी के हानिकारक प्रभाव के संपर्क में आना अभी भी संभव है, विशेष रूप से बच्चों या गोरे लोगों के लिए जिनकी त्वचा आसानी से झुलस जाती है या उस पर झाइयां पड़ जाती हैं।

हो सकता है कि महीनों के लॉकडाउन के बाद, बहुत से लोग धूप में निकलने के लिए बेताब हों, लेकिन यह महत्वपूर्ण है कि ज्यादा देर धूप में न रहें। इसका पता लगाना काफी कठिन हो सकता है कि आप कितनी तीव्रता की यूवी के संपर्क में आ रहे हैं, क्योंकि यूवी का स्तर उन दिनों में भी काफी अधिक हो सकता है जब आसमान में बादल छाए हुए हों। यूवी सूचकांक की जानकारी रख कर भी आप अपने आप को बचा सकते हैं। यूवी सूचकांक इस बात की माप है कि हर दिन यूवी किरणें कितनी तेज होती हैं। इससे आपको यह जानने में मदद मिलेगी कि आपको धूप से सुरक्षा के लिए टोपी, कपड़े और एसपीएफ़ 20 या उससे अधिक की व्यापक सुरक्षा वाली सनस्क्रीन का उपयोग करने की आवश्यकता है या नहीं। यह सुरक्षा कवच इस बात पर निर्भर करता है कि आप कितने समय के लिए बाहर रहेंगे।

जातिसूचक टिप्पणी को लेकर मुनमुन दत्ता के विरुद्ध प्राथमिकी

हिसार। हरियाणा पुलिस ने एक वीडियो में अनुसूचित जाति के लोगों के विरूद्ध कथित रूप से जातिवादी टिप्पणी करने को लेकर टी वी सीरियल तारक मेहता का उल्टा चश्मा की अभिनेत्री मुनमुन दत्ता के खिलाफ मामला दर्ज किया है। वैसे इस मामला के दर्ज होने से पहले ही अभिनेत्री ने माफी मांगी थी। उन्होंने कहा था कि वह हर उस व्यक्ति से माफी मांगती हैं जो गलत शब्द के इस्तेमाल की वजह अनजाने में उनसे आहत हुए हैं। दत्ता ने दावा किया कि भाषा संबंधी अड़चन के कारण उन्होंने गलत शब्द का इस्तेमाल किया और वाकई उन्हें उसके अर्थ की गलत जानकारी दी गई थी। हरियाणा के हांसी शहर में नेशनल एलायंस फॉर दलित ह्यमून राइट्स के संयोजक रजत कालसन की शिकायत पर दत्ता के विरूद्ध प्राथमिकी दर्ज की गई है। हांसी पुलिस ने अनुसूचित जाति एवं जनजाति उत्पीड़न रोकथाम अधिनियम के तहत प्राथमिकी दर्ज की है।

मैंने अपने करियर में अधिक हास्य किरदार नहीं निभाए: जैकी श्रॉफ

नई दिल्ली। जानेमाने अभिनेता जैकी श्रॉफ का कहना है कि वह अब फिल्मों में अधिक हास्य भूमिकाएं कर रहे हैं क्योंकि उनका मानना है कि उन्होंने अभी तक पर्दे पर अपने व्यक्तित्व के इस हिस्से को अच्छी तरह से पेश नहीं किया है। यही कारण है कि जब उनके करीबी मित्र एवं बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान ने फिल्म राधे: योर मोस्ट वांटेड भाई में अभयंकर का किरदार निभाने के लिए उनसे संपर्क किया, तो 64 वर्षीय अभिनेता इसके लिए सहज ही तैयार हो गए। श्रॉफ ने पीटीआई-भाषा के साथ एक साक्षात्कार में कहा, जैसा हमेशा होता है, सलमान ने मुझे फोन किया और कहा कि उनके परिवार द्वारा एक फिल्म बनाई जा रही है। उन्होंने कहा कि यह एक हास्य किरदार है और मुझे एक पुलिस अधिकारी की भूमिका निभानी है। तो मैंने कहा ठीक है। मैं इस फिल्म में जो कर रहा है वह हास्य है, और किसी को इसे गंभीरता से नहीं लेना चाहिए। अभिनेता ने कहा कि काफी लंबे समय के बाद उन्हें हास्य फिल्मों के लिए अधिक प्रस्ताव मिलने शुरू हुए हैं।उन्होंने कहा, मेरा मानना है कि मैंने अपने करियर में अधिक हास्य अभिनय नहीं किया है। हास्य फिल्म करना आसान नहीं है ... काफी समय बाद मुझे हास्य भूमिकाएं मिल रही हैं। उन्होंने कहा, मैंने हाल में हैलो चार्ली में काम किया और राधे के बाद, मुझे फोन भूत में काम करना है, जो एक बार फिर एक अच्छी पटकथा है।

शेमारू टीवी पर जगाने आस्था और विश्वास आ रहे हैं

सिया के राम

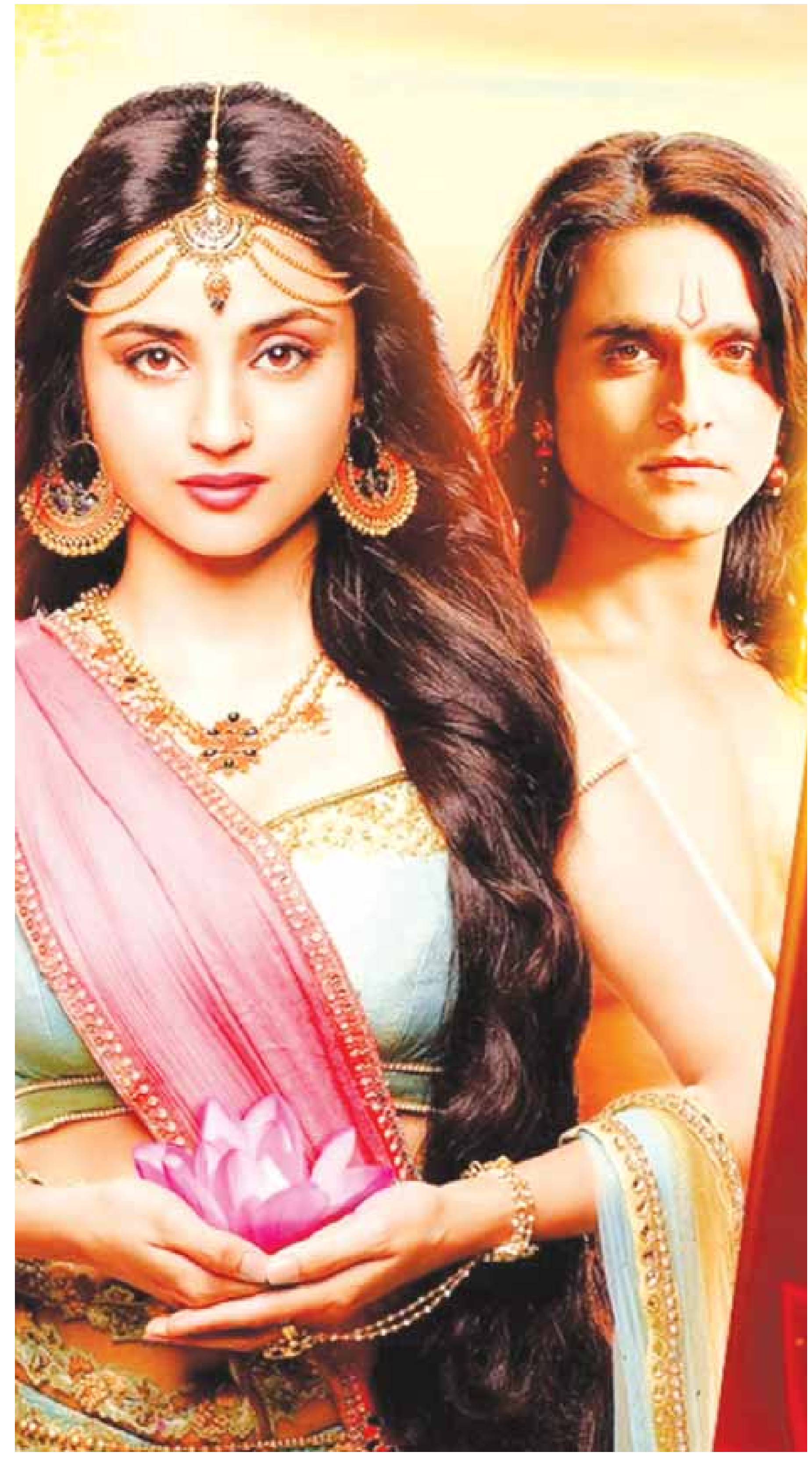

मनोरंजन जगत में चमचमाते सितारे की तरह उभरनेवाले शेमारू टीवी ने हाल ही में सफलतापूर्वक एक साल पूरा किया है। इस एक साल में करोड़ों दर्शकों के चेहरों पर मुस्कान बनकर शेमारू टीवी ने शोज़ और उपहारों के ज़रिए कइयों के सपनों को पंख दिए हैं, तो बहुतों की मनचाही मुराद पूरी की है। ऐसे में एक बार फिर अपने प्रिय दर्शकों के लिए शेमारू टीवी लेकर आ रहे हैं भक्ति रस से भरपूर एक नया और बेहद अनूठा शो सिया के राम इस शो में पहली बार आप देखेंगे कि कैसे रामायण को सीता जी के नज़रिए से दिखाया गया है। देश का बच्चा-बच्चा रामायण की जिस कहानी से रूबरू है, उसी रामायण को बिल्कुल नए नज़रिए से देखना और कुछ नए तथ्यों का उजागर होना यक़ीनन दर्शकों के लिए बेहद रोमांचक और अनूठा होगा। कोरोना की दूसरी लहर और लॉकडाउन से देश में हर तरफ़ डर, संशय और निराशा का अंधकार पसरा है, ऐसे में शेमारू टीवी का शो सिया के राम लोगों के मन में आस्था और विश्वास की लौ जगाने में यक़ीनन कामयाब होगा।

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है, जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है। शो के सभी दृश्यों को बेहद आकर्षक ढंग से दर्शाया गया है, जिन्हें देखकर दर्शक मंत्रमुग्ध हो जाते हैं। शो में सिया और राम के किरदार मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा ने निभाए हैं। देवी सीता के सशक्त किरदार को मदिराक्षी ने अपने बेहतरीन अभिनय से एक नई ऊंचाई पर पहुंचा दिया है। रामायण के दूसरों शोज़ में सीता को ज़्यादातर शांत दिखाया गया है, जबकि सिया के राम की सीता कर्तव्य पालन के साथ-साथ विचारों की स्वतंत्रता को भी प्राथमिकता देती हैं और समय-समय पर अपने पिता और पति के समक्ष अपने विचार खुलकर रखती हैं। आपको बता दें कि जहां प्रभु श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, वहीं माता सीता को सर्वोत्तम आदर्श माना गया है। एक आदर्श पुत्री, आदर्श पत्नी, आदर्श मां के साथ ही वो एक आदर्श स्त्री हैं, जो आज की आधुनिक नारी के लिए प्रेरणाश्रोत हैं।

रामायण की महत्वपूर्ण पात्र होने के बावजूद रामायण के अन्य शोज़ में माता सीता के किरदार, उनके चरित्र और बलिदान को उतनी प्रधानता नहीं दी गई है, जिसकी वो हक़दार हैं, जबकि सिया के राम में त्याग की मूर्ति देवी सीता के चरित्र और बलिदान को बेहद ख़ूबसूरत ढंग से दर्शाया गया है। लक्ष्मण की भूमिका निभानेवाले करण सूचक ने अपनी ख़ुशी बयां करते हुए

बदलते आज के लिए सिद्धांत पर चलते हुए शेमारू टीवी ने पिछले एक साल में अपने दर्शकों को ऐसे शोज़ दिखाए हैं जो बदलते भारत की तस्वीर पेश करते हैं। सिया के राम एक ऐसा ही अनोखा शो है जिसमें पुरुष प्रधान समाज में पहली बार रामायण की संपूर्ण गाथा को माता सीता के दृष्टिकोण से दिखाया गया है।

कहा, मैं बेहद खुश हूं की मेरे दर्शक मुझे एक बार फ्रि से लक्ष्मण के रूप में देख पाएंगे। सिया के राम मेरे दिल के बहुत करीब रहा है और में शेमारू टीवी का तहे दिल से सुक्रिया अदा करना चाहता हु की उन्होंने ना सिर्फमेरे दर्शको को पर मुझे भी सिया के राम देखने का दोबारा मौका दिया और उन लम्हो को वापिस से जीने का अवसर दिया । मेरा विश्वास है की कोविद के दर के सौरन हमारा यह शो सब के मन में आस्था की एक किरण जरूर जगायेगा और हम जल्द ही पुराने दिनों के तरह ज़िन्दगी जी पाएंगे।

सिया के राम शो में मदिराक्षी मुंडले और आशीष शर्मा के अलावा लक्ष्मण और उर्मिला का किरदार निभानेवाले करण सूचक और युक्ति कपूर मुख्य भूमिका में हैं। यह शो शेमारू टीवी पर 14 मई से हर रात 7.30 बजे प्रसारित हो रहा है।

पाकिस्तान: सर गंगाराम का समाधि स्थल 10 साल बाद फिर जनता के लिए खुलेगा

लाहौर। प्रख्यात हिंदू समाजसेवी और शीर्ष वास्तुकार सर गंगाराम के लाहौर स्थित समाधि स्थल को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। 10 साल पहले कुछ लोगों ने इस स्थल पर अवैध कब्जा कर लिया था। प्रशासन ने इस स्थल को कब्जा मुक्त कराया है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पंजाब प्रांत के लाहौर में टक्साली गेट के पास सर गंगाराम की समाधि है। लोगों के एक समूह द्वारा इस पर अवैध कब्जा कर लेने की वजह से पिछले एक दशक से इस स्थल को आगंतुकों के लिए बंद कर दिया गया था। इवैक्यू ट्रस्ट प्रॉपर्टी बोर्ड (ईटीपीबी) के उपनिदेशक फराज अब्बास ने कहा, हमने कुछ लोगों के समूह के कब्जे से इस जमीन को वापस ले लिया है और सर गंगाराम समाधि के जीर्णोद्धार का कार्य शुरू किया है। जीर्णोद्धार कार्य पूरा करने के बाद समाधि को इस महीने के आखिर में आम जनता के लिए खोल दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि महान वास्तुकार के कार्यों को प्रदर्शित करते हुए यहां एक कलावीथिका (आर्ट गैलरी) भी खोली जाएगी। उन्होंने कहा, जीर्णोद्धार कार्य पूरा होने के बाद उद्घाटन समारोह में स्थानीय हिंदुओं को आमंत्रित किया जाएगा। लाहौर से करीब 65 किलोमीटर दूर ननकाना साहिब के पास मंगतवाला में 1851 में जन्मे राय बहादुर गंगाराम पेशे से एक सिविल इंजीनियर और वास्तुकार थे। उन्होंने पाकिस्तान के पंजाब प्रांत की राजधानी लाहौर की शहरी संरचना में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने लाहौर उच्च न्यायालय, एटचिसन कॉलेज, हेली कॉलेज ऑफ कॉमर्स, लाहौर म्यूजियम, मेयो स्कूल ऑफ आर्ट्स आदि के भवनों का डिजायन तैयार किया था। सर गंगाराम ने लाहौर में अस्पताल के निर्माण के लिएजमीन दान में दी। लाहौर के मौजांग क्षेत्र में 1921 में सर गंगाराम अस्पताल की स्थापना हुई। लंदन में वर्ष 1927 में 76 वर्ष की उम्र में सर गंगाराम का निधन हुआ।

डांस दीवाने में माधुरी दीक्षित के प्यारे अंदाज ने दिलायी सरोज खान की याद

माधुरी दीक्षित ने हमेशा ही अपने नृत्य कौशल से सबको मंत्र.मुग्ध किया है और ऐसा होना तो लाजिमी है क्योंकि वह इस क्षेत्र की बेहतरीन, महान डांसर सरोज खान को अपना आदर्श मानती हैं। इन दोनों ने बॉलीवुड के अब तक के सबसे यादगार और पसंद किये गये डांस परफार्मेंस दिये हैं।

इस बार कलर्स के डांस दीवाने में सिज़ा और पल्लवी की डांस परफार्मेंस को देखकर माधुरी को अपनी मास्टरजी सरोज खान की याद आ गयी। उनकी यह परफॉर्मेंस माधुरी के लिये थी। तबाह हो गए् पर उनकी ज़बर्दस्त परफार्मेंस को देखकर माधुरी और बाकी सारे जज हैरान रह गये।

उनकी परफार्मेंस देखकर माधुरी दीक्षित भावुक हो गयीं और उन्होंने कहा पल्लवी और सिज़ा अपने डांस मूव्स में इतनी कमाल की थीं कि उन्हें सरोज खान की याद आ गयी। माधुरी दीक्षित कहती हैं शानदार परफार्मेंस। आपका डांस देखकर ऐसा लगा कि साक्षात सरोज जी मेरे सामने खड़ी हैं। ष्तबाह हो गएष् सरोज जी के साथ मेरा आखिरी गाना था। वो यादें जब उन्होंने मुझे डांस सिखाया था आज फ्रि से ताज़ा हो गयीं। मुझे आज भी याद है अच्छी परफार्मेंस के लिए वो 101 रूपये का ईनाम देती थीं। आज उनकी ओर से मैं आप दोनों को 101 रुपये का पुरस्कार देना चाहती हूं। माधुरी दीक्षित इतनी भावुक हो गईं कि उनकी आंखों में आंसू आ गये थे। खैर, इसे कहते हैं डांस की ताकत!

करण वोहरा ने कलर्स के शो पिंजरा खूबसूरती का में एक दबंग एसीपी राघव शास्त्री के रूप में की एंट्री

कलर्स के लोकप्रिय शो पिंजरा खूबसूरती का ने अपनी जबर्दस्त कहानी से दर्शकों को सम्मोहित कर रखा है। कहानी को और दिलचस्प बनाने के लिए कुछ मज़ेदार किरदार को पहली बार शो में शामिल किया जायेगा। इस शो की प्रमुख किरदार मयूरा रिया शर्मा अभिनीत ने बहुत सारी चुनौतियों का सामना करते हुए जिन्दगी में बहुत लंबा रास्ता तय किया है। ओमकार साहिल उप्पल अभिनीत ने भी हालातों से सबक लेते हुए अपने आप को बदल लिया है । मयूरा के प्रति उसका नजरिया बदल गया है, वह उसे एक अलग नजर से देखने लगा है। शो के मौजूदा ट्रैक में दिखाया जा रहा है कि ओमकार, विशाखा की एक पहेली सुलझाता है और तारा को बचाने के लिए हवेली की तरफ भागता है। बाद में विशाखा मयूरा को हवेली की तरफ आकर्षित करती है ताकि ओमकार और मयूरा के बीच गलतफहमी पैदा हो जाये। विशाखा के झांसे में आकर मयूरा मान लेती है कि तारा को ओमकार ने वहाँ रखा है। पूरे वक्त अंधा बने रहने का नाटक करने पर मयूरा ओमकार से काफी नाराज़ हो जाती है। वह ओमकार को बहुत फटकारती है और तारा को लेकर हॉस्पिटल की तरफ भागती है।

उपेक्षा का दंश झेल रहा प्राचीन वाणेश्वर बनीपारा महादेव मंदिर

रविकान्त दुबे, कानपुर देहात

महाभारतकालीन प्राचीन वाणेश्वर महादेव मॅंदिर उपेक्षा का दॅंश झेल रहा है। धार्मिक पर्यटन की अपार सॅंभावनायें समेटे जिनई बनीपारा के विशाल शिवलिंग वाले मॅंदिर की स्थापना दैत्यराज वाणासुर ने की थी।

आज भी सबसे पहले शिवलिंग का पूजन करती है ऊषा

कानपुर देहात। मान्यता है कि आज भी जब गृभगृह के दरवाजे खोले जाते है तो शिवलिंग पर जलाभिषेक के साथ बेलपत्री, धतूरा चढा मिलता है मॅंदिर के मुख्य पुजारी ने बताया कि दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा शिवलिंग पर प्रथम जलाभिषेक व पूजन अर्चन करती है।

जनपद के प्रमुख कस्बे रूरा से रूरा मिण्डाकुॅंआ मार्ग पर 7 किमी की दूरी पर स्थित वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के विषय में विभिन्न प्रकार की मान्यतायें हैं। रूरा बनीपारा सहित क्षेत्रीय बुर्जग ग्रामीण बताते है कि दैत्यराज वाणासुर ने भगवान शिव की घोर तपस्या की थी वाणासुर ने महादेव को अपनी तपस्या से प्रसन्न कर अपने महल में रहने का वरदान मॉंगा। वहीं कुछ लोगों का कहना है कि वाणासुर की पुत्री ऊषा ने भगवान शिव को अपनी तपस्या से प्रसन्न किया था जिसके फ्लस्वरूप भगवान शिव ने उसको वरदान स्वरूप अपने राज्य में स्थापित होने को बाध्य होना पडा। भगवान शिव ने अपने वरदान के परिणाम पर चिन्तन शुरू किया तो अनिष्ट की आशॅंका के चलते दैत्यों द्वारा अपने स्वरूप के दुरूपयोग पर शिवलिंग को रास्ते में कहीं भी जमीन पर न रखने की शर्त रख दी। वरदान के बाद भगवान शिव के विशाल शिवलिंग को लेकर वाणासुर अपने महल की ओर चला रास्ते में उसे जोर की लघुशॅंका लगी तभी उसे एक चरवाहा दिखा चरवाहा को वाणासुर शिवलिंग सौंप कर लघुशॅंका का निवारण करने लगा। इसी बीच चरवाहा शिवलिंग का भारी भार बर्दाश्त नहीं कर पाया और शिवलिंग को जमीन पर रख दिया।

वाणासुर जब वापस लौटकर आया तो शिवलिंग को जमीन पर रक्खा देखकर बहुत नाराज हुआ और चरवाहा को बुला भला कहा। उसके बाद वाणासुर ने विशाल शिवलिंग को धरती से उठाने का भरसक प्रयास किया परन्तु शिवलिंग टस से मस न हुआ मजबूरी में वाणासुर को वहीं शिवलिंग की स्थापना करनी पडी। यही मॅंदिर वाणेश्वर महाराज जिनई बनीपारा के नाम से प्रसिद्ध हुआ।

श्रावण के सोमवार व महाशिवरात्रि का है विशेष महत्व

कनपुर देहात। सावन के सोमवारो व महाशिवरात्रि को शिवलिंग पर जलाभिषेक करने से भक्तों के सभी मनवॉंछित फ्ल प्राप्त हो जाते है। शिवरात्रि से होली तक जिनई बनीपारा में विशाल मेला लगता है। जिसमें हजारों की सॅंख्या में क्षेत्रवासी वर्षों से आकर सिंघाडदाना, स्वादिष्ट मीठे बेर सहित अन्य खाद्य व घरेलू उपयोगी पदार्थों की खरीददारी करते है।

5 बिस्वा काशी के पुण्यफल की मान्यता है यहां

कानपुर देहात। पूर्व प्रधान बनीपारा रामहित सिंह ने बताया कि बनीपारा के देवकीपुरवा के पास काशीतालाब करीब 5 बिस्वा के क्षेत्रफ्ल के आकार का पूर्व में स्थापित था, जो आज सिमटकर अपने असतित्व की बॉट जोहता नजर आता है। इस 5 बिस्वा जमीन के विषय में अर्से से मान्यता है कि देवाधिदेव महादेव की नगर की काशी के पुण्यफ्ल का 5 बिस्वा हिस्सा यहॉं स्थित रहा है।

श्रोणितपुर (केशीपुर) पाताल मार्ग से होकर करते थे पूजा

- केशीपुर में खुले में रखा शिवलिंग का आकार वाणेश्वर के बराबर
- महाभारतकालीन सात बहनों की मूर्तियॉं भी नजदीक में हैं स्थापित

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा रूरा स्थित वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के पास स्थित अपने महल से करीब 5 किमी की दूर पर महाभारत कालीन श्रोणितपुर(अब केशीपुर) में दैत्यराज वाणासुर व उसकी पुत्री ऊषा पाताल मार्ग से भगवान शिव के विशाल शिव लिंग की अराधना करने आते थे। यहॉं महाभारतकालीन ही भगवान शिव की परमभक्त रही सातबहनों का मॅंदिर भी स्थित था, आज भी यहॉं खुले आसमान के नीचे जमीन पर रक्खा विशाल शिवलिंग व सात बहनों की मूर्तिया इतिहास की सच्चाई बयान करते नजर आती है।

वाणासुर व भगवान कृष्ण के मध्य युद्ध में धवस्त हो गया था महल

कानपुर देहात। दैत्यराज वाणासुर की पुत्री ऊषा को भगवान कृष्ण के पौत्र अनिरूद्ध से प्रेम हो गया। इस बात से नाराज हो वाणासुर ने अनिरूद्ध को कैद कर लिया। भगवान कृष्ण को जब अपने पौत्र की कैद के सम्बन्ध में जानकारी हुयी तो उन्हों दैत्य राज की नगरी में धावा बोल उसके महल का विध्वॅंस कर अनिरूद्ध को कैद से मुक्ति दिलायी।

ऊषा बुर्ज व ऐतिहासिक रानी तालाब का असतित्व सॅंकट में

कानपुर देहात। जिनई बनीपारा के वाणेश्वर महादेव मॅंदिर के पास स्थित रानी तालाब देख रेख के अभाव में अपने असतित्व के सॅंकट से जूझता नजर आ रहा है। ऊषा बुर्ज के सम्बन्ध में कई किदवॅंतियॉं प्रचलित है अलग-अलग लोग ऊषा बुर्ज के स्थान पर भिन्न राय रखते नजर आ रहे है।